वार्षिक रिपोर्ट 2011–12

(1.4.2011 से 31.3.2012)

शैक्षणिक परिषद (26.05.2012 को हुई बैठक) तथा
कार्यकारिणी परिषद (09.06.2012 को हुई बैठक)
में यथा अनुमोदित

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय

[केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 के अधीन स्थापित]

CENTRAL UNIVERSITY OF HIMACHAL PRADESH

[Established under Central Universities Act 2009]

ANNUAL REPORT 2011-12

(1.4.2011 to 31.3.2012)

As Approved by the
Academic Council (Meeting held on 26th May, 2012) &
Executive Council (Meeting held on 9th June, 2012)

प्रकाशन : अक्तूबर, 2012
Published: October, 2012

संकलन और संपादन : **प्रोफेसर योगिन्द्रर एस. वर्मा**
संकायाध्यक्ष, व्यवसाय एवं प्रबंधन विज्ञान स्कूल और
विशेष अधिकारी (विकास)

प्रोफेसर अरविंद अग्रवाल
संकायाध्यक्ष, समाज विज्ञान स्कूल और
मानविकी एवं भाषा स्कूल

डॉ. के.डी. लखनपाल
कुलसचिव

श्री बी.आर. धीमान
वित्त अधिकारी

हंदी अनुवाद, प्रूफ रीडिंग एवं फॉर्मेटिंग **श्री संजय कुमार सिंह**
हिंदी अधिकारी

मुद्रण व प्रकाशन : श्री बी.आर. धीमान कुलसचिव ( ) द्वारा हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के लिए और की ओर से प्रकाशित व मुद्रित; गलोबल कम्युनिकेशनस
एस.सी.ओ. 110–111, सैक्टर 34–ए, चंडीगढ़ द्वारा मुद्रित

Compiled and Edited by **Prof. Yoginder S. Verma**
Dean, School of Business & Management Studies &
Special Officer (Development)

Prof. Arvind K. Agrawal
Dean, School of Social Sciences &
School of Humanities & Languages

Dr. K. D. Lakhanpal
Registrar

Shri B. R. Dhiman
Finance Officer

Hindi Translation,
Proof Reading & Formatting : **Shri Sanjay Kumar Singh**
Hindi Officer

Printed and Published by behalf of **Shri B. R. Dhiman,** Registrar (Additional Charge) for and on

Central University of Himachal Pradesh,
at Global Communications,
SCO 110-111, Sector 34-A, Chandigarh-160 022

विषय सूची

संख्या	अध्याय	पृष्ठ
1	कुलपति की ओर से रिपोर्ट	5–6
2	विश्वविद्यालय के बारे में	7–8
	• विश्वविद्यालय का प्रारंभ एवं स्थापना	
	• कार्य प्रारंभ	
	• विश्वविद्यालय के उद्देश्य	
	• विश्वविद्यालय की प्रमुख विशेषताएं	
	• विश्वविद्यालय परिसर	
	▪ विश्वविद्यालय का मुख्यालय	
	▪ स्थायी परिसर	
	▪ अस्थायी परिसर	
	• विश्वविद्यालय का प्रतीक चिह्न	
3	विश्वविद्यालय के माननीय कुलाध्यक्ष	9
4	विश्वविद्यालय के प्राधिकारीगण	10–12
	• कोर्ट	
	• कार्यकारिणी परिषद	
	• शैक्षणिक परिषद	
	• स्कूल बोर्ड और पाठ्य समिति	
	• वित्त समिति	
5	स्थापना के बाद से विकास	13–15
	• अब तक विकसित भौतिक सुविधाएं और शैक्षणिक अवसंरचना	
	• भवन का निर्माण और परिसर का विकास	
	• अस्थायी आवासीय भवन	
6	भर्ती एवं नियुक्तियां	16
7	विज़न दस्तावेज एवं कार्यनीतिक योजना	16
8	परिनियमों और अध्यादेशों का बनाया जाना	17–18
	• परिनियमों का बनाया जाना	
	• अध्यादेशों का बनाया जाना	
9	परिनियम 40 के अन्तर्गत यथा अनुमोदित स्कूल, विभाग और अध्ययन केन्द्र	19–22
10	2011–12 तक प्रारंभ स्कूल, विभाग और अध्ययन केन्द्र	23–24
11	पाठ्यचर्या रूपरेखा	25–27
	• एकल सामान्य प्रवेश परीक्षा पर आधारित प्रवेश	
	• नवीन कार्यक्रम एवं पाठ्यचर्या रूपरेखा	
	▪ सेमेस्टर आधारित शैक्षणिक कैलेण्डर	
	▪ व्यापक चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली	
	▪ छात्र गतिशीलता एवं क्रेडिट हस्तांतरण	
	▪ पाठ्य कार्यक्रम को तैयार करने में नवीनता	
	▪ अधिगम के समग्र दृष्टिकोण पर अधारित क्रेडिटों का संगणन	
	▪ सभी पाठ्य कार्यक्रमों का माड्यूलर स्वरूप होना	
	▪ सभी पाठ्य कार्यक्रमों का बहुविषयक/अन्तर–विषयक होना	
	▪ सभी कार्यक्रमों का व्यापक सतत आंतरिक आकलन पर आधारित होना	
	▪ सभी कार्यक्रमों में ग्रेडिंग प्रणाली का होना	
	▪ नवान्वेषित अनुसंधान डिग्री कार्यक्रम	
12	प्रारंभ अध्ययन कार्यक्रम	28–31
	• वर्ष 2010–11 एवं 2011–12 के दौरान प्रारंभ अध्ययन कार्यक्रम	

संख्या	अध्याय	पृष्ठ
	• आवेदन एवं प्रवेश	
13	नामांकन एवं कुल विद्यार्थी	32–33
14	राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय सम्बद्धता और सहयोग • फूलब्राइट–नेहरू विजिटिंग प्रोफेसर • उच्चस्तरीय संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन ▪ आईएचबीटी के साथ सहयोग ▪ केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड के साथ सहयोग ▪ डीआरडीओ के बैलिस्टिक रिसर्च लैब के साथ सहयोग ▪ यूजीसी की फैकल्टी रिचार्ज स्कीम ▪ इनफ्लिबनेट के साथ सहयोग • राजभाषा प्रयासों की समीक्षा के लिए उच्चाधिकार समिति का आगमन • अनुसूचित जनजाति आयोग से प्रतिनिधिमंडल का आगमन	34–35
15	पुस्तकालय एवं सूचना संसाधन	36
16	विद्यार्थियों के लिए सहायक सुविधाएं • परिवहन सुविधाएं • स्वास्थ्य देखभाल की सुविधाएं • आवास की व्यवस्था	37
17	करियर परामर्श, मार्गदर्शन, प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट कार्यकलाप • प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ • अंतःकार्य प्रशिक्षण एवं ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण • विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित औद्योगिक भ्रमण/शैक्षिक यात्रा	38–39
18	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सेमिनार/संगोष्ठियां/सम्मेलन/कार्यशालाएं/अभिविन्यास कार्यक्रम • विश्वविद्यालय स्तर पर ▪ विधि के समाजशास्त्र पर अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन ▪ महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम ▪ विश्वविद्यालय–उद्योग अन्तर संबंध पर गोलमेज़ ▪ पाठ्यचर्या विकास–कार्यशालाएं/समितियां • स्कूल/विभाग स्तर पर	40–45
19	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अतिथि व्याख्यान/आमंत्रित व्याख्यान	46–47
20	संकाय सदस्यों द्वारा अनुसंधान एवं प्रकाशन	48–53
21	सेमिनारों/संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में संकाय सदस्यों की सहभागिता	54–61
22	कुलपति एवं संकाय सदस्यों द्वारा विशेष व्याख्यान/आमंत्रित व्याख्यान	62–63
23	सम्मान, पुरस्कार और राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय निकायों तथा समितियों की सदस्यता	64–66
24	संकाय सदस्यों का वृत्तिक विकास	66
25	विश्वविद्यालय के अन्य पाठ्यचर्या एवं सह–पाठ्यचर्या कार्यकलाप • विद्यार्थियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम • सोसाइटी एवं क्लब • स्वतंत्रता दिवस समारोह • पर्यटन सप्ताह समारोह • राजभाषा हिंदी का कार्यान्वयन • ऐंटी रैगिंग समिति बैठक • रक्तदान शिविर • एचआईवी/एड्स संबंधी कार्यकलाप • पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम में सहभागिता	70
26	विश्वविद्यालय की वित्त संबंधी सूचना	71

कुलपति की ओर से रिपोर्ट

मुझे विश्वविद्यालय की वर्ष 2011–12 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अपार संतोष और हर्ष का अनुभव हो रहा है। हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय का कार्य प्रथम कुलपति द्वारा 20 जनवरी, 2010 को कार्यभार ग्रहण करने के बाद से प्रारंभ हुआ। इस वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय के दो परिसरों के लिए पहचान की गई भूमि, वन संरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत अनुमति अपेक्षित होने के कारण हस्तांतरित नहीं होने से विश्वविद्यालय के परिसरों के लिए भवनों का निर्माण कार्य प्रांरभ न होने के सिवाय, विश्वविद्यालय ने सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

तथापि, वन संरक्षण अधिनियम अनुमति के लिए प्रस्तावों को तैयार करने की प्रक्रिया और भूमि का सीमांकन, वृक्षों की गणना, क्षतिपूरक वनारोपण के लिए भूमि की पहचान, वृक्षों के वर्तमान मूल्य की गणना, प्रलेखन कार्य, मास्टर योजनाओं का निर्माण, स्थल की भू–तकनीकी जाँच सहित विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों के लिए पहचान की गई भूमि के लिए वन संरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत अनुमति हेतु प्रस्तावों को तैयार करने की विस्तृत क्रियाविधि को प्राथमिकता के आधार पर सक्रिय प्रयास करते हुए पूरा किया गया। वन संरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत अनुमति के लिए राज्य सरकार की संस्तुति और अनुमोदन संबंधित कार्य पूर्ण करने के उपरांत 26 नवंबर, 2011 को पर्यावरण एवं वन मंत्रालय को अंतिम प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।

इस समय विश्वविद्यालय का शैक्षणिक कार्य शाहपुर स्थित अस्थायी शैक्षणिक खंड से एवं प्रशासनिक कार्य धर्मशाला स्थित कैंप कार्यालय से संचालित किया जा रहा है। यह व्यवस्था बहुत उत्तम तो नहीं है परंतु कुछ भी नहीं होने की जगह पर कुछ होना अच्छा है और विश्वविद्यालय द्वारा इसके पास उपलब्ध संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग के सभी संभव प्रयास किए जा रहे हैं। शैक्षणिक सत्र 2010–11 के दौरान प्रारंभ किए गए कार्यक्रमों के लिए आवेदनों की प्रतिक्रिया से प्रोत्साहित होकर और अस्थायी शैक्षणिक खंड में उपलब्ध सुविधाओं का यथासंभव पूर्ण उपयोग के लिए पूर्व शैक्षणिक वर्ष के दौरान प्रारंभ किए गए 6 स्नातकोत्तर और 6 अनुसंधान कार्यक्रमों के अतिरिक्त विश्वविद्यालय द्वारा 12 स्नातकोत्तर और 7 अनुसंधान डिग्री कार्यक्रमों को प्रारंभ किया गया। इस प्रकार शैक्षणिक वर्ष 2011–12 के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा 18 स्नातकोत्तर और 13 अनुसंधान डिग्री कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इससे पूर्व बैच में विश्वविद्यालय को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के जैसा ही इस वर्ष विश्वविद्यालय को स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में 3770 आवेदन/विकल्प और अनुसंधान डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए 1419 आवेदन / विकल्प प्राप्त हुए। विश्वविद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों की कुल संख्या 421 है, जिसमें से 201 छात्राएं हैं। विद्यार्थियों में से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों की प्रतिशतता क्रमशः 12.6%, 6.7% और 19% है।

विश्वविद्यालय के लिए सबसे बड़ी चुनौती अच्छे और प्रतिभावान संकायों को आकर्षित करना है। प्रारंभ में विश्वविद्यालय द्वारा अपने शिक्षण कार्य की व्यवस्था दूसरे विश्वविद्यालयों से कुछ प्रोफेसरों को प्रतिनियुक्ति आधार पर नियुक्त कर, लघुकालीन संविदा आधार पर सहायक प्रोफेसरों को नियुक्त कर और अभ्यागत (विजिटिंग) और अतिथि संकायों को आमंत्रित कर की गई। वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा नियमित आधार पर संकायों की नियुक्ति की प्रक्रिया अखिल भारतीय विज्ञापन और विधिवत गठित चयन समितियों के माध्यम से प्रारंभ की गई। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 20 विभिन्न शिक्षण–विषयों के लिए 140 संकाय पदों के लिए अनुमोदन मिलने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा 18 शिक्षण–विषयों के लिए 126 संकाय पदों (18 प्रोफेसरों, 36 एसोसिएट प्रोफेसरों और 72 सहायक प्रोफेसरों) का सृजन किया गया। वर्ष के दौरान प्रोफेसरों और एसोसिएट प्रोफेसरों के चयन के लिए समितियां गठित की गईं और विश्वविद्यालय द्वारा 54 पदों के लिए कुल 238 आवेदकों में से 23 पदों के लिए चयन किया गया। 31 मार्च, 2012 तक 09 संकायों ने विश्वविद्यालय में कार्यभार ग्रहण कर लिया है तथा शेष संकायों द्वारा शीघ्र ही कार्यभार ग्रहण करने की संभावना है। विश्वविद्यालय को 18 शिक्षण–विषयों के लिए सहायक प्रोफेसरों के 72 पदों के लिए 3250 से भी अधिक संख्या में आवेदन प्राप्त हुए हैं और इन पदों के लिए नियुक्ति प्रक्रिया प्रगत्याधीन है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 50 शिक्षकेतर पदों के लिए स्वीकृति दी गई है, जिन्हें चरणबद्ध तरीके से भरा जाना है। अब तक विश्वविद्यालय द्वारा 28 शिक्षकेतर पदों के लिए चयन समितियां गठित की जा चुकी हैं, जिनमें से 20 कर्मियों ने कार्यभार भी ग्रहण कर लिया है।

शैक्षणिक सुधार के प्रति प्रतिबद्ध रहते हुए विश्वविद्यालय द्वारा नवीन पाठ्यचर्या रूपरेखा को विकसित किया गया है और विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस) और व्यापक सतत आंतरिक मूल्यांकन प्रक्रिया को कार्यान्वित किया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत किसी भी अध्ययन कार्यक्रम में प्रवेश–प्राप्त प्रत्येक विद्यार्थी को अन्य विभागों / स्कूलों से 30 प्रतिशत क्रेडिट संचित करना अपेक्षित है। सभी अध्ययन कार्यक्रमों को मॉड्यूलर स्वरूप प्रदान किया गया है जिसके अन्तर्गत विनिर्दिष्ट समय के अंदर पाठ्यक्रम के बीच में प्रवेश (मिड–कोर्स एंट्री) और समकक्ष प्रवेश (लैटेरल एंट्री) की अनुमति दी गई है। अनुसंधान डिग्री कार्यक्रमों

को भी काफी नवीन स्वरूप प्रदान किया गया है जिसके अन्तर्गत शोध–प्रबंध और शोध–निबंध के अतिरिक्त शिक्षण सहायकवृत्ति और प्रकाशनों के माध्यम से क्रेडिट संचित करना अपेक्षित है। इन विचारों की संकल्पना विश्वविद्यालय के विज़न दस्तावेज और कार्यानीतिक योजना में की गई थी जिसको प्रथम कुलपति के प्रभार ग्रहण करने के चार महीनों के अंदर ही प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और विशेषज्ञों के परामर्श से विकसित किया गया था। तब से ही इन विचारों को अपेक्षित परिनियमों और अध्यादेशों को तैयार कर कार्यरूप में परिणत किया गया है। पूर्णकालिक नियमित संकायों की नियुक्ति और स्कूल बोर्ड एवं अध्ययन बोर्ड के गठित न होने के बावजूद विश्वविद्यालय द्वारा इस वर्ष प्रारंभ किए गए सभी अध्ययन कार्यक्रमों के लिए प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और प्रोफेशनलों को शामिल करते हुए पाठ्यक्रम कैटलॉग और पाठ्यक्रम रूपरेखा विकसित करने के लिए व्यापक स्तर पर पाठ्यचर्या विकास कार्यशालाएं आयोजित कर इसके लिए व्यापक कार्य किए गए।

उत्कृष्ट संस्कृति सृजन के उत्तरदायित्व के प्रति सजग रहते हुए विश्वविद्यालय द्वारा मेरिट, वस्तुनिष्ठता और अपने सभी निर्णय प्रक्रिया में पारदर्शिता को सक्रियता से बढ़ावा दिया गया है जिससे कि सभी आंतरिक और बाह्य स्टेकधारकों में विश्वास उत्पन्न हो सके। अधिनियम, परिनियमों एवं अध्यादेशों और विश्वविद्यालय के सभी सांविधिक निकायों (कार्यकारिणी परिषद, शैक्षणिक परिषद एवं वित्त समिति) की बैठकों के कार्यवृत्त भी विश्वविद्यालय की वेबसाइट (www.cuhimachal.ac.in) पर अपलोड किए जाते हैं। विश्वविद्यालय अध्ययन कार्यक्रमों में प्रवेश और नौकरी के पदों के लिए आवेदनों को ऑनलाइन जमा करने के लिए प्रोत्साहित करता है। प्रवेश के लिए विवरण–पत्रिका और आवेदन–पत्रों को भी निःशुल्क डाउनलोड किया जा सकता है और अभ्यर्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। शिक्षण और शिक्षकेतर पदों के लिए चयन प्रक्रिया को भी पारदर्शी रखा गया है; चयन के लिए एपीआई अपेक्षाओं सहित मानदंडों और पैरामीटरों को भी व्यापक रूप से प्रचारित किया गया था; विभिन्न मानदंडों में उनके अंकों के साथ आवेदकों की सूची वेबसाइट में प्रदर्शित करते हुए त्रुटियों और चूक को न्यूनतम करने के लिए सुधार हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए; लघु सूचीयन किए गए अभ्यर्थियों की सूची और लघु सूचीयन के आधार पर पैरामीटरों को भी सार्वजनिक किया गया। इन प्रक्रियाओं में काफी समय लगता है। कर्मियों की संख्या बहुत कम होने से उन्हें काफी परिश्रम करना होता है परंतु मेरिट को प्रोत्साहित करने के एकमात्र उद्देश्य से इन प्रक्रियाओं को बारीकी से कार्यान्वित किया जा रहा है। यद्यपि शिक्षण कार्य प्राथमिक मूल कार्य होगा और इस पर ही मुख्य जोर दिया जा रहा है, विशेषकर तब जब विश्वविद्यालय का विकास हो रहा है और शिक्षण कार्य से जुड़े कर्मियों की संख्या भी सीमित है, तथापि सहायक माहौल, अनुकूल कार्य परिस्थितियां सृजित कर और निरंतर संप्रेषण और बातचीत के जरिए अनुसंधान, प्रकाशनों और सेमिनारों/संगोष्ठियों/सम्मेलनों आदि में प्रतिभागिता की संस्कृति को प्रोत्साहित करने के सजग प्रयास किए जा रहे हैं। मुझे अपनी रिपोर्ट में यह बताते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि बहुत सीमित संख्या वाली संकाय सदस्यों, विशेषकर संविदा आधार पर नियुक्त किए गए युवा सहायक प्रोफेसरों और विश्वविद्यालय के कुछ अनुसंधान वेत्ताओं ने 152 सेमिनारों, सम्मेलनों और कार्यशालाओं में शोध पत्र प्रस्तुत किए/सत्रों की अध्यक्षता की/आमंत्रित अभिभाषण दिए; और जर्नलों, जिनमें बहुत से काफी प्रसिद्ध हैं, 106 शोध पत्र प्रकाशित किए ।

इस रिपोर्ट में मूलतः संकाय सदस्यों की छोटी संख्या द्वारा किए गए प्रयासों का प्रतिफल प्रतिबिंबित होता है, जिन्होंने समर्पण और उत्साह के साथ दिन–रात कार्य किया है और मैं संकाय सदस्यों के प्रशंसनीय योगदान की सराहना करता हूँ। मैं, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा उनके सभी अधिकारियों को विश्वविद्यालय के विकास में उनके द्वारा दी गई सहायता और सहयोग के लिए अपना आभार प्रकट करता हूँ। यदि मैं राज्य सरकार और जिला के अधिकारियों से विश्वविद्यालय को प्राप्त समर्थन और सहयोग की प्रशंसा और सराहना नहीं करता हूँ तो मैं अपने कर्तव्य निर्वहन से चूक जाऊँगा। विश्वविद्यालय प्राधिकारियों (कार्यकारिणी परिषद, शैक्षणिक परिषद और वित्त समिति) के सभी सदस्यों को बैठकों के लिए बहुमूल्य समय देने और उनके मार्गदर्शन एवं उत्साहवर्धन के लिए भी उन्हें बहुत–बहुत धन्यवाद देता हूँ। विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं वित्त अधिकारी के अथक प्रयासों के लिए उन्हें विशेष धन्यवाद देता हूँ।

स्थान : धर्मशाला
दिनांक 18 मई, 2012

प्रो. फुरकान कमर
कुलपति

विश्वविद्यालय के बारे में

विश्वविद्यालय का प्रारंभ एवं स्थापना :

माननीय प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त, 2007 को राष्ट्र को दिए अपने भाषण में उन प्रत्येक राज्यों में एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना की घोषणा की जहाँ अब तक केन्द्रीय विश्वविद्यालय नहीं हैं। तत्पश्चात् 11 वीं योजना में 16 नवीन केन्द्रीय विश्वविद्यालयों की स्थापना के लिए प्रावधान किया गया। तदनुसार, अन्य विश्वविद्यालयों के साथ हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 (2009 का क्रमांक 25), जिस पर राष्ट्रपति की सहमति 20, मार्च 2009 को प्राप्त हुई, अधिनियमित किया गया। हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना संसद द्वारा अधिनियमित केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 (2009 का क्रमांक 25) के अन्तर्गत की गई है। यह विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निधिबद्ध और विनियमित किया जाता है।

कार्य प्रारंभ :

यह विश्वविद्यालय 20 जनवरी, 2010 को प्रथम कुलपति द्वारा कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही कार्यशील हो गया। यद्यपि विश्वविद्यालय की अपनी अवसंरचना के विकास में कुछ समय लग सकता है, तथापि विश्वविद्यालय ने शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिष्ठित विशेषज्ञों के परामर्श से एक महत्वाकांक्षी विजन दस्तावेज विकसित किया है। विश्वविद्यालय के सांविधिक प्राधिकारियों द्वारा यथा अनुमोदित विजन दस्तावेज और कार्यनीतिक योजना विश्वविद्यालय की वेबसाइट (www.cuhimachal.ac.in) पर उपलब्ध है। तदनुसार, कालक्रम में विश्वविद्यालय का 150 एकड़ का परिसर धर्मशाला में और 900 एकड़ का परिसर देहरा में बनकर तैयार होगा तथा यहाँ सत्रह अध्ययन स्कूल होंगे, जिनमें लगभग 90 अध्ययन विभाग और लगभग 50 अध्ययन केन्द्र होंगे।

विश्वविद्यालय के उद्देश्य :

केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 के अनुसार विश्वविद्यालय के निम्नलिखित उद्देश्य हैं :

- ऐसी अध्ययन शाखाओं में, जिनको यह उचित समझे, शिक्षण एवं अनुसंधान सुविधाएं प्रदान करके ज्ञान का प्रसार एवं विकास करना।
- अपने शैक्षिक कार्यक्रमों में मानविकी, समाज विज्ञानों, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में समाकलित पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रावधान करना।
- अध्यापन–अधिगम प्रक्रिया एवं अन्तर–विषयक अध्ययनों और अनुसंधान में नवान्वेषण को बढ़ावा देने के लिए उपयुक्त उपाय करना।
- देश के विकास के लिए जनशक्ति को शिक्षित एवं प्रशिक्षित करना;
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए उद्योगों के साथ अन्तर्संबंध स्थापित करना;
- लोगों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थितियों में सुधार और उनका कल्याण, उनके बौद्धिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक विकास की ओर विशेष ध्यान देना।

विश्वविद्यालय की प्रमुख विशेषताएं :

केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 में विश्वविद्यालय की निम्नलिखित प्रमुख विशेषताएं दी गई हैं :

- विश्वविद्यालय प्रत्येक लिंग एवं व्यक्तियों एवं सभी जाति, मत, प्रजाति या वर्ग के लिए खुला होगा तथा विश्वविद्यालय के अध्यापक के रूप में नियुक्त किए जाने या उसमें कोई पद धारण करने या विश्वविद्यालय में छात्र के रूप में प्रवेश या वहाँ से शिक्षा ग्रहण करने या उसके किसी विशेषाधिकार का उपयोग या प्रयोग में किसी व्यक्ति की हकदारी में उस पर किसी धार्मिक विश्वास या वृत्ति के आधार पर कोई परीक्षा अंगीकृत अथवा आरोपित करना विश्वविद्यालय के लिए विधिसम्मत नहीं होगा।

- विश्वविद्यालय महिलाओं, विकलांग व्यक्तियों या समाज के कमजोर वर्गों और विशेषकर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों तथा सामाजिक एवं शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्ग के नागरिकों के नियोजन या प्रवेश के लिए विशेष प्रावधान कर सकता है, परंतु साथ ही कोई भी ऐसा विशेष प्रावधान, निवास स्थान के आधार पर नहीं किया जाएगा;
- विश्वविद्यालय का प्रयास अखिल भारतीय स्वरूप तथा शिक्षण एवं अनुसंधान के उच्च मानकों को बनाए रखना होगा तथा विश्वविद्यालय अन्य उपायों, जो उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यक हों, के साथ–साथ विशेषकर निम्नलिखित उपाय करेगा :
  - छात्रों का प्रवेश अखिल भारतीय स्तर पर केवल मेरिट के आधार पर, जिसका निर्धारण या तो विश्वविद्यालय द्वारा अलग से या अन्य विश्वविद्यालय के साथ मिलकर आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षा द्वारा किया जाएगा या ऐसे पाठ्यक्रमों जहाँ छात्रों के प्रवेश की संख्या कम है, अर्हता परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर किया जाएगा ;
  - संकाय (फैकल्टी) सदस्यों की भर्ती अखिल भारतीय स्तर पर की जाएगी तथा पोर्टेबल पेंशन एवं वरिष्ठता संरक्षण के साथ संकाय सदस्यों के अंतर–विश्वविद्यालय गतिशीलता को प्रोत्साहित किया जाएगा ;
  - सेमेस्टर प्रणाली, सतत मूल्यांकन एवं चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली लागू की जाएगी तथा विश्वविद्यालय क्रेडिट हस्तांतरण एवं संयुक्त डिग्री कार्यक्रमों के लिए अन्य विश्वविद्यालय एवं शैक्षणिक संस्थानों के साथ करार करेगा ;
  - अध्ययनों के लिए नए पाठ्यक्रम एवं अध्ययन कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे जिनमें आवधिक समीक्षा एवं पुनर्संरचना का प्रावधान होगा ;
  - विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक कार्यकलापों में छात्रों की सक्रिय भागीदारी तथा प्राध्यापकों का मूल्यांकन सुनिश्चित किया जाएगा ;
  - प्रत्यायन, राष्ट्रीय निर्धारण एवं प्रत्यायन परिषद या राष्ट्रीय स्तर की किसी अन्य प्रत्यायन एजेंसी से प्राप्त किया जाएगा ;
  - प्रभावकारी प्रबंधन सूचना प्रणाली सहित ई–गवर्नेंश शुरू किया जाएगा।

विश्वविद्यालय परिसर

- ### विश्वविद्यालय का मुख्यालय

  विश्वविद्यालय का मुख्यालय धर्मशाला, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश में स्थित है। इस स्थान की शांत अवस्थिति और मनोरम जलवायु शैक्षणिक कार्य के लिए अनुकूल एक आकर्षक परिवेश प्रदान करती है।

- ### स्थायी परिसर

  विश्वविद्यालय के दो परिसर होंगे : ब्यास परिसर देहरा में स्थित होगा तथा यहाँ विश्वविद्यालय की अधिकांश अवसंरचना होगी जिसमें शैक्षणिक कार्यकलापों एवं अवसंरचना का लगभग 70 प्रतिशत उपलब्ध कराया जाएगा। **धौलाधार परिसर** धर्मशाला में स्थित होगा तथा इसमें शैक्षणिक कार्यकलापों एवं अवसंरचना का लगभग 30 प्रतिशत उपलब्ध कराया जाएगा।

- ### अस्थायी परिसर

  - **कैंप कार्यालय** : विश्वविद्यालय का कैंप कार्यालय इस समय धर्मशाला में संस्कृति सदन (राइटर्स होम) में (अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के पास) स्थित है।
  - **अस्थायी शैक्षणिक खंड (टी ए बी)** : विश्वविद्यालय का अस्थायी शैक्षणिक खंड शाहपुर, जिला कांगड़ा में राज्य सरकार द्वारा विश्वविद्यालय को आबंटित नए निर्मित कॉलेज भवन में स्थित है। इसी प्रयोजनार्थ निर्मित यह खंड एक आकर्षक स्थान पर एक बड़े तीन मंजिले भवन में है। कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, संकाय सदस्यों एवं छात्र–छात्राओं की वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यहां शिक्षण कार्य हेतु पर्याप्त स्थान है। भवन के इर्द–गिर्द विस्तृत खुला स्थान आउटडोर खेलकूद के लिए सुविधाएं प्रदान कर सकता है।

विश्वविद्यालय का प्रतीक चिह्न

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रतीक चिह्न प्रतियोगिता के अन्तर्गत प्राप्त प्रविष्टियों के आधार पर विश्वविद्यालय द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति द्वारा विश्वविद्यालय के लिए निम्नलिखित प्रतीक चिह्न को अंतिम रूप से चयनित किया गया। इस प्रतीक चिह्न का योगदान एम. एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा के श्री अक्षय खत्री द्वारा किया गया।

यह प्रतीक चिह्न टाइप–मुद्रण और दृश्य चित्रण का मिश्रित रूप है जिसमें विश्वविद्यालय की पहचान को दर्शाया गया है और शिक्षा, सशक्तिकरण और विश्वविद्यालय के पर्यावरण को इंगित किया गया है। प्रतीक चिह्न में दर्शित निम्नलिखित रंगों से व्यक्त होता है :

- नीला रंग शिक्षा और सशक्तिकरण को दर्शाता है ;
- हरा रंग वृद्धि और पर्यावरण को व्यक्त करता है ;
- नारंगी रंग विश्वविद्यालय के विकास और पर्यावरण को इंगित करता है।

इसके अतिरिक्त, प्रतीक चिह्न हिमाचल प्रदेश के दृश्यगत प्राकृतिक सौंदर्य को भी व्यक्त करता है और इसके सरल डिजाइन को किसी भी मीडिया द्वारा आसानी से प्रदर्शित किया जा सकता है।

विश्वविद्यालय के माननीय कुलाध्यक्ष

भारत की राष्ट्रपति
श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल

केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 के अनुसार भारत के राष्ट्रपति, विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष हैं ।

श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल का जन्म 19 दिसम्बर, 1934 को महाराष्ट्र के जलगाँव जिला के नदगाँव ग्राम में हुआ । श्रीमती पाटिल ने 25 जुलाई, 2007 को 12वें राष्ट्रपति के रूप में पदभार ग्रहण किया । वे इस प्रतिष्ठित पद पर चुनी जाने वाली पहली महिला हैं । भारत के राष्ट्रपति के रूप में चुने जाने के ठीक पहले श्रीमती पाटिल 8 नवम्बर, 2004 से 21 जून, 2007 तक राजस्थान की राज्यपाल रहीं ।

शिक्षा : श्रीमती पाटिल ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा आर आर विद्यालय, जलगाँव से प्राप्त की और बाद में मूलजी जेठा कॉलेज, जलगाँव से राजनीतिशास्त्र एवं अर्थशास्त्र में निष्णात (मास्टर) की डिग्री प्राप्त की । बाद में उन्होंने राजकीय विधि कॉलेज, बम्बई (मुम्बई) से विधि स्नातक (एलएलबी) की डिग्री प्राप्त की । कॉलेज जीवन में उन्होंने खेलकूद में सक्रिय रूप से भाग लिया, टेबल टेनिस में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया तथा विभिन्न अन्तर–महाविद्यालय टूर्नामेंटों में कई शील्ड जीते । विधानसभा सदस्य होते हुए भी उन्होंने विधि की छात्रा के रूप में अपना अध्ययन जारी रखा ।

व्यावसायिक करियर : श्रीमती पाटिल ने अपने व्यावसायिक यात्रा की शुरूआत जलगाँव जिला न्यायालय में प्रैक्टिशिंग वकील के रूप में की तथा साथ–साथ विभिन्न सामाजिक कार्यकलापों, विशेषकर गरीब महिलाओं के उत्थान के लिए स्वयं को समर्पित रखा ।

अस्थायी शैक्षणिक खंड, शाहपुर का एक आंतरिक दृश्य।

विश्वविद्यालय के प्राधिकारीगण

कोर्ट

विश्वविद्यालय के कोर्ट का गठन किया जा रहा है ।

कार्यकारिणी परिषद

कार्यकारिणी परिषद विश्वविद्यालय की प्रधान कार्यकारिणी निकाय है । इस परिषद के अध्यक्ष कुलपति हैं और इसके सदस्यगणों में प्रतिष्ठित विद्याविद्, प्रशासक, विद्वान और वैज्ञानिक शामिल हैं। इस प्रथम कार्यकारिणी परिषद का गठन कुलाध्यक्ष द्वारा केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 की धारा 44 के अधीन कुलाध्यक्ष को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए किया गया है । इसमें निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं :–

1.	**प्रोफेसर फुरकान कमर,** कुलपति, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय	अध्यक्ष
2.	**सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग** मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली– 110001	सदस्य
3.	**उच्चतर शिक्षा के प्रभारी सचिव, हिमाचल प्रदेश सरकार, शिमला** डॉ. श्रीकांत बालदी (05.04.2010 से 05.09.2011 तक), श्री के. संजय मूर्ति(06.09.2011 से)	सदस्य
4.	**प्रोफेसर डी.टी.खातिंग**, कुलपति, झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सीटीआई कैंपस, ब्राम्बे, लोहरदग्गा रोड, रांची – 835205	सदस्य
5.	**प्रोफेसर प्रीतम सिंह**, पूर्व निदेशक, आईआईएम लखनऊ, एमीरेटस प्रोफेसर, मैनेजमैंट डेवलॉपमेंट इंस्टीट्यूट (एमडीआई) सुखराली, गुड़गांव (हरियाणा)	सदस्य
6.	**प्रोफेसर ए.एन.राय,** कुलपति, मिजोरम विश्वविद्यालय, पोस्ट बॉक्स 190, ऐजवाल, मिजोरम– 796009	सदस्य
7.	**प्रोफेसर एन.सत्यमूर्ति,** निदेशक, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजूकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर) मोहाली, एमजीएसआईपीएपी कॉम्प्लेक्स, सेक्टर 26, चण्डीगढ़ – 160019	सदस्य
8.	**प्रोफेसर वी.एस.व्यास**, पूर्व अध्यक्ष, आईडीएस उपाध्यक्ष, राज्य योजना बोर्ड, राजस्थान 396–वसुंधरा कॉलोनी, गोपालपूरा बाईपास, टौंक रोड, जयपुर – 302018	सदस्य (26.03.2012 तक)
	डॉ. यश पाल कुमार प्रोफेसर एवं संकायाध्यक्ष, तकनीकी अनुसंधान एवं अन्तर्राष्ट्रीय निगम, एपीजे सत्या विश्वविद्यालय, सोहना–पलवल रोड, सोहना, गुड़गांव, हरियाणा – 122103	सदस्य (27.03.2012 से)
9.	**प्रोफेसर एस.पी.त्यागराजन,** पूर्व कुलपति, मद्रास विश्वविद्यालय, 1 ला मेन रोड, नेहरू नगर, अडयार, चेन्नई–600020	सदस्य
10.	**प्रोफेसर डी.एस.राठोर,** पूर्व कुलपति, हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, 15/15 इंदिरा नगर, लखनऊ–226016	सदस्य
11.	**प्रोफेसर एस.पी.सिंह,** पूर्व कुलपति, एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय सलाहकार, योजना आयोग, इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, एसजीआरआर नगर–एजूकेशन मिशन, पटेलनगर, देहरादून	सदस्य

विश्वविद्यालय के कुलसचिव कार्यकारिणी परिषद के सचिव हैं, परंतु इस परिषद के सदस्य नहीं हैं।

वर्ष के दौरान कार्यकारिणी परिषद की तीन बैठकें दिनांक 11–06–2011, 10–09–2011 और 27–03–2012 को आयोजित की गईं ।

शैक्षणिक परिषद

शैक्षणिक परिषद विश्वविद्यालय की प्रधान शैक्षणिक निकाय है और परिषद द्वारा विश्वविद्यालय की शैक्षणिक नीति का सामान्य पर्यवेक्षण किया जाता है । इस परिषद के अध्यक्ष कुलपति हैं और इसके सदस्यगण में प्रतिष्ठित विद्याविद्, शिक्षाविद् और विद्वान शामिल हैं । इस प्रथम शैक्षणिक परिषद का गठन कुलाध्यक्ष द्वारा केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 की धारा 44 के अधीन कुलाध्यक्ष को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए किया गया है । इसमें निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं :–

1.	**प्रोफेसर फुरकान कमर,** कुलपति, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय	अध्यक्ष
2.	**प्रोफेसर एम.शमीम जयराजपुरी,** पूर्व कुलपति, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, प्रोफेसर एमिरेटस, प्राणी विज्ञान विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ (उ0प्र0)	सदस्य
3.	**प्रोफेसर देवी सिंह,** निदेशक, आईआईएम लखनऊ	सदस्य
4.	**प्रोफेसर पीटर रोनाल्ड डीसूजा,** निदेशक, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ अडवांस्ड स्टडीज (आईआईएएस), शिमला (हि0प्र0)	सदस्य
5.	**प्रोफेसर डॉ. (सुश्री) कमल सिंह,** पूर्व कुलपति, संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती	सदस्य
6.	**प्रोफेसर सुधांशु भूषण,** प्रमुख, उच्चतर शिक्षा, एनयूईपीए, नई दिल्ली	सदस्य
7.	**प्रोफेसर मोहम्मद मियां,** कुलपति, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद	सदस्य
8.	**प्रोफेसर पुलिन बी.नायक,** दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	सदस्य
9.	**प्रोफेसर श्याम मेनन,** कुलपति, अम्बेडकर विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	सदस्य
10.	**प्रोफेसर फैजान अहमद,** निदेशक, सेंटर फॉर मल्टी–डिसिप्लिनरी रिसर्च इन बेसिक साइंस, जेएमआई, नई दिल्ली	सदस्य
11.	**प्रोफेसर तापाती बसू** प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता	सदस्य
12.	**प्रोफेसर अनिल कुमार सिंह,** कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	सदस्य
13.	**प्रोफेसर वी.सी.पाण्डेय,** प्रमुख, मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	सदस्य
14.	**प्रोफेसर बी.बी.धर,** पूर्व प्रोफेसर, खन्ना, आईआईटी, बीएचयू, वाराणसी (उ0प्र0)	सदस्य
15.	**प्रोफेसर वाई नरसिमहुलू,** प्रोफेसर, गणित एवं निदेशक, एएससी, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद	सदस्य
16.	**प्रोफेसर आर.एस.दुबे,** पूर्व कुलपति, जीजीयू, बिलासपुर, छत्तीसगढ; प्रोफेसर एवं प्रमुख, जैव–रसायन विभाग, विज्ञान संकाय, बीएचयू, वाराणासी (उ0प्र0)	सदस्य
17.	**प्रोफेसर एम.डी.तिवारी,** निदेशक, आई.आई.आई.टी, इलाहाबाद	सदस्य
18.	**प्रोफेसर रमेश सी. शर्मा,** प्रोफेसर एवं प्रमुख, पर्यावरणीय विज्ञान विभाग, एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय	सदस्य
19.	**प्रोफेसर विभा चतुर्वेदी,** दर्शनशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	सदस्य
20.	**प्रोफेसर दीपक पेंटल,** पूर्व कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली – 110007	सदस्य
21.	**श्री सौरभ श्रीवास्तव,** प्रमुख, एजूकेशन इनिसियेटिव, नैसकॉम, नई दिल्ली – 110024	सदस्य

विश्वविद्यालय के कुलसचिव शैक्षणिक परिषद के पदेन सचिव हैं, परंतु इस परिषद के सदस्य नहीं हैं।

वर्ष के दौरान शैक्षणिक परिषद की एक बैठक दिनांक 19–11–2011 को आयोजित की गई।

स्कूल बोर्ड

विश्वविद्यालय के प्रत्येक स्कूल के लिए स्कूल बोर्डों का गठन किया जा रहा है।

पाठ्य समिति

विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग के लिए पाठ्य समितियों का गठन किया जा रहा है ।

वित्त समिति

केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 की दूसरी अनुसूची में समाहित प्रथम संविधि के संविधि 17 के साथ पठित धारा 24 के संदर्भ में विश्वविद्यालय की वित्त समिति का गठन किया गया है और दिनांक 24–07–2010 को आयोजित विश्वविद्यालय की कार्यकारिणी परिषद द्वारा अपनी पहली बैठक में मद सं. 1.21 में प्राधिकृत भी कर दिया गया है। इस समिति में निम्नलिखित सदस्य हैं :–

1.	**प्रोफेसर फुरकान कमर,** कुलपति, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय	अध्यक्ष
2.	**प्रोफेसर एन.सत्यमूर्ति,** निदेशक, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एजूकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), चण्डीगढ़ (कार्यकारिणी परिषद के प्रतिनिधि)	सदस्य
3.	**श्री सैय्यद शहीद महदी,** पूर्व कुलपति, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली (कार्यकारिणी परिषद के नामिति)	सदस्य
4.	**डॉ बी.एस.गिल,** सेवानिवृत्त भारत के उप नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक, पंचकुला (कार्यकारिणी परिषद के नामिति)	सदस्य
5.	**श्री आर.डी.सहाय,** संयुक्त सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार (कुलाध्यक्ष के नामिति)	सदस्य
6.	**श्री नवीन सोई,** निदेशक (वित्त), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, उच्चतर शिक्षा विभाग (कुलाध्यक्ष के नामिति)	सदस्य
7.	**डॉ. एस.सी.चढ्ढा,** उप सचिव (के.वि.), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली (कुलाध्यक्ष के नामिति)	सदस्य

विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी वित्त समिति के पदेन सचिव हैं परंतु इस समिति के सदस्य नहीं हैं।

वर्ष के दौरान वित्त समिति की तीन बैठकें दिनांक 11–06–2011, 10–12–2011 एवं 27–02–2012 को आयोजित की गईं।

विश्वविद्यालय के इंद्रूनाग में प्रस्तावित धौलाधर परिसर से मैक्लॉडगंज का एक दृश्य।

स्थापना के बाद से विकास

विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति द्वारा दिनांक 20 जनवरी, 2010 को कार्यभार ग्रहण करने से विश्वविद्यालय का कार्य प्रारंभ हो गया। विश्वविद्यालय के स्थल और शैक्षणिक वास्तुशिल्पगत रूपरेखा को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए कार्य प्रारंभ किए गए। वर्ष 2009–10 से 2011–12 के दौरान अब तक की गई प्रगति / प्राप्त उपलब्धियां हैं :–

अब तक विकसित भौतिक सुविधाएं और शैक्षणिक अवसंरचना :

स्थायी परिसरों के लिए भूमि एवं भवन : विश्वविद्यालय के स्थायी परिसरों पर विकास और निर्माण कार्य अब तक प्रारंभ नहीं हुआ है। यह कार्य विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों के लिए भूमि हस्तांतरित होने के बाद ही प्रारंभ हो पाएगा। तथापि, विश्वविद्यालय द्वारा दोनों परिसरों के लिए मास्टर योजनाएं तैयार करवा

अस्थायी शैक्षणिक खंड स्थित पुस्तकालय के पठन कक्ष का एक दृश्य।

ली गई हैं। पहचान की गई भूमि की भू–तकनीकी और जलीय जाँच भी पूर्ण हो चुकी है। साथ ही साथ, विश्वविद्यालय ने परियोजना प्रबंधन परामर्शदाता के रूप में राइट्स को नियुक्त करने के लिए सक्षम निकायों से अनुमति भी प्राप्त कर ली है। योजनाबद्ध भवनों की डिजाइनिंग के लिए वास्तुविदों की नियुक्ति की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ होगी, परंतु सीमा–दीवारों के निर्माण सहित वास्तविक निर्माण और विकास कार्य वन संरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत अनुमति और विश्वविद्यालय को भूमि हस्तांरित होने के बाद ही प्रारंभ किया जा सकता है। विश्वविद्यालय के स्थायी परिसरों की भूमि के कब्जे के लिए विश्वविद्यालय द्वारा गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं। इस संबंध में निम्नलिखित उपलब्धियां हासिल की गई :–

- राज्य सरकार द्वारा धर्मशाला और देहरा स्थित दोनों परिसरों के लिए भूमि की पहचान किए जाने के बाद दोनों परिसरों के लिए भूमि हस्तांतरण के लिए राजस्व विभाग से आवश्यक भूमि–सीमांकन और

पत्र–पत्रिकाओं संबंधी खंड।

कागजात संबंधी कार्य / प्रलेखन पूर्ण करवाया गया।

- धर्मशाला स्थल के लिए आबंटित भूमि की राज्य पीडब्ल्यूडी के माध्यम से सीमा की घेराबंदी भी करवायी जा चुकी है। देहरा स्थित स्थल की सीमा–दीवारों के लिए मामले पर जिला प्रशासन के साथ कार्रवाई की जा रही है।
- वन विभाग द्वारा दोनों परिसरों के लिए क्षतिपूरक वनारोपण हेतु वृक्षों की गणना और भूमि की पहचान संबंधी कार्य पूर्ण कर लिया गया है। कार्य की सुगमता और तीव्रता के लिए विश्वविद्यालय द्वारा एक परामर्शदाता नियुक्त कर उनकी सेवाएं ली गईं और वृक्षों की गणना और वन संरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत अनुमति के लिए प्रस्तावों / दस्तावेजों को तैयार करने पर उपगत व्यय भी स्वीकृत कर दिया गया।
- चूंकि भूमि संरक्षण अधिनियम (एफसीए) के अन्तर्गत अनुमति के प्रस्तावों के लिए स्थल योजना, मास्टर योजना और भू–तकनीकी सर्वेक्षण इत्यादि भी अपेक्षित था, विश्वविद्यालय द्वारा एडसिल को परामर्शदाता के रूप में नियुक्त किया गया और अधिकतर कार्य पूर्ण भी हो चुका है।
- एफसीए अनुमति संबंधी प्रस्ताव पर उपभोक्ता एजेंसी के रूप में हस्ताक्षर तथा तदोपरांत एफसीए अनुमति (वृक्षों के एनपीवी एवं क्षतिपूरक वनारोपण एनपीवी की लागत) के संबंध में लगभग 60 करोड़ रुपये की राशि के व्यय का वहन कौन करेगा, से जुड़ी अड़चन को भी राज्य सरकार के साथ मिलकर दूर किया गया है।
- भूमि के संबंध में कुछ अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों अर्थात् भूमि का सामीप्य सुनिश्चित करना तथा यह सुनिश्चित करना कि भूमि सभी विल्लंगम (इनकम्ब्रेंस) से मुक्त है, को भी राज्य सरकार के

साथ उठाया गया है तथा इसका शीघ्र ही निराकरण कर लिए जाने की संभावना है।

- एफसीए अनुमति संबंधी प्रस्तावों को राज्य सरकार द्वारा पहले ही अनुमोदित कर दिया गया है तथा इसे पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार को अग्रेषित किया गया है।
- उपर्युक्त के मद्देनजर एफसीए अनुमति, जो कि दोनों परिसरों के लिए भूमि के हस्तांतरण हेतु पूर्वापेक्षा है, शीघ्र ही प्राप्त किए जाने की संभावना है।
- इस आशा में एफसीए अनुमति प्राप्त हो जाएगी और अंततः भूमि हस्तांतरित हो जाएगी, विश्वविद्यालय द्वारा परियोजना प्रबंधन परामर्शदाता (पीएमसी) नियुक्त करने के कदम उठाए गए हैं जिससे कि भूमि के कब्जा के तुरंत बाद स्थायी परिसरों के निर्माण और विकास के लिए योजनाओं को तैयार कर रखा जा सके।

भवन का निर्माण और परिसर का विकास

विकास और निर्माण कार्य भूमि का हस्तांतरण और विश्वविद्यालय द्वारा इस पर कब्जा अपेक्षित होने के कारण अब तक प्रारंभ नहीं हो सका है। तथापि, विश्वविद्यालय द्वारा दोनों परिसरों के लिए मास्टर योजनाएं तैयार करवा ली गई हैं। पहचान की गई भूमि की भू–तकनीकी और जलीय जाँच भी पूर्ण हो चुकी है। साथ ही साथ, विश्वविद्यालय ने परियोजना प्रबंधन परामर्शदाता के रूप में राइट्स को नियुक्त करने के लिए सक्षम निकायों से अनुमति भी प्राप्त कर ली है। योजनाबद्ध भवनों की डिजाइनिंग के लिए वास्तुविदों की नियुक्ति की प्रक्रिया की जा रही है, परंतु सीमा–दीवारों के निर्माण सहित वास्तविक निर्माण और विकास कार्य एफसीए अनुमति और विश्वविद्यालय को भौतिक रूप से भूमि हस्तांतरित होने के तुरंत बाद ही प्रारंभ किए जाने की संभावना है।

अस्थायी आवासीय भवन

- **कैंप कार्यालय** : राज्य सरकार ने हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय को कुलपति के निवास–सह–कार्यालय हेतु किराया आधार पर हिमाचल प्रदेश सरकार के कला एवं संस्कृति विभाग के संस्कृति सदन (राइटर्स होम) को आबंटित कर दिया। चूंकि धर्मशाला में विश्वविद्यालय का कार्यालय स्थापित करने के लिए कोई अन्य भवन उपलब्ध नहीं कराया जा सकता था इसलिए विश्वविद्यालय ने इसी भवन में अपना कैंप कार्यालय स्थापित किया है । विश्वविद्यालय ने राज्य सरकार द्वारा धर्मशाला, जिला कांगड़ा में अस्थायी रूप से आबंटित भवन में एक पूर्णतया कार्यशील कैंप कार्यालय तैयार किया है । कैंप कार्यालय माड्यूलर फर्नीचर के साथ पूर्णतया कार्यशील है तथा इसमें कुलपति के कार्यालय,

पुस्तकों संबंधी खंड।

विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए चार चैम्बर, बैठक आदि के लिए पूर्णतया सज्जित बोर्ड कक्ष, कार्यालय स्टाफ के लिए आठ कक्ष, भंडार कक्ष, रसोई घर तथा स्वागत कक्ष, 24 लाइनों वाला ईपीबीएएक्स, मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर, फोटो कॉपियर, 17 पर्सनल कंप्यूटर, लोकल एरिया नेटवर्क (एलएएन) तथा वाईफाई के साथ 10 एमबीपीएस इंटरनेट कनेक्टिविटी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं ।

- **कुलपति का अस्थायी निवास** : राज्य लोक निर्माण विभाग द्वारा किए गए आकलन अनुसार एक आवासीय भवन किराए पर लेकर इसे कुलपति के आवास के लिए प्रकार्यात्मक रूप से सज्जित किया गया है ।
- **लड़कों और लड़कियों के लिए अस्थायी छात्रावास** : विश्वविद्यालय द्वारा कांगड़ा बाइपास पर 115 बोर्डर्स लड़कों के लिए छात्रावास को भाड़े पर लिया गया। छात्राओं के आवास के लिए छात्रावास के रूप में लिए जाने वाले भवन को भाड़े पर लिया जा रहा है। भाड़े की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।
- **अस्थायी शैक्षणिक खंड** : राज्य सरकार ने विश्वविद्यालय का अस्थायी परिसर स्थापित करने के लिए संस्थागत भवन (धर्मशाला के निकट शाहपुर में एक नया राजकीय महाविद्यालय भवन) आबंटित किया। यह भवन विश्वविद्यालय द्वारा प्रारंभ किए गए अध्ययन कार्यक्रमों हेतु पर्याप्त एवं समुचित है। जिला प्रशासन की सहायता से विश्वविद्यालय द्वारा प्राथमिकता के आधार पर परिसर में जल एवं विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था कर दी गई है। यह धर्मशाला से 30 किलोमीटर या लगभग 45 मिनट की दूरी पर स्थित है। अस्सी हजार (80000) वर्गफीट से अधिक के निर्मित क्षेत्र में यह अस्थायी शैक्षणिक खंड माड्यूलर फर्नीचर से सज्जित है। अस्थायी शैक्षणिक खंड में सृजित और उपलब्ध कराई गई सुविधाएं **तालिका 1** में दी गई हैं।

तालिका 1
विश्वविद्यालय के अस्थायी शैक्षणिक खंड में सृजित और विकसित सुविधाओं का विवरण

सुविधाएं	विवरण
कक्षाएं/ व्याख्यान थियेटर	• छः अत्याधुनिक कक्षाएं जिनमें प्रत्येक में 45 छात्रों के बैठने की क्षमता है • छः अत्याधुनिक व्याख्यान थियेटर जिनमें प्रत्येक में 90 छात्रों के बैठने की क्षमता है • सामूहिक चर्चा, परियोजनाओं (प्रोजेक्ट्स), कार्यशालाओं आदि के लिए एक कक्षा जिसमें 20 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता है
सेमिनार कक्ष/ सम्मेलन हॉल	• एक सम्मेलन हॉल जिसमें 200 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता है • एक सेमिनार हॉल जिसमें 70 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता है
प्रयोगशालाएं	• तीन प्रयोगशालाएं जो विज्ञान के पाठ्य कार्यक्रमों हेतु बुनियादी सिविल अवसंरचना से युक्त है • सूचना प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला जहाँ 41 कॉनसोल्स की व्यवस्था है • डिजीटल भाषा लैब जहाँ 41 कॉनसोल्स की व्यवस्था की जा रही है
कार्यालय स्थल/ वर्क स्टेशन/काउन्टर	• विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए तीन चैम्बर एवं कार्यालय • अस्थायी शैक्षणिक खंड के लिए केन्द्रीय कार्यालय जिसमें स्वागत कक्ष, रोकड़ काउन्टर, एक केबिन एवं स्टाफ के लिए छः वर्क स्टेशन हैं • परीक्षा एवं अन्य गोपनीय रिकार्डों के लिए एक स्ट्रौंग रूम
संकाय कक्ष/कक्षक/ वर्क स्टेशन	• प्रोफेसर/विभागाध्यक्ष/संकायाध्यक्षों के लिए पूर्णतया सज्जित आठ केबिन • स्कूलों/विभागों के कार्यालयों के लिए आठ वर्कस्टेशन • एसोसिएट प्रोफेसरों/सहायक प्रोफेसरों के लिए बहत्तर वर्कस्टेशन
पुस्तकालय एवं सूचना संसाधन केन्द्र (एलआईआरसी)	• विषयसूची (कैटलॉग) एवं ई–रिसोर्स का इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से प्रयोग के लिए 16 टर्मिनल • 15000 पुस्तकों के लिए स्टैक • पत्रिकाओं/जर्नलों के लिए रैक • पठन कक्ष जिसमें एक साथ लगभग 40 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता है • लगभग 100 व्यक्तियों के लिए लॉकर • पुस्तकालय–अध्यक्ष चैंबर • भंडार कक्ष • फोटोकॉपी की सुविधा • विश्वविद्यालय ने 'इनफ्लिबनेट' के विश्वविद्यालय पुस्तकालयों के सॉटवेयर (एसओयूएल) के लिए पहले ही ऑर्डर दे दिया है • 'इनफ्लिबनेट' के माध्यम से ई–रिसोर्स
अन्य सुविधाएं	• शुद्ध पेयजल की सुविधाएं • विश्वविद्यालय ने आउटसोर्स करते हुए वेंडर के माध्यम से भुगतान आधार पर संयुक्त रूप से छात्रों एवं स्टाफ के लिए फोटोकॉपी की सुविधा उपलब्ध करायी है । • विश्वविद्यालय द्वारा एक छोटी जिम/कार्यकलाप कक्ष/बैडमिंटन, वॉलीबॉल एवं बास्केट बॉल के लिए बुनियादी सुविधाओं से युक्त एक खेल का मैदान स्थापित किया जा रहा है। • विश्वविद्यालय नैसकेफे आउटलेट के माध्यम से कैंटीन सुविधा भी प्रदान करने जा रहा है।
इंटरनेट कनेक्टिविटी	• परिसर कार्यालय में इनफ्लिबनेट द्वारा आप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) के माध्यम से 10 एमबीपीएस कनेक्टिविटी उपलब्ध करायी गयी है । • विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) के अंतर्गत 1 जीबीपीएस कनेक्टिविटी स्वीकृत की गई है – आप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) पहले ही लगा दिया गया है तथा यह सुविधा कार्यशील हो गई है।
एलएएन/वाईफाई	• संपूर्ण अस्थायी शैक्षणिक खंड में लोकल एरिया नेटवर्क एवं वाईफाई कनेक्टिविटी एनएमईआईसीटी के अन्तर्गत प्रगत्याधीन है।
ई–गवर्नेंस पहल	• नौकरी और प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। • वर्तमान में संपूर्ण ऑफिस ऑटोमेशन और ई–गवर्नेंस के लिए इन्टरप्राइजवाइड रिसोर्स प्लानिंग हेतु संपूर्ण समाधान के कार्यान्वयन की दिशा में विश्वविद्यालय सक्रियता से कार्य कर रहा है।
भाषा प्रयोगशाला	• विश्वविद्यालय द्वारा टर्नकी आधार पर 41 कॉनसोल्स से युक्त डिजिटल भाषा प्रयोगशाला की स्थापना की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जा रहा है।
कंप्यूटिंग सुविधा	• अस्थायी शैक्षणिक खंड (टैब) में 32 पर्सनल कंप्यूटरों से युक्त कंप्यूटिंग सुविधा है।
संचार सुविधा	• पांच लैंडलाइन टेलीफोन कनेक्शन • 64 लाइन ईपीबीएएक्स सिस्टम, कार्यान्वयन के अंतिम चरण में है।

भर्ती एवं नियुक्तियाँ

सांविधिक अधिकारीगण

विश्वविद्यालय के प्रथम कुलसचिव और प्रथम वित अधिकारी के पदों को विज्ञापित किया गया था, इनके साक्षात्कार लिए गए थे तथा इन पदों के लिए चयन किया गया था और इन पदों को भर भी लिया गया। इसके अतिरिक्त, चार प्रोफेसरों को प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त किया गया, जिन्हें स्कूलों के संकायाध्यक्ष के रूप में नामोदिष्ट किया गया।

शिक्षण संकाय

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 20 विभिन्न विभागों के लिए कुल 140 पदों को 1:2:4 के अनुपात में स्वीकृत किया गया था। विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत पदों में से 11 स्कूलों के अन्तर्गत 18 विभिन्न विभागों/केन्द्रों में 126 संकाय सदस्य के पदों को सृजित किया गया। वर्ष 2009–10 के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा अन्य विश्वविद्यालयों से 4 प्रोफेसरों को प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त किया गया था और 13 सहायक प्रोफेसरों को संविदा आधार पर नियुक्त किया गया। वर्ष 2010–11 के दौरान इस व्यवस्था को जारी रखा गया और साथ ही साथ सभी स्वीकृत तथा सृजित संकाय पदों को विज्ञापित किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा नियमित आधार पर नियुक्ति के लिए प्रोफेसरों और एसोसिएट प्रोफेसरों के सभी 54 विज्ञापित पदों के लिए चयन समितियाँ गठित की गई और 23 पदों पर चयन किया गया। सहायक प्रोफेसरों के पदों पर चयन प्रक्रिया प्रगत चरण में है।

प्रशासनिक/शिक्षकेतर कर्मीगण

शैक्षणिक परिषद और कार्यकारिणी परिषद के अनुमोदन और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अनुमति से प्रशासनिक और शिक्षकेतर कर्मियों के 51 पदों को सृजित किया गया था। ये पद कुलसचिव, वित्त अधिकारी और परीक्षा नियंत्रक के अतिरिक्त हैं, जो कि सांविधिक पदों हैं। जबकि प्रथम कुलसचिव और प्रथम वित्त अधिकारी के पदो के लिए चयन वर्ष 2010–11 के दौरान किए गए थे। वर्ष 2011–12 के दौरान स्वीकृत पदों पर नियमित आधार पर नियुक्ति के लिए चयन समिति गठित की गई और 28 पदों पर चयन किए गए जिनमें से 20 पदों पर कर्मियों ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया कार्यान्वयन के विभिन्न चरण में है।

सेवाओं की आउटसोर्सिंग

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा सहायक सेवाओं के लिए आउटसोर्सिंग के माध्यम से 50 व्यक्तियों तक का अनुमोदन किया गया था जिसमें से वर्ष के दौरान 43 व्यक्तियों की सेवाएं ली जा रही हैं।

विज़न दस्तावेज एवं कार्यनीतिक योजना

विश्वविद्यालय ने अपना विजन दस्तावेज तैयार कर लिया है जिसमें शैक्षणिक ढाँचा, पाठ्यक्रम रूपरेखा, पाठ्य कार्यक्रम, प्रवेश एवं शुल्क नीति, शासन एवं प्रशासन, संकाय सदस्य एवं जनशक्ति आवश्यकताएं, परिसर नक्शा, भौतिक वास्तु, कार्य की चरणबद्धता एवं कार्यान्वयन योजना का ब्योरा दिया गया है। इस विजन दस्तावेज पर प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, शैक्षिक योजनाकर्ताओं एवं प्रशासकों और संस्थान निर्माताओं जैसे प्रतिभागियों के साथ शिमला में आयोजित दो दिवसीय विचार–मंथन सत्र में व्यापक रूप से चर्चा की गई। विचार–मंथन सत्र के दौरान प्राप्त सुझावों एवं टिप्पणियों के आधार पर दस्तावेज को संशोधित किया गया है। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परिषद एवं कार्यकारिणी परिषद द्वारा यथा अनुमोदित संशोधित दस्तावेज को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/मानव संसाधन विकास मंत्रालय को प्रस्तुत किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा यथा विकसित एवं अनुमोदित विजन दस्तावेज और कार्यनीतिक योजना में विश्वविद्यालय के निम्नलिखित पहलू शामिल हैं :

1. **विज़न, मिशन, उद्देश्य एवं स्वॉट (एस डब्ल्यू ओ टी) विश्लेषण** (प्रारंभ, परिसर का स्थान, क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र, विजन, मिशन, उद्देश्य , प्रमुख विशेषताएं, कार्य योजना एवं स्वॉट विश्लेषण)
2. **हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय का शैक्षणिक ढाँचा** (शैक्षणिक संगठन, स्कूल, विभाग एवं अध्ययन केन्द्र)
3. **पाठ्यक्रम रूपरेखा एवं अध्ययन कार्यक्रम** (पाठ्यक्रम ढाँचा जिसमें मार्गदर्शी सिद्धांत, विद्यार्थी–केन्द्रित दृष्टिकोण, उच्च शिक्षा के प्रति समग्र दृष्टिकोण, गहन शिक्षा पर जोर, अनुसंधान एवं छात्रवृत्ति सम्बद्ध, फीडबैक, मूल्यांकन एवं समीक्षा पर आधारित, चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली, कुल अधिगम परिणाम (टीएलओ) पर आधारित, कुल छात्र प्रयास (टीएसई) पर आधारित मूल्यांकन, क्रेडिट देने संबंधी प्रणाली, पाठ्यक्रम की विषय–सूची, विस्तृत पाठ्यक्रम रूपरेखा शामिल हैं; पाठ्य कार्यक्रम जिसमें मानक यूजी/पीजी/आरडी कार्यक्रम, नवान्वेषित बहुविषयक, माड्यूलर कार्यक्रम, नवान्वेषित यूजी कार्यक्रम, नवान्वेषित पीजी कार्यक्रम, नवान्वेषित आरडी कार्यक्रम, प्रकाशन कार्यों के लिए क्रेडिट की संगणना, शिक्षण सहायकवृत्ति के लिए क्रेडिट की संगणना, परीक्षा, आकलन एवं मूल्यांकन, ग्रेडिंग प्रणाली, डिग्री प्रदान करना शामिल हैं।
4. **प्रवेश, शुल्क, शासन एवं प्रशासन से संबंधित सामान्य नीतियां** (प्रवेश नीति–प्रतिभा खोज, पूर्णकालिक एवं अंशकालिक कार्यक्रम, शुल्क नीति एवं शुल्क संरचना, शासन एवं प्रशासन, आईसीटी, आईटी समाकलन एवं ईआरपी, आउटरीच कार्यक्रम तथा सामुदायिक नेटवर्किंग)
5. **संकाय सदस्य एवं जनशक्ति योजना** (संकाय सदस्य की आवश्यकताएं, योग्य संकाय सदस्यों, प्रशासनिक, शिक्षकेतर एवं सहायक स्टाफ को आकर्षित करने के लिए कार्यनीतियां)
6. **भौतिक वास्तु** (मार्गदर्शी सिद्धांत, जोनिंग तथा परिसर का नक्शा, भौतिक अवसंरचना)
7. **वित्तीय परिणाम, चरणबद्धता एवं कार्यान्वयन योजना** (पूंजीगत निवेश, चरणबद्धता एवं कार्यान्वयन योजना के लिए सकल वित्तीय आवश्यकताएं, अवसंरचना विकास में सार्वजनिक निजी भागीदारी की संभावना, सकल वार्षिक आवर्ती व्यय, आवर्ती व्यय का वार्षिक बहिर्प्रवाह, लागत वसूली एवं आय के अन्य स्रोत, विकास के लिए कार्यनीतियां)

धीरे–धीरे परंतु समयबद्ध तरीके से विश्वविद्यालय के विज़न और कार्यनीतिक योजना को परिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों को तैयार करते हुए इनके माध्यम से कार्य–रूप में परिणत किया जा रहा है। अब तक विश्वविद्यालय द्वारा विज़न को कार्य–रूप देने के लिए 05 परिनियमों और 42 अध्यादेशों को तैयार किया गया है।

परिनियमों और अध्यादेशों का बनाया जाना

परिनियमों का बनाया जाना

विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय में सुचारू कार्य के लिए काफी उद्यम के बाद अपेक्षित परिनियमों का निर्माण किया गया। यह एक लंबी प्रक्रिया है और बारीकियों का ध्यान रखते हुए अत्यधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है। तथापि, विश्वविद्यालय ने अनेक परिनियमों को बनाकर उन पर कुलाध्यक्ष का अनुमोदन भी प्राप्त कर लिया। अभी तक शैक्षणिक परिषद और कार्यकारिणी परिषद के अनुमोदन तथा तत्पश्चात विश्वविद्यालय के कुलाध्याक्ष की सहमति प्राप्त करने के बाद विश्वविद्यालय के निम्नलिखित परिनियम बनाए गए हैं :–

परिनियम	शीर्षक
वर्ष 2011–12 तक तैयार, अनुमोदित और अधिसूचित	
16 (4)	विभागाध्यक्ष की नियुक्तियां
16 (5)	केन्द्रों के निदेशकों की नियुक्तियां
40	स्कूल, विभागों और अध्ययन केन्द्रों की स्थापना
41	योजना एवं अनुवीक्षण बोर्ड का गठन
42	छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष (डीन) की विश्वविद्यालय के अधिकारी के रूप में नियुक्ति

अध्यादेशों का बनाया जाना

प्रथम परिनियम के साथ पठित केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 के अंतर्गत विश्वविद्यालय से सभी ऐसे विषयों पर अपना पहला अध्यादेश बनाने की अपेक्षा की गई है जिसके लिए अधिनियम और परिनियमों द्वारा अध्यादेशों के निर्माण का अधिदेश दिया गया है । अध्यादेशों का निर्माण श्रमसाध्य कार्य था, विशेष रूप से इसलिए कि विश्वविद्यालय ने अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों, पाठ्यचर्या रूपरेखा, परीक्षा प्रणाली आदि को नवीन रूप प्रदान करने का लक्ष्य रखा था। तथापि, बहुत ही कम समय में शैक्षणिक परिषद और कार्यकारिणी परिषद के अनुमोदन से निम्नलिखित अध्यादेशों को तैयार कर लिया गया और इसे अधिसूचित किया गया :

अध्यादेश	शीर्षक
वर्ष 2010–11 के दौरान तैयार, अनुमोदित और अधिसूचित	
1.	विभागों और केन्द्रों का अध्ययन स्कूलों के अंतर्गत निर्धारण
2.	विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों का प्रवेश
3.	संकायाध्यक्ष (डीन) की नियुक्ति, कार्य, कर्तव्य और उत्तरदायित्व
4.	पाठ्य समिति का गठन, इसके सदस्यों का कार्यकाल और इसकी शक्तियां एवं कार्य
5.	विभागाध्यक्ष के कार्य और कर्तव्य
6.	केन्द्र निदेशकों के कार्य और कर्तव्य
7.	छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष (डीन) के कार्य और उत्तरदायित्व
8.	कुलपति की परिलब्धियां तथा सेवा के निबंधन और शर्तें
9.	सम–कुलपति की परिलब्धियां तथा सेवा के निबंधन और शर्तें
10.	कुलसचिव की परिलब्धियां, सेवा के निबंधन और शर्तें, कार्य और उत्तरदायित्व
11.	वित्त अधिकारी की परिलब्धियां तथा सेवा के निबंधन और शर्तें
12.	परीक्षा नियंत्रक की परिलिब्धियां तथा सेवा के निबंधन और शर्तें
13.	पुस्तकालय–अध्यक्ष की परिलब्धियां तथा सेवा के निबंधन और शर्तें

14.	प्राध्यापकों और अन्य शैक्षणिक कर्मियों की सेवा के निबंधन और शर्तें और आचरण संहिता
15.	अध्यापन कर्मियों के लिए अवकाश नियमावली
16.	प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर और अन्य शैक्षणिक कर्मियों के पदों की नियुक्ति के लिए चयन समिति द्वारा अपनाई जाने वाली प्रक्रिया/प्रतिमानक
17.	छात्र–छात्राओं के आवास की शर्तें और विश्वविद्यालय के आवासाध्यक्ष (प्रोवोस्ट) एवं छात्रपाल (वार्डन) के कार्य, कर्तव्य, उत्तरदायित्व और नियुक्ति की प्रक्रिया
18.	अनुशासन का संवर्धन और विश्वविद्यालय के कुलानुशासक (प्रॉक्टर) की नियुक्ति की प्रक्रिया, कार्य, कर्तव्य और उत्तरदायित्व
19.	विश्वविद्यालय भवन समिति
20.	विश्वविद्यालय पुस्तकालय समिति
21.	यौन उत्पीड़न के संबंध में संवेदनशीलता, रोकथाम और निवारण (स्पर्श)
22.	स्कूल बोर्ड का गठन, शक्तियां और कार्य
23.	यात्रा और विराम भत्ता नियमावली
24.	प्राध्यापक और अन्य शैक्षणिक कर्मियों के अलावा कर्मचारियों की नियुक्ति के तरीके और परिलब्धियों सहित संवर्ग भर्ती नियमावली
25.	पूर्व–छात्र संघ
26.	क्रीड़ा और खेल समिति
27.	विद्वत निकायों अथवा संघों सहित अन्य विश्वविद्यालयों, संस्थानों और अन्य एजेंसियों के साथ सहकारिता और सहयोग की प्रक्रियाएं
28.	कर्मचारियों और छात्र–छात्राओं के लिए शिकायत निवारण समिति
29.	परीक्षाओं/डिग्रियों की मान्यता हेतु सम्तुल्यता संबंधी स्थायी समिति
30.	अनुसंधान डिग्री कार्यक्रम के अलावा अध्ययन कार्यक्रमों के लिए शिक्षण माध्यम, परीक्षा, मूल्यांकन और ग्रेडिंग प्रणाली
31.	पाठ्यचर्या रूपरेखा, अध्ययन कार्यक्रम और डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट प्रदान किए जाने के संबंध में शर्तें
32.	विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा देय शुल्क और अन्य प्रभार
33.	क्रेडिटों का हस्तांतरण

वर्ष 2011–12 के दौरान तैयार, अनुमोदित और अधिसूचित

34.	हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय मोटर वाहन नियमावली
35.	हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय वस्तु एवं सेवा प्रापण नियमावली 2010
36.	वित्तीय शक्ति प्रत्यायोजन अनुसूची
37.	प्रशासनिक शक्ति प्रत्यायोजन अनुसूची
38.	सूचना का अधिकार नियमावली 2011
39.	हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय (चिकित्सा परिचर्या) नियमावली 2011
40.	प्रक्रियाधीन (हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय पेंशन नियमावली)
41.	दर्शन निष्णात (एम.फिल) कार्यक्रम के लिए शिक्षण माध्यम, परीक्षा, मूल्यांकन और ग्रेडिंग सिस्टम
42.	विद्या वाचस्पति (पीएचडी) कार्यक्रम के लिए शिक्षण माध्यम, परीक्षा, मूल्यांकन और ग्रेडिंग सिस्टम

परिनियम 40 के अन्तर्गत यथा अनुमोदित स्कूल, विभाग और अध्ययन केन्द्र

विश्वविद्यालय द्वारा अपने विज़न दस्तावेज के आधार पर विश्वविद्यालय के स्कूल, विभाग और केन्द्रों की स्थापना के लिए परिनियम और अध्यादेशों को तैयार किया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा अनेक विभागों और केन्द्रों वाले 17 स्कूलों को स्थापित करने का प्रस्ताव किया गया था। जबकि तीन स्कूलों और उसके विभागों एवं केन्द्रों के अनुमोदन को आस्थगित कर दिया गया, माननीय कुलाध्यक्ष द्वारा 14 स्कूलों और उनके विभागों एवं केन्द्रों को अनुमोदित किया गया। परिनियम के अन्तर्गत यथाअनुमोदित स्कूलों और उनके विभागों एवं केन्द्रों की सूची **तालिका 2** में दी गई है :–

तालिका 2 : विश्वविद्यालय के स्कूल, विभाग और अध्ययन केन्द्र

क्र.सं.	स्कूल	स्कूल के महाविद्यालय / विभाग / केन्द्र
परिनियम एवं अध्यादेशों के अन्तर्गत पहले ही अनुमोदित स्कूल / महाविद्यालय / विभाग / केन्द्र		
1.	**चिकित्सा विज्ञान स्कूल**	
		• चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय
		• दंत चिकित्सा विज्ञान स्कूल
2.	**स्वास्थ्य एवं सम्बद्ध विज्ञान स्कूल**	
	अध्ययन विभाग	
		• नर्सिंग एवं रोगी देखभाल विभाग
		• शारीरिक चिकित्सा विभाग
		• पुनर्वास विज्ञान विभाग
		• भैषज विज्ञान विभाग
		• रोग विज्ञान एवं नैदानिक विज्ञान विभाग
		• पोषण एवं आहार प्रौद्योगिकी विभाग
	अध्ययन केन्द्र	
		• अपराध विज्ञान एवं न्यायालिक विज्ञान केन्द्र
		• चिकित्सालय एवं स्वास्थ्यरक्षण प्रबंधन केन्द्र
3.	**अभियांत्रिकी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी स्कूल**	
	अध्ययन विभाग	
		• सिविल एवं पर्यावरणीय अभियांत्रिकी विभाग
		• विद्युत अभियांत्रिकी एवं ऊर्जा प्रौद्योगिकी विभाग
		• इलेक्ट्रॉनिक एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग
		• यांत्रिकी एवं वांतरिक्ष अभियांत्रिकी विभाग
		• रसायनिक अभियांत्रिकी एवं रसायनिक प्रौद्योगिकी विभाग
		• कंप्यूटर अभियांत्रिकी एवं रोबोटिक्स विभाग
		• भैषज प्रौद्योगिकी विभाग
		• जैव प्रौद्योगिकी एवं जीनोम विभाग
	अध्ययन केन्द्र	
		• नवोत्पन्न प्रौद्योगिकियां एवं नवप्रवर्तन केन्द्र
		• भूकंप विज्ञान एवं अभियांत्रिकी केन्द्र
		• कौशल विकास एवं सामुदायिक पॉलीटेक्निक केन्द्र
4.	**भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल**	
	अध्ययन विभाग	
		• भौतिकी एवं खगोल विज्ञान विभाग
		• माईक्रोवेव एवं इलेक्ट्रॉनिक विभाग
		• रसायन एवं रासायनिक विज्ञान विभाग
		• नैनोविज्ञान एवं पदार्थ विभाग
	अध्ययन केन्द्र	
		• ऊर्जा अध्ययन केन्द्र
		• भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान में विशलेषणात्मक तकनीक संबंधी केन्द्र
		• मूल विज्ञान में अन्तर–विषयक अनुसंधान केन्द्र

क्र.सं.	स्कूल	स्कूल के महाविद्यालय / विभाग / केन्द्र
5.	**जैविक विज्ञान स्कूल**	
	अध्ययन विभाग • जन्तु विज्ञान विभाग • पादप विज्ञान विभाग • संरचनात्मक जीव विज्ञान • सूक्ष्म जैविकी विभाग • जैव रसायन एवं अणुजैविकी विभाग **अध्ययन केन्द्र** • अभिकलनात्मक जीव विज्ञान एवं जैवसूचना केन्द्र • मानव जैविक रसायनिक एवं अनुवांशिकी केन्द्र • जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी एवं जैव अभियांत्रिकी केन्द्र	
6.	**पृथ्वी विज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल**	
	अध्ययन विभाग • भू–विज्ञान विभाग • भूगोल विभाग • पर्यावरण विज्ञान विभाग • वायुमंडलीय एवं भूमंडलीय विज्ञान विभाग **अध्ययन केन्द्र** • जलवायु परिवर्तन, महासागरीय विज्ञान एवं हिमनद अध्ययन केन्द्र • जल विज्ञान एवं जलीय ऊर्जा केन्द्र • प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन एवं मानव पारिस्थितकी केन्द्र	
7.	**गणित, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी**	
	अध्ययन विभाग • गणित विभाग • सांख्यिकी एवं बीमांकिक विज्ञान विभाग • कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान विभाग • पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग **अध्ययन केन्द्र** • मल्टी–मीडिया प्रणाली विकास केन्द्र	
8.	**मानविकी एवं भाषा स्कूल**	
	अध्ययन विभाग • दर्शनशास्त्र एवं मानव मूल्य विभाग • तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता विभाग • इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग • भाषा विज्ञान एवं व्युत्पत्ति विज्ञान विभाग • अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग • हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग • संस्कृत एवं पाली विभाग • उर्दू विभाग **अध्ययन केन्द्र** • संचार एवं भाषा प्रयोगशाला केन्द्र • तुलनात्मक साहित्य एवं अनुवाद अध्ययन केन्द्र • भारत–अरब एवं ईरानी अध्ययन केन्द्र • भारत–तिब्बत एवं चीनी भाषा अध्ययन केन्द्र	
9.	**समाज विज्ञान स्कूल**	
	अध्ययन विभाग • अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग • राजनीति विज्ञान एवं अन्तर्राष्ट्रीय संबंध विभाग	

क्र.सं.	स्कूल	स्कूल के महाविद्यालय / विभाग / केन्द्र
		• लोक नीति एवं सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन विभाग • समाज शास्त्र एवं समाज नृविज्ञान विभाग • समाज कार्य विभाग • मनोविज्ञान एवं व्यवहार विज्ञान विभाग • परिवार एवं सामुदायिक विज्ञान विभाग **अध्ययन केन्द्र** • शांति अध्ययन एवं मतभेद समाधान केन्द्र • दक्षिण एशिया अध्ययन केन्द्र • रक्षा एवं रणनीति अध्ययन केन्द्र • सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति अध्ययन केन्द्र • महिला संबंधी अध्ययन केन्द्र • दलित एवं अल्पसंख्यक संबंधी अध्ययन केन्द्र • ग्रामीण एवं जनजाति संबंधी अध्ययन केन्द्र
10.	**शिक्षा स्कूल**	
		अध्ययन विभाग • शैक्षिक अध्ययन विभाग • अध्यापक शिक्षा विभाग • विशेष शिक्षा विभाग • आरंभिक बाल्यावस्था संबंधी शिक्षा विभाग **अध्ययन केन्द्र** • शिक्षा नीति अनुसंधान केन्द्र • शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं नवप्रवर्तन केन्द्र
11.	**व्यवसाय एवं प्रबंधन विज्ञान स्कूल**	
		अध्ययन विभाग • लेखा तथा वित्त विभाग • मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग • उत्पादन एवं प्रचालन प्रबंधन विभाग • विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग • प्रबंधन विज्ञान विभाग • परिवर्तन प्रबंधन एवं संगठन विकास विभाग • अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, व्यवसाय एवं वित्त विभाग **अध्ययन केन्द्र** • कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, नैतिकता एवं कार्पोरेट शासन केन्द्र • उद्यमशीलता एवं प्रवर्तन केन्द्र
12.	**पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल**	
		अध्ययन विभाग • पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग • होटल एवं आतिथ्य प्रबंधन विभाग • आयोजन, व्यापार मेला एवं प्रदर्शनी प्रबंधन विभाग **अध्ययन केन्द्र** • पारिस्थितकीय, साहसिक खेलादि, स्वास्थ्य एवं सांस्कृतिक पर्यटन संवर्धन संबंधी केन्द्र
13.	**ललित कला एवं कला शिक्षा स्कूल**	
		अध्ययन विभाग • अभिनय कला विभाग • दृश्य कला विभाग • कला इतिहास, कला शिक्षा एवं कला विवेचना विभाग **केन्द्र** • पहाड़ी भाषा, कला, संस्कृति एवं हस्तशिल्प लौकिकीकरण और संरक्षण केन्द्र

क्र.सं.	स्कूल	स्कूल के महाविद्यालय / विभाग / केन्द्र
14.	**पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया**	
	अध्ययन विभाग • पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन विभाग • जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया • फोटोग्राफी, फिल्म एवं टेलीवीजन विभाग • विज्ञापन और विपणन संचार विभाग **केन्द्र** • मीडिया अध्ययन एवं विकास संचार केन्द्र	
परिनियमों एवं अध्यादेशों के अन्तर्गत अनुमोदन के लिए शेष स्कूल / महाविद्यालय / विभाग / केन्द्र		
15.	**योजना, वास्तुकला एवं अभिकल्प स्कूल**	
	अध्ययन विभाग • वास्तुकला विभाग • भूदृश्य वास्तुकला विभाग • आंतरिक अभिकल्प विभाग • अभिकल्प विभाग **अध्ययन केन्द्र** • शहरी नवीकरण और वास्तुकला संरक्षण केन्द्र	
16.	**विधि एवं न्यायशास्त्र स्कूल**	
	अध्ययन विभाग • संवैधानिक विधि विभाग • प्रशासनिक विधि विभाग • दंड–विधि विभाग • कॉर्पोरेट एवं कराधान विधि विभाग • श्रम–विधि एवं औद्योगिकी संबंध विभाग • अन्तरराष्ट्रीय विधि विभाग • स्वीय विधि विभाग **अध्ययन केन्द्र** • तुलनात्मक विधि एवं न्यायशास्त्र केन्द्र • साइबर विधि एवं साइबर अपराध अध्ययन केन्द्र • विश्व व्यापार संगठन, विश्व बौद्धिक संपदा एवं बौद्धिक संपदा अधिकार संबंधी विधि अध्ययन केन्द्र • मानवाधिकार केन्द्र • पर्यावरणीय विधि केन्द्र	
17.	**शारीरिक शिक्षा, क्रीड़ा एवं खेलकूद स्कूल**	
	अध्ययन विभाग • खेलकूद विभाग • इंडोर क्रीड़ा एवं खेलकूद विभाग • कोर्ट क्रीड़ा एवं खेलकूद विभाग • फील्ड क्रीड़ा एवं खेलकूद विभाग • जल क्रीड़ा विभाग • घुड़सवारी विभाग • निशानेबाजी एवं तीरंदाजी विभाग • साहसिक खेल एवं ट्रेकिंग विभाग **अध्ययन केन्द्र** • खेल मनोविज्ञान केन्द्र • खेल चिकित्सा केन्द्र • खेल भौतिक चिकित्सा (फिजियोथेरापी) • योग एवं स्वस्थता संबंधी अन्य रहन–सहन एवं आहार संबंधी अध्ययन	

2011–12 तक प्रारंभ स्कूल, विभाग और अध्ययन केन्द्र

11वीं योजना के दौरान विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विश्वविद्यालय को अधिकतम 20 विभागों/अध्ययन केन्द्रों को प्रारंभ करने का अनुमोदन दिया गया। तदनुसार, आयोग द्वारा 1:2:4 के अनुपात में 140 संकाय सदस्यों की स्वीकृति दी गई। भौतिक सुविधाओं और अवसंरचना की कमी को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा 11 स्कूलों के अन्तर्गत 18 विभागों/केन्द्रों को प्रारंभ किया गया और 18 स्नातकोत्तर और 13 अनुसंधान डिग्री कार्यक्रमों की शुरूआत की गई। वर्ष 2010–11 और 2011–12 के दौरान विभिन्न स्कूलों में प्रारंभ विभागों/केन्द्रों की सूची **तालिका–3** में दी गई है।

तलिका 3 : 2010–11 एवं 2011–12 के दौरान प्रारंभ अध्ययन कार्यक्रम

प्रारंभ स्कूल/विभाग/केन्द्र	अध्ययन कार्यक्रम	वर्ष
भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल		
✦ भौतिकी एवं खगोल विज्ञान विभाग	एम.एससी. (भौतिकी) सैद्धांतिक भौतिकी में विशेषज्ञता	2011
	एम.फिल/पीएचडी	2011
जैविक विज्ञान स्कूल		
✦ कंप्यूटेशनल जीव विज्ञान एवं जैव सूचना विज्ञान केन्द्र	एम.एससी. (कंप्यूटेशनल जीव विज्ञान/जैव सूचना विज्ञान)	2011
	एम.फिल/पीएचडी	2011
पृथ्वी विज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल		
✦ पर्यावरण विज्ञान विभाग	एम.एससी. (पर्यावरण विज्ञान)	2011
	एम.फिल/पीएचडी	2011
गणित, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान स्कूल		
✦ गणित विभाग	एम.एससी. गणित (औद्योगिक गणित में विशेषज्ञता)	2011
	एम.फिल/पीएचडी	2011
✦ कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान विभाग	एम.एससी. (सूचना प्रौद्योगिकी)	2011
	एम.फिल/पीएचडी	2011
✦ पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग	एम.लिब. साइंस (समाकलित दोहरा डिग्री कार्यक्रम)	2010
	एम.फिल/पीएचडी	2010
मानविकी एवं भाषा स्कूल		
✦ अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग	एम.ए. (अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य)	2011
	एम.फिल/पीएचडी	2010
✦ हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग	एम.ए. (हिंदी)	2011
	एम.फिल/पीएचडी	2011
समाज विज्ञान स्कूल		
✦ अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग	एम.ए. (अर्थशास्त्र)	2010
	एम.फिल./पीएचडी	2010
✦ समाज कार्य विभाग	एमएसडब्ल्यू	2010
	एम.फिल/पीएचडी	2010

प्रारंभ स्कूल / विभाग / केन्द्र	अध्ययन कार्यक्रम	वर्ष
शिक्षा स्कूल		
✦ अध्यापक शिक्षा विभाग	एम.ए.(शिक्षा)	2011
	एम.फिल / पीएचडी	2011
व्यवसाय एवं प्रबंधन विज्ञान स्कूल		
✦ वित्त तथा लेखा विभाग	एम.बी.ए.	2010
✦ मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग ✦ विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग ✦ उद्यमशीलता एवं नवप्रवर्तन केन्द्र	फंकशनल विशेषज्ञता–विपणन, वित्त, एचआरएम, प्रचालन प्रबंधन; सेक्टोरल विशेषज्ञता–उद्यमशीलता विकास, वित्तीय बाज़ार, बीमा, अन्तरराष्ट्रीय व्यवसाय, आईटी	2010
	एम.फिल / पीएचडी	2010
पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल		
✦ पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग	एमबीए (पर्यटन एवं यात्रा में विशेषज्ञता)	2011
	एम.फिल. / पीएचडी	2011
ललित कला एवं कला शिक्षा स्कूल		
✦ दृश्य कला विभाग	एम.एफ.ए. (चित्रकला)	2011
पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल		
✦ पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन विभाग	एम.ए. (पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन)	2011
✦ जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग	एम.ए. (नवमीडिया संचार)	2011

विश्वविद्यालय के अस्थायी शैक्षणिक खंड स्थित कंप्यूटर प्रयोगशाला का दृश्य

पाठ्यचर्या रूपरेखा

एकल सामान्य प्रवेश परीक्षा पर आधारित प्रवेश

विश्वविद्यालय ने अपने सभी पाठ्य कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए अभिक्षमता आधारित सामान्य प्रवेश परीक्षा शुरू की है। विश्वविद्यालय में प्रवेश चाहने वाले अभ्यर्थियों को पाठ्य कार्यक्रमों का वरीयता–क्रम दर्शाते हुए एक ही प्रवेश फॉर्म भरना होगा तथा उन्हें केवल एक ही प्रवेश परीक्षा देने की आवश्यकता होगी। तदनुसार विश्वविद्यालय ने निम्नलिखित को शुरू किया है :

क. सभी विषय के लिए स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए एकल सामान्य प्रवेश परीक्षा के रूप में **हीट (उच्च शिक्षा अभिक्षमता परीक्षा)**

ख. सभी विषयों के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए एकल सामान्य प्रवेश परीक्षा के रूप में **फीट (उत्तरोत्तर शिक्षा अभिक्षमता परीक्षा)**

ग. सभी विषयों के लिए एमफिल/पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए एकल सामान्य प्रवेश परीक्षा के रूप में **ट्रीट (अनुसंधान प्रवेश अभिक्षमता परीक्षा)**

नवीन कार्यक्रम एवं पाठ्यचर्या रूपरेखा

उच्च शिक्षा में सुधार संबंधी लक्ष्यों से मार्गदर्शन तथा विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों के अनुभवों से सीख लेते हुए विश्वविद्यालय ने कई नवान्वेषण किए हैं जिनका ब्योरा निम्नानुसार है :

सेमेस्टर आधारित शैक्षणिक कैलेण्डर : विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक कार्यक्रम – स्नातक (यूजी), स्नातकोत्तर (पीजी) एवं एमफिल/पीएचडी अर्थात अनुसंधान डिग्री (आरडी) सेमेस्टर प्रणाली पर आधारित हैं जिनकी रूपरेखा शिक्षण दिवसों की प्रभावी संख्या और अध्यापन–अधिगम निर्विष्टि (इनपुट) के संदर्भ में वैश्विक पद्धतियों के अनुरूप तैयार की गई है ।

व्यापक चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली पर आधारित कार्यक्रम : विश्वविद्यालय ने मुख्यतया विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों की तर्ज पर व्यापक चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीसीबीसीएस) शुरू की है ।

अध्ययन कार्यक्रम, क्रेडिट के संदर्भ में परिभाषित किए गए हैं : पारंपरिक प्रणाली में शोधपत्रों/पाठ्यक्रमों के विपरित छात्र द्वारा निम्नलिखित संचित करना अपेक्षित है :

क. स्नातक डिग्री अर्जित करने के लिए 120 यूजी क्रेडिट

ख. स्नातकोत्तर डिग्री अर्जित करने के लिए 80 पीजी क्रेडिट

ग. एमफिल डिग्री अर्जित करने के लिए 60 आरडी क्रेडिट

घ. पीएचडी डिग्री अर्जित करने के लिए 120 आरडी क्रेडिट

छात्र गतिशीलता एवं क्रेडिट हस्तांतरण : विश्वविद्यालय ने भारत एवं विश्व के अन्य विश्वविद्यालयों से अपने छात्रों द्वारा क्रेडिट संचय को सुगम बनाने के लिए एक रूपरेखा तैयार की है। विश्वविद्यालय ने हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के संगत अध्यादेश के अनुसार समतुल्यता नियत करने एवं अन्य विश्वविद्यालयों से अपने छात्रों द्वारा अर्जित क्रेडिट के हस्तांतरण को स्वीकृत करने के लिए एक सुगठित तंत्र विकसित किया है।

अध्ययन कार्यक्रम को तैयार करने में नवीनता : अध्ययन विभाग, अध्ययन कार्यक्रमों की कोई पारंपरिक रूपरेखा तैयार करने के बजाय केवल (क) अपने संकाय सदस्यों की निपुणता एवं विशेषज्ञता के आधार पर पाठ्यक्रमों की रूपरेखा तैयार और प्रस्तावित करेंगे (ख) प्रस्तावित प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षा एवं सह–अपेक्षा विनिर्दिष्ट करेंगे और (ग) अध्ययन कार्यक्रम को पूरा करने के लिए आवश्यक क्रेडिट संचित करने हेतु उपलब्ध कई पाठ्यक्रमों को चुनने में छात्रों का मार्गदर्शन करेंगे। इस प्रकार छात्र की जरूरतों और अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए (पारंपरिक अध्यापक–केन्द्रित दृष्टिकोण के विपरीत) ''विद्यार्थी–केन्द्रित दृष्टिकोण'' पर बल दिया गया है जिससे कि शिक्षा ग्रहण करने में विषय, रीति और गति के संबंध में व्यापक विकल्प उपलब्ध हो सके।

अधिगम के समग्र दृष्टिकोण पर आधारित क्रेडिटों का संगणन : हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय में एक क्रेडिट को 30 घंटे के कुल छात्र प्रयासों (टीएसई) के बराबर परिभाषित किया गया है जिसमें **(क)** 10 घंटे के व्याख्यान/आयोजित कक्षा कार्यकलाप/संपर्क घंटे **(ख)** 5 घंटे के प्रयोगशाला कार्य/प्रायोगिक/क्षेत्र कार्य/अनुशिक्षण/शिक्षक के नेतृत्व वाले कार्यकलाप और **(ग)** 15 घंटे के अन्य कार्य अर्थात स्वतंत्र व्यक्तिगत/सामूहिक कार्य; अनिवार्य/वैकल्पिक कार्य; प्लेसमेंट; साहित्य सर्वेक्षण/पुस्तकालय कार्य; आंकड़ा संग्रहण/क्षेत्र कार्य शोधपत्र/परियोजनाएं (प्रोजेक्ट)/शोध निबंध/शोध प्रबंध लिखना; सेमिनार आदि। इस प्रकार, आंतरिक जिज्ञासा से प्रेरित गहन शिक्षा और स्वतंत्र रूप से स्व–प्रवर्तित शिक्षा और पढ़ाए गए विषय–वस्तु में संतुलन स्थापित करते हुए विषय में निपुणता पर जोर दिया जाता है।

सभी अध्ययन कार्यक्रमों का माड्यूलर स्वरूप होना : विश्वविद्यालय के सभी अध्ययन कार्यक्रमों की रूपरेखा माड्यूलर रूप में तैयार की गई है जिसमें पाठ्यक्रम छोड़ने एवं पार्श्विक (लैटेरल) प्रविष्टि का विकल्प है । जहाँ अधिकतर छात्र बिना किसी रूकावट के अपना यूजी/पीजी/आरडी पूरा कर लेते हैं, वहीं कुछ छात्र

अपने व्यक्तिगत बाध्यकारी कारणों से बीच में ही अध्ययन पाठ्यक्रम छोड़ने के लिए बाध्य हो जाते हैं । इसलिए, विश्वविद्यालय द्वारा कार्यक्रम के बीच में अध्ययन छोड़ने के संबंध में सुगठित ढाँचा विकसित किया गया है, जिसके अन्तर्गत परिसर में बिताए गए समय की अवधि तथा उनके द्वारा संचित क्रेडिट के आधार पर उनको सर्टिफिकेट/ डिप्लोमा/एडवांस डिप्लोमा प्रदान किया जाएगा। उदाहरण के लिए, यदि कोई विद्यार्थी दो सेमेस्टर के बाद अध्ययन छोड़ना चाहते हैं तो वह ऐसा कर सकता/सकती है और उसको उपयुक्त सर्टिफिकेट/ डिप्लोमा/एडवांस डिप्लोमा भी प्रदान किया जाएगा तथा वह दो वर्ष के भीतर पुनः इस स्तर से आगे अपना अध्ययन शुरू कर सकता/ सकती है । इस प्रकार, यूजी कार्यक्रम में प्रवेश प्राप्त छात्र को निम्नलिखित प्रदान किया जा सकता है :

- सर्टिफिकेट (यदि वह 40 यूजी क्रेडिट के साथ 2 सेमेस्टर के बाद अध्ययन छोड़ता है);
- डिप्लोमा (यदि वह 80 यूजी क्रेडिट के साथ 4 सेमेस्टर के बाद अध्ययन छोड़ता है);
- बैचलर डिग्री (यदि वह 120 यूजी क्रेडिट के साथ 6 पूर्ण सेमेस्टरों को पूरा करने के लिए बना रहता है) ।

पीजी कार्यक्रम में प्रवेश प्राप्त छात्र को निम्नलिखित प्रदान किया जा सकता है :

- एडवांस डिप्लोमा (यदि वह 40 पीजी क्रेडिट के साथ 2 सेमेस्टर के बाद अध्ययन छोड़ता है); या
- मास्टर डिग्री (यदि वह 80 पीजी क्रेडिट के साथ 4 पूर्ण सेमेस्टर के लिए बना रहता है) ।

इस प्रकार, अध्ययन छोड़ने वाले छात्र यदि अगले दो वर्ष के भीतर विश्वविद्यालय में वापस आ जाता है तो वे अपनी डिग्री पूर्ण एवं प्राप्त करने के लिए पार्श्विक रूप से अध्ययन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पात्र होंगे।

सभी अध्ययन कार्यक्रमों का बहुविषयक/ अन्तर–विषयक होना: विश्वविद्यालय के अध्ययन विभागों की रूपरेखा मूल विषयों के इर्द–गिर्द तैयार की जाती है (ताकि संकाय सदस्य अनुसंधान की अपनी विशिष्टता वाले क्षेत्रों पर ध्यान केन्द्रित करते रह सकें) । तथापि, विश्वविद्यालय का प्रत्येक अध्ययन कार्यक्रम बहुविषयक होता है क्योंकि छात्र को पूरे विश्वविद्यालय में प्रदान किए जाने वाले कई प्रकार के पाठ्यक्रमों से आवश्यक संख्या में क्रेडिट संचित करने का अधिकार दिया गया है (अर्थात एक छात्र संगीत के साथ गणित, दर्शनशास्त्र के साथ भौतिकी, मानविकी के साथ तकनीकी पाठ्यक्रमों और इसी प्रकार अन्य पाठ्यक्रमों की शिक्षा प्राप्त करने के लिए हकदार होगा) । तदनुसार :

क. पीजी स्तर पर छात्र को निम्नानुसार क्रेडिट संचित करना होगा :

- विभाग व्यापी पाठ्यक्रमों के जरिए 70 प्रतिशत क्रेडिट
- विश्वविद्यालय व्यापी पाठ्यक्रमों के जरिए 30 प्रतिशत क्रेडिट

ख. व्यवसाय एवं प्रबंधन विज्ञान स्कूल द्वारा प्रदत्त पीजी कार्यक्रमों के मामले में छात्र को निम्नलिखित के लिए क्रेडिट संचित करना होगा :

- विभाग व्यापी पाठ्यक्रम के जरिए 30 प्रतिशत क्रेडिट
- स्कूल व्यापी पाठ्यक्रमों के जरिए 40 प्रतिशत क्रेडिट
- विश्वविद्यालय व्यापी पाठ्यक्रमों के जरिए 30 प्रतिशत क्रेडिट

सभी कार्यक्रमों का व्यापक सतत आंतरिक आकलन पर आधारित होना : सभी विषयों और सभी स्तरों पर सभी अध्ययन पाठ्यक्रमों में छात्रों का आकलन क्विज, दत्तकार्य (असाइनमेंट), स्वतंत्र कार्य, सामूहिक कार्य, मध्यावधि एवं अंतिम सत्र की समाप्ति पर परीक्षा के आधार पर व्यापक सतत आंतरिक आकलन के जरिए किया जाएगा । सामान्य सिद्धांत के रूप में व्यापक सतत आंतरिक आकलन में निम्नलिखित घटक शामिल होंगे :

क. सतत आंतरिक आकलन	25 प्रतिशत
ख. मध्यावधि परीक्षा	25 प्रतिशत
ग. अंतिम सत्र परीक्षा	50 प्रतिशत

सभी अध्ययन कार्यक्रमों में ग्रेडिंग प्रणाली का होना : विश्वविद्यालय में अंक, ग्रेड प्वाइंट, लेटर ग्रेड एवं कक्षा (क्लास) के संदर्भ में छात्रों के कार्य–निष्पादन मूल्यांकन का आधार छः (6) प्वाइंट स्केल पर आधारित ग्रेडिंग प्रणाली होगी । एक सेमेस्टर के अन्तर्गत छात्र के कुल कार्य–निष्पादन और दूसरे सेमेस्टर से आगे सतत कार्य–निष्पादन को (क) ग्रेड प्वाइंट औसत (जीपीए); (ख) भारित औसत अंक (डब्ल्यूआरएएम); (ग) संचयी ग्रेड प्वाइंट औसत (सीजीपीए); और (घ) समग्र भारित प्रतिशत अंक (ओडब्ल्यूपीएम) द्वारा इंगित किया जाएगा ।

नवान्वेषित अनुसंधान डिग्री कार्यक्रम : विश्वविद्यालय का पूर्णकालिक अनुसंधान डिग्री (आरडी) कार्यक्रम एक कठिन एवं विस्तृत कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य अनुसंधान कौशलों को तीक्ष्ण करना, अध्यापन क्षमता विकसित करना, गुणवत्तायुक्त अनुसंधान प्रकाशित करना तथा सेमिनारों एवं सम्मेलनों में सक्रिय भागीदारी करना है । तदनुसार, शोध उपाधि प्राप्त करने के लिए छात्र को पाठ्यक्रम संबंधी कार्य, अध्यापन सहायकवृत्ति, प्रकाशन कार्य एवं शोध निबंध/शोध प्रबंध के जरिए क्रेडिट संचित करना आवश्यक होता है । एमफिल एवं पीएचडी कार्यक्रमों के लिए अवधि एवं क्रेडिट आवश्यकताएं निम्नानुसार है :

क) एमफिल के लिए : एमफिल डिग्री हेतु संबंधित आरडी कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए छात्र को निम्नानुसार कुल 60 आरडी क्रेडिट संचित करना आवश्यक होगा :

i)	पाठ्यक्रम संबंधी कार्य :	20 क्रेडिट
ii)	शोध निबंध :	20 क्रेडिट
iii)	प्रकाशन :	10 क्रेडिट
iv)	अध्यापन सहायकवृत्ति :	10 क्रेडिट

ख) पीएचडी के लिए : पीएचडी डिग्री हेतु संबंधित आरडी कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए छात्र को निम्नानुसार कुल 120 आरडी क्रेडिट संचित करना आवश्यक होगाः

i)	पाठ्यक्रम संबंधी कार्य :	20 क्रेडिट
ii)	शोध निबंध :	60 क्रेडिट
iii)	प्रकाशन :	20 क्रेडिट
iv)	अध्यापन सहायकवृत्ति :	20 क्रेडिट

ग) अनुसंधान डिग्री (आरडी) में प्रवेश प्राप्त छात्रों को अपने प्रवेश के बाद के पहले दो सेमेस्टरों में निर्धारित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य को पूरा करना आवश्यक होता है । अनुसंधान डिग्री कार्यक्रम की अधिकतम निर्धारित अवधि के बावजूद यदि छात्र दो सेमेस्टरों में निर्धारित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य पूरा नहीं कर पाता है तो उसके प्रवेश को रद्द कर दिया जाएगा तथा उसके नाम को विश्वविद्यालय की पंजिका से हटा दिया जाएगा । इसके अतिरिक्त अनुसंधान कार्यक्रम में प्रवेश प्राप्त किसी भी छात्र को शोध निबंध कार्य को करने की अनुमति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक निर्धारित पाठ्यक्रम संबंधी कार्य पूरा न हो जाए ।

घ) अनुसंधान डिग्री कार्यक्रम में प्रवेश के लिए औपचारिकताएं पूरी करने के शीघ्र बाद प्रत्येक छात्र को इस बारे में निर्धारित प्रारूप (फार्मेट) में लिखित में यह प्रस्तुत करना आवश्यक होता है कि क्या वह एमफिल के लिए या पीएचडी डिग्री के लिए अध्ययन करना चाहता/चाहती है ।

ड) यदि अनुसंधान डिग्री कार्यक्रम में प्रवेश प्राप्त छात्र के पास इस विश्वविद्यालय या अन्य विश्वविद्यालय की एमफिल डिग्री है तो पाठ्यक्रम संबंधी कार्य, प्रकाशन एवं अध्यापन सहायकवृत्ति के लिए क्रेडिट आवश्यकताओं को तदनुसार समायोजन किया जा सकता है । तथापि, ऐसे छात्रों के लिए पाठ्यक्रम संबंधी कार्य, प्रकाशन कार्य एवं अध्यापन सहायकवृत्ति के लिए शेष क्रेडिट के साथ–साथ शोध निबंध कार्य हेतु पूर्ण 60 आरडी क्रेडिट पूरा करना आवश्यक होगा।

च) प्रकाशन कार्य के लिए क्रेडिट की संगणना : एमफिल एवं पीएचडी डिग्री के लिए प्रकाशित कार्य हेतु क्रेडिट की संगणना निम्नानुसार की जानी है :

- राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में प्रकाशित प्रत्येक सामान्य शोधलेख/ प्रस्तुत शोधपत्र के लिए 2 क्रेडिट;
- अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में प्रस्तुत प्रत्येक शोधपत्र के लिए 4 क्रेडिट;
- राष्ट्रीय स्तर के अनुमोदित संदर्भ–जर्नल में प्रत्येक शोधपत्र के लिए 5 क्रेडिट;
- अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के अनुमोदित संदर्भ–जर्नल में प्रत्येक शोधपत्र के लिए 10 क्रेडिट;
- आरडी कार्यक्रम के लिए छात्रों को पंजीकृत करने वाले प्रत्येक विभाग/केन्द्र को प्रकाशन के लिए अनुमोदित जर्नलों की अद्यतन सूची रखनी होगी।

छ) अध्यापन सहायकवृत्ति के लिए क्रेडिट की संगणना : एमफिल एवं पीएचडी डिग्री के लिए अध्यापन सहायकवृत्ति हेतु क्रेडिट की संगणना निम्नानुसार की जानी है :

- दो क्रेडिटों के एक सेमेस्टर पाठ्यक्रम के स्वतंत्र अध्यापन के लिए 10 क्रेडिट
- दो क्रेडिटों के एक सेमेस्टर पाठ्यक्रम के अध्यापन में किसी के साथ मिलकर कार्य के लिए 5 क्रेडिट
- आकलन, मूल्यांकन, परीक्षा, पाठ्यक्रम विकास, पठन सूची आदि के विकास में सहभागिता के प्रत्येक 3 घंटे के लिए 1 क्रेडिट (इस श्रेणी के अंतर्गत दावा किए गए कार्य की मात्रा की संपरीक्षा करने एवं इसको प्रमाणित करने का दायित्व संबंधित पर्यवेक्षक का है)।

प्रारंभ अध्ययन कार्यक्रम

वर्ष 2010–11 एवं 2011–12 के दौरान प्रारंभ अध्ययन कार्यक्रम

वर्ष 2010–11 एवं 2011–12 के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रमों को प्रारंभ किया गया :–

2010–11 एवं 2011–12 के दौरान प्रारंभ अध्ययन कार्यक्रम एवं स्थान

प्रारंभ स्कूल / विभाग / केन्द्र	अध्ययन कार्यक्रम	वर्ष	स्थान
भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल			
✦ भौतिकी एवं खगोल विज्ञान विभाग	एम.एससी. (भौतिकी) सैद्धांतिक भौतिकी में विशेषज्ञता	2011	30
	एम.फिल / पीएचडी	2011	10
जैविक विज्ञान स्कूल			
✦ कंप्यूटेशनल जीव विज्ञान एवं जैव सूचना विज्ञान केन्द्र	एम.एससी. (कंप्यूटेशनल जीव विज्ञान / जैव सूचना विज्ञान)	2011	30
	एम.फिल / पीएचडी	2011	10
पृथ्वी विज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल			
✦ पर्यावरण विज्ञान विभाग	एम.एससी. (पर्यावरण विज्ञान)	2011	30
	एम.फिल / पीएचडी	2011	10
गणित, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान स्कूल			
✦ गणित विभाग	एम.एससी. गणित (औद्योगिक गणित में विशेषज्ञता)	2011	30
	एम.फिल / पीएचडी	2011	10
✦ कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान विभाग	एम.एससी. (सूचना प्रौद्योगिकी)	2011	30
	एम.फिल / पीएचडी	2011	10
✦ पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग	एम.लिब. साइंस (समाकलित दोहरा डिग्री कार्यक्रम)	2010	30
	एम.फिल / पीएचडी	2010	10
मानविकी एवं भाषा स्कूल			
✦ अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग	एम.ए. (अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य)	2011	30
	एम.फिल / पीएचडी	2010	10

प्रारंभ स्कूल / विभाग / केन्द्र	अध्ययन कार्यक्रम	वर्ष	स्थान
✦ हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग	एम.ए. (हिंदी)	2011	30
	एम.फिल / पीएचडी	2011	10
समाज विज्ञान स्कूल			
✦ अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग	एम.ए. (अर्थशास्त्र)	2010	30
	एम.फिल. / पीएचडी	2010	10
✦ समाज कार्य विभाग	एमएसडब्ल्यू	2010	30
	एम.फिल / पीएचडी	2010	10
शिक्षा स्कूल			
✦ अध्यापक शिक्षा विभाग	एम.ए. (शिक्षा)	2011	30
	एम.फिल / पीएचडी	2011	10
व्यवसाय एवं प्रबंधन विज्ञान स्कूल			
✦ लेखा तथा वित्त विभाग ✦ मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग ✦ विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग ✦ उद्यमशीलता एवं नवप्रवर्तन केन्द्र	एम.बी.ए. फंकशनल विशेषज्ञता – विपणन, वित्त, एचआरएम, प्रचालन प्रबंधन; सेक्टोरल विशेषज्ञता–उद्यमशीलता विकास, वित्तीय बाज़ार, बीमा, अन्तरराष्ट्रीय व्यवसाय, आईटी	2010	90
	एम.फिल / पीएचडी	2010	30
पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल			
✦ पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग	एमबीए (पर्यटन एवं यात्रा में विशेषज्ञता)	2011	30
	एम.फिल. / पीएचडी	2011	10
ललित कला एवं कला शिक्षा स्कूल			
✦ दृश्य कला विभाग	एम.एफ.ए. (चित्रकला)	2011	10
पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल			
✦ पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन विभाग	एम.ए. (पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन)	2011	30
✦ जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग	एम.ए. (नवमीडिया संचार)	2011	30

आवेदन एवं प्रवेश

स्कूल / विभाग / केन्द्र / पाठ्यक्रम	स्थान	आवेदन	प्रति सीट आवेदक	प्रवेश दिया गया
1. भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल				
भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल				
एम.एससी. (भौतिकी) सैद्धांतिक भौतिकी में विशेषज्ञता	30	153	5	27
एम.फिल / पीएचडी	10	69	7	–
2. जैविक विज्ञान स्कूल				
कंप्यूटेशनल जीव विज्ञान एवं जैव सूचना विज्ञान विभाग				
एम.एससी. (कंप्यूटेशनल जीव विज्ञान / जैव सूचना विज्ञान)	30	157	5	26
एम.फिल / पीएचडी	10	158	16	–
3.पृथ्वी विज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल				
पर्यावरण विज्ञान विभाग				
एम.एससी. (पर्यावरण विज्ञान)	30	235	8	26
एम.फिल / पीएचडी	10	203	20	–
4. गणित, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी स्कूल				
गणित विभाग				
एम.एससी. गणित (औद्योगिक गणित में विशेषज्ञता)	30	124	4	20
एम.फिल / पीएचडी	10	70	7	–
कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान विभाग				
एम.एससी. (सूचना प्रौद्योगिकी)	30	527	17	22
एम.फिल / पीएचडी	10	108	11	–
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग				
एम.लिब. साइंस (समाकलित दोहरा डिग्री कार्यक्रम)	30	168	6	09
एम.फिल / पीएचडी	10	44	4	–
5. मानविकी एवं भाषा स्कूल				
अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग				
एम.ए. (अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य)	30	173	6	09
एम.फिल / पीएचडी	10	107	11	–
हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग				
एम.ए. (हिंदी)	30	–	–	–
एम.फिल / पीएचडी	10	64	6	–
6.समाज विज्ञान स्कूल				
अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग				
एम.ए. (अर्थशास्त्र)	30	189	6	08
एम.फिल. / पीएचडी	10	84	8	–

स्कूल / विभाग / केन्द्र / पाठ्यक्रम	स्थान	आवेदन	प्रति सीट आवेदक	प्रवेश दिया गया
समाज कार्य विभाग				
एमएसडब्ल्यू	30	273	9	15
एम.फिल / पीएचडी	10	19	2	–
7.शिक्षा स्कूल				
अध्यापक शिक्षा विभाग				
एम.ए.(शिक्षा)	30	65	2	–
एम.फिल / पीएचडी	10	167	17	–
8.व्यवसाय प्रबंधन विज्ञान स्कूल				
एम.बी.ए.	90	820	9	90
एम.फिल / पीएचडी	30	245	8	–
9.पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल				
पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग				
एमबीए (पर्यटन एवं यात्रा में विशेषज्ञता)	30	527	18	25
एम.फिल. / पीएचडी	10	81	8	–
10. ललित कला एवं कला शिक्षा स्कूल				
दृश्य कला विभाग				
एम.एफ.ए. (चित्रकला)	10	08	1	–
11. पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया				
पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन विभाग				
एम.ए. (पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन)	30	205	7	–
जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग				
एम.ए. (नवमीडिया संचार)	30	146	5	05

विश्वविद्यालय के अस्थायी शैक्षणिक खंड स्थित एक कक्षा का दृश्य

नामांकन एवं कुल विद्यार्थी

इस तथ्य के बावजूद कि विश्वविद्यालय ने सीमित भौतिक सुविधाओं और अवसंचरना के साथ कार्य प्रचालन प्रारंभ किया था, अपने अधिकतर अध्ययन कार्यक्रमों के लिए बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त करने में समर्थ हो पाया। विद्यार्थियों को प्रवेश देते समय अपने सभी अध्ययन कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय द्वारा भारत सरकार की आरक्षण नीति का अनुपालन किया गया। विश्वविद्यालय की नामावली में दिनांक 31–03–2012 तक कुल 421 विद्यार्थी हैं। विश्वविद्यालय ने अनुसूचित जाति/जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग को आरक्षण देने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और मानव संसाधन विकास मंत्रालय के दिशानिर्देशों का अनुपालन किया है। वर्ष 2010–11 एवं 2011–12 के दौरान नामांकित विद्यार्थियों की कार्यक्रमवार और श्रेणीवार स्थिति **तालिका–4** में दी गई है :–

तलिका संख्या 4 : 2010–11 एवं 2011–12 के दौरान नामांकित श्रेणीवार/कार्यक्रमवार विद्यार्थियों की संख्या

क्र. सं.	कार्यक्रम	नामांकन											
		सभी समुदाय			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जनजाति			अन्य पिछड़ा वर्ग		
		छात्र	छात्राएं	कुल	छात्र	छात्राएं	कुल	छात्र	छात्राएं	कुल	छात्र	छात्राएं	कुल
1.	एम.एससी. (भौतिकी) सैद्धांतिक भौतिकी में विशेषज्ञता	10	17	27	04	–	04	–	02	02	05	04	09
2.	पीएचडी (भौतिकी)												
3.	एम.एससी. कंप्यूटेशनल जीव विज्ञान/जैव सूचना विज्ञान)	06	20	26	01	03	04	–	01	01	01	05	06
4.	पीएचडी (कंप्यूटेशनल जीव विज्ञान/जैव सूचना विज्ञान)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
5.	एम.एससी. (पर्यावरण विज्ञान)	07	19	26	02	02	04	–	02	02	01	02	03
6.	पीएचडी (पर्यावरण विज्ञान)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
7.	एम.एससी. गणित (औद्योगिक गणित में विशेषज्ञता)	07	13	20	03	–	03	–	01	01	01	–	01
8.	पीएचडी (गणित)	01	02	03									
9.	एम.एससी. (सूचना प्रौद्योगिकी)	09	13	22	01	–	01	–	01	01	01	01	02
10.	पीएचडी (सूचना प्रौद्योगिकी)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
11.	एम.लिब. साइंस (समाकलित दोहरा डिग्री कार्यक्रम)	12	10	22	01	03	04	–	01	01	03	01	04

क्र. सं.	कार्यक्रम	नामांकन											
		सभी समुदाय			अनुसूचित जाति			अनुसूचित जनजाति			अन्य पिछड़ा वर्ग		
		छात्र	छात्राएं	कुल	छात्र	छात्राएं	कुल	छात्र	छात्राएं	कुल	छात्र	छात्राएं	कुल
12.	पीएचडी (लिब. साइंस)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
13.	एम.ए. (अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य)	02	07	09	–	–	–	–	–	–	–	01	01
14.	पीएचडी	02	02	04	–	01	01	–	–	–	–	–	–
15.	एम.ए. (हिंदी)												
16.	पीएचडी (हिंदी)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
17.	एम.ए. (अर्थशास्त्र)	08	09	17	–	–	–	01	–	01	–	01	01
18.	पीएचडी (अर्थशास्त्र)	01	–	01	–	–	–	01	–	01	–	–	–
19.	एमएसडब्ल्यू	22	11	33	–	–	–	01	–	01	03	02	05
20.	पीएचडी (समाज कार्य)	–	01	01	–	–	–	–	–	–	–	–	–
21.	एम.ए.(शिक्षा)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
22.	पीएचडी (शिक्षा)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
23.	एम.बी.ए.	108	64	172	20	08	28	11	04	15	33	09	42
24.	पीएचडी (प्रबंधन)	06	02	08	01	–	01	–	–	–	–	–	–
25.	एमबीए (पर्यटन एवं यात्रा में विशेषज्ञता)	17	08	25	03	–	03	02	–	02	05	01	06
26.	पीएचडी (पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
27.	एम.एफ.ए. (चित्रकला)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
28.	एम.ए. (पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
29.	एम.ए. (नवमीडिया संचार)	02	03	05	–	–	–	–	–	–	–	–	–
	कुल	**220**	**201**	**421**	**36**	**17**	**53**	**16**	**12**	**28**	**53**	**27**	**80**

राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सम्बद्धता और सहयोग

फूलब्राइट–नेहरू विजिटिंग प्रोफेसर

संयुक्त राज्य अमेरिका–भारत शैक्षिक फाउंडेशन (यूएसआईइएफ) के फूलब्राइट–नेहरू विजिटिंग लेक्चरर प्रोग्राम के अन्तर्गत प्रोफेसर आरलीन एम. प्लेविन, ओलम्पिक कॉलेज, मानविकी प्रभाग, अंग्रेजी विभाग, ब्रेमरटन, वाशिंगटन (यूएसए) ने पाँच माहों (जनवरी–मई, 2012) की अवधि के लिए अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग, मानविकी एवं भाषा स्कूल, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय में विजिटिंग स्कॉलर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। यूएसआईइएफ के अनुरोध पर हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय में प्रो. आरलीन प्लेविन को एफिलिएशन प्रदान किया गया, जो अनुसंधान डिग्री विद्यार्थियों को मार्गदर्शन के अलावा अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग में लघुकालीन शिक्षण कार्य सम्पन्न कराएंगी। साथ ही साथ उनके द्वारा ''(री) मूवेबल प्लेस एण्ड कॉम्यूनिटीः सस्टेनेबिलिटी इन एक्ज़ाइल एंड द क्लासरूम'' विषय पर स्वतंत्र रूप से अनुसंधान भी किया जाएगा।

उच्चस्तरीय संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन

विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न शिक्षा विषयों में अध्ययन कार्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं और विद्यार्थियों को सर्वोत्तम सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा उच्चस्तरीय उच्चतर शैक्षिक और अनुसंधान संस्थानों और सरकारी तथा राज्यस्तरीय निकायों/प्राधिकरणों/बोर्ड के साथ समझौता करने की बातचीत हो रही है। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय द्वारा निम्नलिखित संस्थानों/संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन प्रगत चरण में हैं तथा शीघ्र ही हस्ताक्षरित होने की संभावना हैः

- **आईएचबीटी के साथ सहयोग** : सीएसआईआर–हिमालय जैव–संपदा प्रौद्योगिकी संस्थान, पालमपुर के पर्यावरण, जैव–सूचना विज्ञान और जैव–संपदा प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में बौद्धिक संसाधनों का संस्थान और विश्वविद्यालय दोनों के लाभ के लिए प्रभावी ढंग से उपयोग किया जा सकता है।

- **केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड के साथ सहयोग** : केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड के देशभर में कार्यकलाप के साथ कांगड़ा जिला में भी कतिपय कार्य–सुविधाएं हैं। बोर्ड पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय को अपनी सेवाएं प्रदान करने के लिए सहमत हो गया है।

- **डीआरडीओ के बैलिस्टिक रिसर्च लैब (टीबीआरएल) के साथ सहयोग** : डीआरडीओ की प्रयोगशाला टर्मिनल बैलिस्टिक अनुसंधान प्रयोगशाला, चण्डीगढ़, विश्वविद्यालय के भौतिकी कार्यक्रम के पाठ्यचर्या विकास से जुड़ा रहा है। प्रयोगशाला के ऐसी सुविधाओं और बौद्धिक संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जा सकता है जो इस प्रयोगशाला और विश्वविद्यालय दोनों के लिए लाभकारी है।

- **यूजीसी की फैकल्टी रिचार्ज स्कीम** :

  यूजीसी ने अनुसंधान और शिक्षण की सहज योग्यता रखने वाले उच्च गुणवत्ता वाले संकाय उपलब्ध कराने के नवीन साधन के रूप में ''मूल विज्ञान अनुसंधान को सुदृढ़ करने'' की अपनी योजना के अन्तर्गत एमएचआरडी/यूजीसी अधिकृत समिति द्वारा समन्वित यूजीसी रिचार्ज कार्यक्रम प्रारंभ किया है। ये पद मूल विज्ञान यथा भौतिकी, गणित, रसायनशास्त्र, जीव विज्ञान और इंजीनियरिंग एवं पृथ्वी विज्ञान में सहायक प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर के स्तर पर होंगे। इस योजना को वर्तमान में संकायों की अत्यधिक कमी से गुजर रहे भारतीय विश्वविद्यालयों में नवीन प्रतिभा को लाने और संकाय संसाधनों को बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। इस योजना के अन्तर्गत यूजीसी द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर 1000 संकायों को शामिल करने की योजना बनाई गई है जिससे कि संकाय संसाधनों का कायाकल्प हो सके। प्रारंभ में 'फैकल्टी रिचार्ज' पद पाँच वर्षों की अवधि के लिए होंगे। इसका लाभ उठाने के लिए

ओलंपिक कॉलेज, ब्रेमरटन, वाशिंगटन (यूएसए) की डॉ. आरलीन एम. प्लेविन, फूलब्राइट नेहरू विजिटिंग लेक्चरर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को अभिभाषण देती हुई।

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा **मूल विज्ञान में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर स्तर** पर योग्य संकायों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए यूजीसी के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित करने की प्रक्रिया चल रही है।

- **इनफ्लिबनेट के साथ सहयोग** : विश्वविद्यालय द्वारा इनफ्लिबनेट के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया जाना है, जिससे शोध प्रबंध और शोध निबंध की साहित्यिक चोरी को हतोत्साहित करने के लिए शोधपत्र की बैकफाइलों की डिजिटलाइजेशन अथवा सॉफ्टवेयर टूलों तक पहुँच बनाने के संदर्भ में विश्वविद्यालय द्वारा उन सभी संसाधनों तक पहुँच हो जाएगी जो यूजीसी विश्वविद्यालयों को प्रत्यक्ष रूप में अथवा इनफ्लिबनेट केन्द्रों के माध्यम से उपलब्ध कराएगी। समय के साथ इलेक्ट्रॉनिक थीसिस एण्ड डिजरटेशन एक प्रचलित स्थान हो जाएगा और अनुदान देने वाली एजेंसियां तथा प्रत्यायन निकायों यथा एनएएसी और एआईसीटीई इटीडी और आईआर जैसे किए गए प्रयासों के आधार पर नवप्रवर्तक विश्वविद्यालयों के संबंध में निर्णय लेंगी।

श्रीमती मंजू सिंह, संयुक्त सचिव, यूजीसी द्वारा प्रो. वाई.एस. वर्मा, डीन को राजभाषा हिंदी वार्षिक कार्यक्रम प्रदान किया गया।

राजभाषा प्रयासों की समीक्षा के लिए उच्चाधिकार समिति का आगमन

यूजीसी द्वारा गठित एक उच्चाधिकार राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय को मार्गदर्शन देने हेतु दिनांक 06–04–2011 को विश्वविद्यालय का दौरा किया। इस प्रतिनिधिमंडल के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. वाई. लक्ष्मी प्रसाद थे और अन्य सदस्यों के रूप में डॉ. महेशचंद्र गुप्त, सदस्य, हिंदी सलाहकार समिति; डॉ. मंजू सिंह, संयुक्त सचिव, यूजीसी; श्री रमेश बाबू अणियारी, निदेशक (कार्यान्वयन), राजभाषा विभाग;

राजभाषा प्रयासों की समीक्षा के लिए विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ पद्मश्री डॉ. वाई. लक्ष्मी प्रसाद की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की उच्चाधिकार समिति की बैठक का एक दृश्य।

श्री नरेश कुमार, निदेशक (राजभाषा), मा.सं.वि. मंत्रालय, श्रीमती उर्मिला सिंह और श्री वाई.एस. पुन्टूलू शामिल थे।

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग से प्रतिनिधिमंडल का आगमन

भारत सरकार की आरक्षण नीति के कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए डॉ. रामेश्वर उरांव, अध्यक्ष, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की अध्यक्षता में एक प्रतिनिधिमंडल ने 18 जुलाई, 2011 को विश्वविद्यालय का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्यों में श्रीमती के. कमला कुमारी और श्री भैरू लाल मीणा, सदस्यगण, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग और श्री आदित्य मिश्रा, संयुक्त सचिव शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने यह संतोष व्यक्त किया कि हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा भारत सरकार की आरक्षण नीति और वैसी योजनाओं को, जिनका लाभ अनुसूचित जनजाति वर्ग उठा सकते हैं, को नीति और इसकी भावना के अनुरूप कार्यान्वित किया जा रहा है। डॉ. उरांव, अध्यक्ष ने थोड़े से समय में ही विश्वविद्यालय द्वारा की गई प्रगति की सराहना की।

पद्मश्री डॉ. वाई. लक्ष्मी प्रसाद द्वारा राजभाषा हिंदी की एक पुस्तक प्रो. वाई. एस. वर्मा, डीन को भेंट की गई।

पुस्तकालय एवं सूचना संसाधन

अस्थायी शैक्षणिक खंड, शाहपुर परिसर स्थित विश्वविद्यालय में केन्द्रीय पुस्तकालय प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक दोनों प्रकार के सूचना संसाधन उपलब्ध हैं। पुस्तकालय में सामान्य संदर्भ की पुस्तकों सहित कुल 4707 पुस्तकें हैं, जिनमें मुख्यतः प्रबंधन विज्ञान, अर्थशास्त्र, समाज कार्य, सूचना प्रौद्योगिकी, पर्यावरण अध्ययन, पत्रकारिता और नवमीडिया के विषय–क्षेत्रों की पुस्तक शामिल हैं। वर्तमान में केवल यही एक केन्द्रीय पुस्तकालय कार्यशील है। इसे पर्याप्त आकार में, विशेषकर चलाए जा रहे अध्ययन कार्यक्रमों से जुड़े विषय–क्षेत्रों से संबंधित पुस्तकों, जर्नलों और संदर्भ सामग्री से और विकसित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट में पहले ही ई–रिसोर्सेस के लिंक उपलब्ध कराए गए हैं। ई–पुस्तकों और ई–जर्नलों सहित ई–लर्निंग संसाधनों और सामग्री से इसे और समृद्ध किया जा रहा है। ऑनलाइन जर्नलों को पढ़ने के लिए पुस्तकालय में इनफ्लिबनेट सुविधा उपलब्ध करायी गई है। उपलब्ध कराई गई सुविधाओं में कैटलॉग और ई–संसाधनों को इलेक्ट्रॉनिक रूप में देखने के लिए 16 टर्मिनलों, लगभग 15000 पुस्तकों के लिए स्टैक, पत्र–पत्रिकाओं/जर्नलों के लिए रैक, एक साथ 40 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता वाले रीडिंग रूम, 100 व्यक्तियों के लिए लॉकर सुविधा, पुस्तकालय अध्यक्ष के लिए चैम्बर, स्टोर रूम, फोटोकॉपी सुविधा का प्रावधान किया गया है। पुस्तकालय को आठ विद्वानों से 192 उच्च स्तरीय पुस्तक दान में प्राप्त हुई हैं जिसमें माननीय कुलपति की ओर से दान की गईं 77 पुस्तकें और वर्तमान में इस विश्वविद्यालय में फुलब्राइट–नेहरू विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में वाशिंगटन विश्वविद्यालय के माध्यम से ओलम्पिक कॉलेज, मानविकी प्रभाग, अंग्रेजी विभाग, ब्रेमरटन, वाशिंगटन (यूएसएस) के डॉ. आरलीन एम. प्लेवीन द्वारा दान की गईं 90 पुस्तकें शामिल हैं।

पुस्तकों को डेवी डेसिमल स्कीम वर्गीकरण (21 वां संस्करण) के आधार पर वर्गीकृत किया गया है और पुस्तकालय की ऑनलाइन पब्लिक ऐक्सेस कैटलॉग विकासाधीन है। लगभग प्रत्येक दिन 80–90 पुस्तकों को जारी किया जाता है जिससे मोटे तौर पर पुस्तकालय संसाधनों के सक्रिय उपयोग का अंदाजा लगाया जा सकता है। पुस्तकालय द्वारा बहुत शांत क्षेत्र में अपना रीडिंग हॉल विकसित किया गया है जिसमें पठन से जुड़ी सारी सुविधाएं उपलब्ध हैं। यह क्षेत्र विद्यार्थियों और अनुसंधान वेत्ताओं से हमेशा भरा होता है, जो स्व–अध्ययन और कक्षा के दत्तकार्यों एवं अनुसंधान कार्यों को पूरा करने के लिए यहाँ बैठते हैं। पुस्तकालय द्वारा अपने विभिन्न कार्य–प्रचालनों का सोल वर्जन–2 पुस्तकालय सॉफ्टवेयर पैकेज का उपयोग करते हुए कंप्यूटरीकरण प्रारंभ किया गया। हाल में विश्वविद्यालय में कार्यभार ग्रहण करने वाली एक प्रोफेशनल पुस्तकालय कर्मी को इनफ्लिबनेट, अहमदाबाद में प्रशिक्षण के लिए भेजा गया था, जिससे कि कंप्यूटरीकरण कार्य प्रारंभ कर इसे कार्यान्वित किया जा सके। पुस्तकालय में उपलब्ध दस कंप्यूटरों में से चार में इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिन्हें विद्यार्थियों और अनुसंधान वेत्ताओं द्वारा वेब आधारित सूचना–संसाधनों के उपयोग के लिए हर समय काम में लाया जाता है।

पुस्तक उपलब्ध कराने की सेवाओं के अतिरिक्त पुस्तकालय द्वारा विभिन्न उपयोगकर्ताओं को विशिष्ट सूचना ढूंढने में संदर्भगत सहायता भी दी जाती है। वर्ष 2011–12 के दौरान अनुसंधान वेत्ताओं और संकाय सदस्यों को फोटोकॉपी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गईं। पुस्तकालय द्वारा लगभग 47 प्रिंट जर्नल और पत्रिकाएं मंगाई और दानार्थ आधार पर प्राप्त की जाती हैं, जिन्हें पत्र–पत्रिकाओं संबंधी खंड में प्रदर्शित किया जाता है। मंगाई जाने वाली पत्रिकाओं की सूची विभिन्न विभागों के अनुरोध को देखते हुए काफी बढ़ायी जा रही है। पुस्तकालय द्वारा छः राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और स्थानीय समाचारपत्र मंगाए जाते हैं। पुस्तकालय द्वारा ई–जर्नलों, ई–बुक और इलेक्ट्रॉनिक जर्नल एवं डाटाबेस संबंधी इनफ्लिबनेट, अहमदाबाद द्वारा यूजीसी इनफोनेट कॉन्सोर्टियम के अन्तर्गत चयनित डाटाबेस को ऑनलाइन पढ़ने एवं जानने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। यूजीसी इनफोनेट कॉन्सोर्टियम के अन्तर्गत निम्नलिखित संसाधन उपलब्ध हैं :–

क्रम.सं.	ई–संसाधन	जर्नलों की संख्या
1.	इकेनॉमिक एण्ड पॉलिटिकल विकली	01
2.	इंडियन जर्नल्स	193
3.	आईएसआईडी	डाटाबेस
4.	जेसीसीसी	12720
5.	जेएसटीओआर	3733
6.	स्प्रिंगर लिंक	2742
7.	टेलर एण्ड फ्रांसिस	2981

वर्तमान में पुस्तकालय का प्रबंधन विश्वविद्यालय पुस्तकालय अध्यक्ष पद से सेवानिवृत्त एक अनुभवी परामर्शदाता, एक प्रोफेशनल पुस्तकालय कर्मी तथा तीन अन्य सहायक स्टाफ सदस्यों द्वारा की जा रही है।

विद्यार्थियों के लिए सहायक सुविधाएं

प्रो. वाई.एस. वर्मा, डीन एवं विशेष अधिकारी (विकास) और प्रो. एच.आर. शर्मा, प्रोवोस्ट के साथ विश्वविद्यालय के लड़कों के छात्रावास के विद्यार्थीगण।

परिवहन सुविधाएं

विश्वविद्यालय द्वारा नाममात्र खर्च पर विद्यार्थियों को धर्मशाला और कांगड़ा से अस्थायी शैक्षणिक खंड, शाहपुर लाने एवं वापस छोड़ने के लिए परिवहन सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। विश्वविद्यालय के छात्रावासों में निवास करने वाले विद्यार्थियों को भी छात्रावास से अस्थायी शैक्षणिक खंड, शाहपुर आने–जाने के लिए परिवहन की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

स्वास्थ्य देखभाल की सुविधाएं

विद्यार्थियों, संकायों और कर्मियों को मौलिक और आपातकालीन स्वास्थ्य संबंधी देखभाल के लिए चिकित्सा सुविधाएं सरकारी चिकित्सालय महाविद्यालय और सरकारी अस्पताल के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही हैं।

आवास की व्यवस्था

लड़कों का छात्रावास : विश्वविद्यालय द्वारा लड़कों के छात्रावास के लिए कांगड़ा में एक सुसज्जित भवन को भाड़े पर लिया गया है। यह आधुनिक सुविधाओं से युक्त है और इसमें 110 विद्यार्थियों के आवास की क्षमता मौजूद है। यह भवन सुंदर एवं शांत वातावरण में स्थित है, जो गंभीर अध्ययन और अनुसंधान कार्यकलाप के लिए उपयुक्त है। यह छात्रावास 7 जनवरी, 2012 से कार्यशील हो गया। इंडोर और आउटडोर दोनों प्रकारों के खेलों यथा टेबल टेनिस, बैडमिंटन और वॉलीबाल के लिए सुविधाएं और उपकरणों से युक्त एक पूर्ण जिमनेजियम को विकसित किया जा रहा है। इस छात्रावास में इंटरनेट की भी सुविधा उपलब्ध कराई गई है। विद्यार्थियों द्वारा सहकारिता आधार पर छात्रावास का भोजनालय चलाया जा रहा है, जहाँ अपनी पसंद के भोजन तैयार करवाने की स्वतंत्रता है। विश्वविद्यालय द्वारा छात्रावास से अस्थायी शैक्षणिक खंड, शाहपुर आने–जाने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों को छात्रावास के नियमों का पालन करना आवश्यक है।

लड़कियों के लिए छात्रावास : विश्वविद्यालय द्वारा धर्मशाला/शाहपुर/कांगड़ा में विश्वविद्यालय की लड़कियों के लिए छात्रावास भाड़े पर लेने हेतु एक उपयुक्त भवन निर्धारित करने की कार्रवाई की जा रही है। इसके अन्तर्गत विश्वविद्यालय की लगभग 50 छात्राओं के रहने की व्यवस्था की जाएगी। विश्वविद्यालय का प्रयत्न होगा कि छात्रावास से अस्थायी शैक्षणिक खंड, शाहपुर आने–जाने के लिए परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

खेलकूद की सुविधाएं : विश्वविद्यालय के अस्थायी शैक्षणिक खंड में 4 मई, 2011 को कुलपति द्वारा जिमनेजियम का उद्घाटन किया गया।

करियर परामर्श, मार्गदर्शन, प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट कार्य

प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ

कॉर्पोरेट संबंध और प्लेसमेंट के महत्व को देखते हुए परिसर में हो रही भर्ती संबंधी कार्यकलापों और गतिविधियों के सम्पूर्ण पर्यवेक्षण और तत्संबंधी दिशानिर्देश के लिए व्यवसाय एवं प्रबंधन विज्ञान स्कूल द्वारा प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है। इस प्रकोष्ठ द्वारा संभावित नियोक्ताओं के साथ उनके पास जाकर/उनसे संपर्क के माध्यम से संपूर्ण भारत की कंपनियों/संगठनों से मजबूत संबंध विकसित करने का प्रयास करना है। इस प्रकोष्ठ द्वारा हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के व्यवसाय एवं प्रबंधन विज्ञान स्कूल में उपलब्ध प्रतिभाओं के बारे में संभावित नियोक्ताओं को अवगत कराया जाता है। इस प्रकोष्ठ द्वारा विभिन्न कार्यकलाप यथा औद्योगिक भ्रमण, अतिथि व्याख्यान, छद्म साक्षात्कार, उद्योग–शिक्षा जगत अन्तर्संबंध, प्लेसमेंट पूर्व बातचीत, कार्यशालाएं इत्यादि आयोजित किए जाते हैं जो उद्योग जगत के साथ–साथ विद्यार्थियों को भी एक–दूसरे को समझने–बूझने का अवसर प्रदान करता है। साथ ही साथ, प्रशिक्षण और प्लेसमेंट प्रकोष्ठ द्वारा व्यक्तित्व विकास, व्यावहारिक अनुभव के माध्यम से कौशल विकास, अन्तर– वैयक्तिक कौशल और समूह निर्माण, नेतृत्व विकास और करियर परामर्श पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है जिससे विश्वस्तरीय प्रबंधक बनने के लिए विद्यार्थीगण बहुमुखी कौशल और योग्यता की क्षमता अर्जित कर सकें।

अंतःकार्य प्रशिक्षण/ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट

व्यवसाय एवं प्रबंधन विज्ञान स्कूल

अंतःकार्य प्रशिक्षण

अंतःकार्य प्रशिक्षण स्कूल के प्रबंधन कार्यक्रम के कोर्स पाठ्यक्रम का अंतरंग हिस्सा है। प्रबंधन के सभी छात्रों को आठ सप्ताहों के लिए ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण प्रदान किए गए। प्रशिक्षण के लिए कुछेक संगठन जिन्होंने प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान की, उनके नाम हैं: सोनालिका ट्रैक्टर्स, राइट्स इंडिया लि., आयुश हर्बल, केडिला, वर्धमान, कोक, एसजेवीन, सैमसंग, पेप्सीको, एचपीएसईबी, एसीसी, रिलायंस आदि। इस प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को कॉर्पोरेट संस्कृति का प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त करने और राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भावी संगठनों में प्रबंधकीय भूमिका निभाने और अपने को बेहतर तरीके से तैयार करने के लिए उनके जागरूकता स्तर, कौशलों और मूल्यों को विकसित करने में सहायता मिली।

ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट

प्रशिक्षण और प्लेसमेंट प्रकोष्ठ समस्त भारत की 50 से भी अधिक कंपनियों में स्कूल के सभी 82 विद्यार्थियों के ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट की सफलतापूर्वक व्यवस्था कर पाया और जुलाई–अगस्त, 2011 के आठ सप्ताहों के दौरान एमबीए के सभी विद्यार्थियों ने अंतः कार्य प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया।

ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट के संगठनों में शामिल हैं– एसीसी लिमिटेड, गगल, बरमाना (हि.प्र.); एइगोन रेलीगेयर, शिमला (हि.प्र.); आल्सटॉम, नोएडा (उ.प्र.); आयुश हर्बस (हि.प्र.); बजाज अलायंज; डाइबोल्ड सिस्टम प्रा.लि., नई दिल्ली; नानक ऑटो इन्टप्राइजेज लि., जालंधर (पंजाब); एचडीएफसी बैंक, चण्डीगढ़ (यूटी), एचडीएफसी (ऐसेट मैनेजमेंट कं.लि.), अमृतसर (पंजाब); हीरो साइकल्स, लुधियाना (पंजाब); हिमकॉन, शिमला (हि.प्र.); हिंडाल्को इंड्स्ट्रीज लि., रेणुसागर, सोनभद्र (उ.प्र.); एचपीपीसीएल, शिमला (हि.प्र.); एचपीएसईबीएल, शिमला (हि.प्र.); एचयूएल, धर्मशाला(हि.प्र.); कैप्शन सौल्यूशसन, चण्डीगढ़ (यूटी); कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग लि. शिमला (हि.प्र.); कांगड़ा सेन्ट्रल को–ऑपरेटिव बैंक (हि.प्र.); हाइडल प्रोजेक्टस, चंबा (हि.प्र.); लैंको इंफ्राटेक लि. (हि.प्र.); एल.जी. इलेक्ट्रॉनिक्स, कांगड़ा (हि.प्र); एलआईसी, पठानकोट सर्कल (पंजाब); लूंवनी ब्रिबिरेज, हाजिपूर (बिहार); मेरीडिएन मेडीकेयर, सोलन (हि.प्र.); नेशनल इंश्यूरेंश कंपनी, पानीपत (हरियाणा); नेशनल फर्टिलाइजर लिमिटेड, नंगल (पंजाब); एनएचपीसी, चंबा (हि.प्र.); हिमाचल प्रदेश इलेक्ट्रिसिटी जेनेरेशन, स्लापर (हि.प्र.); होटल ओबेराय सेसिल, शिमला (हि.प्र.); पेप्सीको, हाजीपुर (बिहार); क्वाडरांट टेलीवेंचर्स लि. मोहाली (पंजाब); रैडिसन जास, शिमला (हि.प्र.); रिलायंस लाइफ, नई दिल्ली; राइट्स लि. गुड़गांव (हरियाणा); सैमसंग मोबाइल्स, कांगड़ा (हि.प्र.); शिवंबू इंटरनेशनल, ऊना (हि.प्र.); सतलज जल विद्युत निगम लि., शिमला, (हि.प्र.); सोनालिका इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लि., जालंधर (पंजाब); एसएसआईपीएल रिटेल प्रा.लि., नई दिल्ली; एसटीएफसी, पठानकोट (पंजाब); स्टोवक्राफ्ट प्रा.लि., पालमपुर (हि.प्र.), टिमूल, मुजफ्फरपुर (बिहार), वर्धमान टेक्सटाइल्स मिल्स, बद्दी (हि.प्र.); विडियोकॉन, चण्डीगढ़ (यूटी), वाइजैग स्टील, विशाखापट्नम (आ.प्र.); फोक्सवैगन, जालंधर (पंजाब); वेब बिविरेज प्रा.लि., कांगड़ा (हि.प्र.) और जाइड्स कैडिला, बद्दी (हि.प्र.)।

समाज विज्ञान स्कूल

समाज कार्य विभाग

समाज कार्य विभाग एमएसडब्ल्यू के विद्यार्थियों के लिए ब्लॉक प्लेसमेंट ट्रेनिंग (बीपीटी) आयोजित करता है। सभी एमएसडब्ल्यू विद्यार्थियों को विभिन्न प्रसिद्ध सरकारी एवं गैर–सरकारी संगठनों यथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक कॉर्पोरेशन एंड चाइल्ड डेवलॉपमेंट (एनआईपीसीसीडी) नई दिल्ली; हिमाचल प्रदेश इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक ऐडमिनिस्ट्रेशन (एचआईपीए), शिमला; डिस्ट्रिक्ट रूरल डेवलॉपमेंट एजेंसी (डीआरडीए), कांगड़ा; जोनल हॉस्पिटल, धर्मशाला; सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, चण्डीगढ़, सेंटर फॉर सिविल सोसाइटी (सीसीएस), नई दिल्ली; सीओआरडी, धर्मशाला; जागोरी धर्मशाला; सुत्र, सोलन; (हि.प्र.) ज्ञान विज्ञान, शिमला; गुंजन संगठन, धर्मशाला में प्लेसमेंट दिया गया। इस प्रकार एमएसडब्ल्यू के सभी 18 विद्यार्थियों ने जुलाई–अगस्त, 2011 के दौरान 8 सप्ताहों के लिए अंतःकार्य प्रशिक्षण पूरा किया।

गणित, कंप्यूटर विज्ञान और सूचना विज्ञान स्कूल

पुस्तकालय विज्ञान विभाग

एम.लिब. साइंस के सभी 13 विद्यार्थियों ने जुलाई–अगस्त, 2011 के दौरान 8 सप्ताहों का अंतःकार्य प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया।

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित औद्योगिक भ्रमण/शैक्षिक यात्रा

व्यवसाय एवं प्रबंधन विज्ञान स्कूल

- व्यवसाय एवं प्रबंधन विज्ञान स्कूल द्वारा एमबीए के विद्यार्थियों के लिए दिनांक 27–04–2011 से 01–05–2011 तक औद्योगिक यात्रा आयोजित की गई। यात्रा के दौरान संकाय सदस्यों के साथ विद्यार्थियों ने हीरो साइकिल यूनिट, लुधियाना; मदर डेरी प्लांट, दिल्ली; एमएसएमई टेस्टिंग केन्द्र, दिल्ली; मारूति उद्योग लिमिटेड, मानेसर, गुड़गांव; मॉन्टेकॉर्लो, रैनबैक्सी, नेस्ले और एयरटेल का भ्रमण किया। यात्रा के दौरान संकाय सदस्यों ने एमबीए के विद्यार्थियों के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण और प्लेसमेंट के लिए विभिन्न संगठनों के कॉर्पोरेट कार्यालयों का दौरा किया।

गणित, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान स्कूल

पुस्तकालय विज्ञान विभाग

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के विद्यार्थी 24 मई, 2011 से 28 मई, 2011 के दौरान शैक्षिक यात्रा पर गए और पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़; द ब्रिटिश कौंसिल लाइब्रेरी चण्डीगढ़; राज्य पब्लिक लाइब्रेरी, चण्डीगढ़; हॉर्टीकल्चर और फॉरेस्ट्री संबंधी डॉ. वाई एस.परमार विश्वविद्यालय पुस्तकालय, नौनी, सोलन; मशरूम रिसर्च सेंटर लाइब्रेरी, सोलन; इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडी लाइब्रेरी, शिमला; हाईकोर्ट लाइब्रेरी, शिमला; सेक्रेट्रियेट लाइब्रेरी, शिमला जैसे पुस्तकालयों और सूचना केन्द्रों का भ्रमण किया। इन शैक्षणिक और विशेष पुस्तकालयों में भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने पुस्तकालयों के संसाधनों और सेवाओं, विभिन्न प्रचालनों, ऑटोमेशन स्तर का अध्ययन किया और उनकी रिपोर्ट तैयार की।

पत्रकारिता, जनसंचार एवं नवमीडिया स्कूल

जनसंचार और नव मीडिया विभाग

एमए (नव मीडिया संचार) के विद्यार्थियों ने रेडियो प्रसारण की नवीन तकनीकों एवं विस्मयकारी विशेषताओं से युक्त गैजेटों के व्यावहारिक ज्ञान और अनुभव के लिए 14 नवंबर, 2011 को आकाशवाणी, धर्मशाला केन्द्र का फील्ड भ्रमण किया। विद्यार्थियों द्वारा आकाशवाणी पुस्तकालय का भी भ्रमण किया गया जहाँ उन्होंने विभिन्न कलाकारों और ध्वनि प्रभावों की रिकॉर्डिंग के संग्रह को देखा।

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सेमिनार/संगोष्ठियां/सम्मेलन/कार्यशालाएं/अभिविन्यास कार्यक्रम

✦ विश्वविद्यालय स्तर पर

विधि के समाजशास्त्र पर अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. समाज विज्ञान स्कूल के समाज कार्य विभाग की पहल पर विधि के समाजशास्त्र पर अनुसंधान समिति, अन्तरराष्ट्रीय समाजशास्त्रीय संघ (आईएसए) के सहयोग से विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 10–09–2011 से 12–09–2011 तक विधि के समाजशास्त्र पर तीन दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन को भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) द्वारा आंशिक तौर पर सहायता दी गई थी। इस सम्मेलन का मुख्य विषय शांति, न्याय और विकास था और भारत में पहली बार एवं एशिया में दूसरी बार (एशिया में प्रथम सम्मेलन 1995 में जापान में आयोजित किया गया था) विधि के समाजशास्त्र पर अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। तीन पूर्ण सत्रों में 11 वक्ताओं ने अपने का प्रस्तुतीकरण किए और विभिन्न तकनीकी सत्रों में 140 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। कुल मिलाकर ऑस्ट्रेलिया, ब्राजिल, डेनमार्क, फ्रांस, जर्मनी, जापान, इटली, नेपाल, स्वीडन, यूके, यूएसए और भारत सहित 12 देशों के विद्वानों ने भागीदारी की। निर्वासित तिब्बती सरकार के प्रधानमंत्री डॉ. लोबसैंग सैंगे सम्मेलन के माननीय अतिथि थे जिन्होंने 'शांति' विषय पर पूर्ण सत्र की अध्यक्षता की। निर्वासित तिब्बती सरकार के भूतपूर्व प्रधानमंत्री प्रो. सैमधोंग रिंपोचे ने 'न्याय' विषय पर पूर्ण सत्र की अध्यक्षता की। प्रो. सईद शहीद महदी, उपाध्यक्ष, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) और प्रो. एम.जेड. खान, प्रतिष्ठित सामाजिक वैज्ञानिक क्रमशः उद्घाटन सत्र एवं समापन सत्र के मुख्य अतिथि थे। प्रो. फुरकान कमर और प्रो. योगिन्दर वर्मा ने क्रमशः उद्घाटन और समापन समारोह की अध्यक्षता की। विधि के समाजशास्त्र पर अनुसंधान समिति ने प्रो. अरविंद अग्रवाल, संकायाध्यक्ष, समाज विज्ञान स्कूल एवं सम्मेलन के आयोजक सचिव को उनकी छात्रवृत्ति और शिक्षाशास्त्र एवं संगठनात्मक दोनों स्तरों पर विधि के समाजशास्त्र को शिक्षा विषय के रूप में बढ़ावा देने के प्रयासों को मान्यता देते हुए 'आईएसए–आरसीएसएल पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्रों की गुणवत्ता से प्रभावित होकर यह निर्णय लिया गया कि आरसीएसएल द्वारा चयनित अनुसंधान शोधपत्रों के एक खंड को प्रकाशित किया जाएगा जिसका संयुक्त रूप से संपादन प्रो. अरविंद अग्रवाल और प्रो. विटोरियो ओलियाटी द्वारा किया जाएगा और इसके लिए संपादकीय सलाहकारों की एक अन्तरराष्ट्रीय पैनेल द्वारा सहयोग और मार्गदर्शन दिया जाएगा। इस खंड को एक सुविख्यात अंतरराष्ट्रीय पब्लिकेशन हाउस द्वारा हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय और आसीएसएल के संयुक्त तत्वावधान में प्रकाशित करवाया जाएगा।

विधि के समाजशास्त्र विषय पर आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन के स्वागत सत्र का एक दृश्य।

2. **महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम**

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा), नई दिल्ली द्वारा हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से 'उच्च शिक्षा संस्थानों की योजना एवं प्रबंधन' विषय पर महाविद्यालय प्रधानाचार्यों के लिए 27 जून, 2011 से 1 जुलाई, 2011 तक 5 दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रो. ए.डी.एन. वाजपेयी, कुलपति, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय मुख्य अतिथि थे, और प्रो. फुरकान कमर, कुलपति, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की गई। उत्तर भारत (हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, जम्मू तथा कश्मीर आदि) के 41 महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए आयोजित कार्यक्रम के विशेषज्ञ संसाधक के रूप में प्रो. सुधांशु भूषण, प्रो. जया इंदीरेसन, प्रो. सुदेश मुखोपाध्याय, प्रो. जे.बी.जी. तिलक और प्रो. एम. मुखोपाध्याय (सभी न्यूपा की ओर से) तथा प्रो. फुरकान कमर और प्रो. योगिन्दर एस. वर्मा (हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय की ओर से) शामिल थे। न्यूपा की डॉ. (श्रीमती) कौसर विजारत कार्यक्रम समन्वयक थीं।

18

विधि के समाजशास्त्र विषय पर आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन की झलकियाँ धर्मशाला, 10–12 सितंबर, 2011

निर्वासित तिब्बती सरकार के प्रधानमंत्री डॉ. लोबसैंग सैंगे को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित करते माननीय कुलपति प्रो. फुरकान कमर, साथ में प्रो. अरविंद अग्रवाल।

विशेष अतिथि निर्वासित तिब्बती सरकार के भूतपूर्व प्रधानमंत्री प्रो. सैमधोंग रिंपोचे को स्मृति–चिह्न भेंट करते हुए माननीय कुलपति प्रो. फुरकान कमर ; बांई ओर से – प्रो. अरविंद अग्रवाल, प्रो. फुरकान कमर, डॉ. सैमधोंग रिंपोचे।

विधि के समाजशास्त्र विषय पर आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर बुक ऑफ ऐब्सट्रैक्ट का विमोचन ; बांई ओर से – प्रो. डी. सुंदरम, प्रो. योगिन्द्र वर्मा, प्रो. अरविंद अग्रवाल (आयोजक सचिव), प्रो. सईद शहीद महदी (मुख्य अतिथि) एवं माननीय कुलपति महोदय प्रो. फुरकान कमर।

अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में न्याय विषय पर समर्पित पूर्ण सत्र में विचार–विमर्श करते प्रतिभागी; अध्यक्षता करते हुए डॉ. सैमधोंग रिंपोचे, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित माननीय कुलपित प्रो. फुरकान कमर।

अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में शांति विषय पर समर्पित पूर्ण सत्र में विचार–विमर्श करते प्रतिभागी; अध्यक्षता करते हुए डॉ. लोबसैंग सैंगे, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित माननीय कुलपित प्रो. फुरकान कमर।

सांस्कृतिक संध्या का आनंद लेते अतिथि एवं डेलेगेट; प्रथम पंक्ति बांई ओर से – प्रो. डी. सुंदरम, माननीय कुलपति प्रो. फुरकान कमर, प्रो.एम.जेड खान; द्वितीय एवं तृतीय पंक्ति – विदेशी डेलेगेट।

विधि के समाजशास्त्र विषय पर आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान सांस्कृतिक संध्या में हिमाचली लोकनृत्य करते विद्यार्थीगण।

प्रो. अरविंद अग्रवाल को अन्तरराष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया; बांई ओर से – प्रो. अरविंद अग्रवाल, प्रो. विटोरियो ओल्गियाटी (अध्यक्ष आरसीएसएल), निर्वासित तिब्बती सरकार के प्रधानमंत्री डॉ. लोबसैंग सैंगे, माननीय कुलपति प्रो. फुरकान कमर।

प्रो. विटोरियो ओल्गियाटी (अध्यक्ष आरसीएसएल) के साथ भारतीय एवं विदेशी डेलेगेट।

भारतीय एवं विदेशी डेलेगेट तथा अन्य स्टाफ सदस्य सम्मेलन के दौरान आयोजित सांस्कृतिक संध्या का आनंद लेते हुए

न्यूपा, नई दिल्ली द्वारा विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित 'उच्च शिक्षा संस्थानों की योजना एवं प्रबंधन' विषय पर महाविद्यालय प्रधानाचार्यों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम के प्रतिभागीगण।

विश्वविद्यालय–उद्योग अन्तर–संबंध पर गोलमेज

3. व्यवसाय एवं प्रबंधन विज्ञान स्कूल के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ द्वारा विश्वविद्यालय–उद्योग अन्तर–संबंध को लक्षित करते हुए दिनांक 26–11–2011 और 27–11–2011 को एक गोलमेज कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रबंधन उन्मुखी सांस्कृतिक कार्यक्रमों और बिजनेस प्लान प्रस्तुतीकरणों से की गई तथा उद्यमशीलता और प्रबंधकीय कौशलों की क्षमता को प्रदर्शित करते हुए एक व्यवसाय मेला भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर उद्योग और शिक्षा जगत के प्रमुखों, प्रबंधकों और मुख्य कार्यपालकों के साथ गोलमेज कार्यक्रम आयोजित किया गया। गोलमेज में प्रतिष्ठित संगठनों यथा रोयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड, राइट्स लि., ग्लोबल एग्री सिस्टम, टेलीमेट्रिक कंसलटेंट्स, भारती वालमार्ट, सोनालिका ग्रुप, आयुश हर्बलस, फूलरटन इंडिया, यूको बैंक और बजाज एलायंज के उद्योग पेशेवरों ने भाग लिया। गोलमेज के दौरान विचार–विमर्श से भावी प्रबंधक होने वाले विद्यार्थियों, जिन्हें उद्योग जगत की आवश्यकताओं और जरूरतों को समझ लेने की आवश्यकता है, को तदानुकूल बनाने में सहायता मिली। इससे स्कूल को अपने पाठ्यचर्या पर उद्योग जगत की अपेक्षानुसार पूनर्विचार करने में भी सहायता मिली।

विश्वविद्यालय–उद्योग अंतर–संबंध पर आयोजित गोलमेज बैठक के दौरान प्रो. फुरकान कमर, माननीय कुलपति के साथ उद्योग और शिक्षा जगत के प्रमुख, प्रबंधकगण और मुख्य कार्यपालकगण।

पाठ्यचर्या विकास कार्यशालाएं / समितियां :

4. विश्वविद्यालय द्वारा कुछ विषयों में प्रारंभ किए गए स्नातकोत्तर कार्यक्रमों यथा कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान; पर्यावरण विज्ञान; कंप्यूटेशनल जीव विज्ञान एवं जैव–सूचना विज्ञान; सैद्यांतिक भौतिकी; हिंदी; पत्रकारिता एवं सृजनात्मक लेखन व नव मीडिया; ललित कलाएं (चित्रकला); पर्यटन और यात्रा और शिक्षा के लिए कोर्स कैटलॉग और कोर्स आउटलाइन तैयार करने के लिए पाठ्यचर्या विकास समितियों की बैठकें दिनांक 23–06–2011 और 24–06–2011 को आयोजित की गईं। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (नई दिल्ली), हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय (शिमला), राजस्थान विश्वविद्यालय (जयपुर), पंजाब विश्वविद्यालय (चण्डीगढ़), जामिया मिल्लिया इस्लामिया (नई दिल्ली), बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (वाराणसी), दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों और उद्योग जगत के विशेषज्ञों तथा पेशेवरों ने अपने बहुमूल्य इनपुट दिए। हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों द्वारा कोर्स कैटलॉग और कोर्स आउटलाइन तैयार करने में सहायता प्रदान की गई।

5. प्रो. कन्नन एम. मौदगल्य, रसायन इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी, बम्बई हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय में 18 जून, 2011 को विश्वविद्यालय में आमंत्रित किया गया और उन्होंने **'स्पोकेन टूटोरियल्स : आईटी लिटेरेसी, ब्रिजिंग डिजिटल डिवाइड एंड एम्प्लायमेंट'** विषय पर एक व्याख्यान दिया। अपने व्याख्यान में प्रो. मौदगल्य ने सूचना प्रौद्योगिकी साक्षरता और आज की शैक्षणिक संरचना में भाषा अधिगम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे सॉफ्टवेयरों के माध्यम से शिक्षण पर जोर दिया।

✦ स्कूल/विभाग स्तर पर

व्यवसाय एवं प्रबंधन विज्ञान स्कूल

6. दिनांक 09–04–2011 से 13–04–2011 के दौरान हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के प्रो. बालकृष्ण द्वारा 'अनुसंधान विश्लेषण विधा' पर कार्यशाला संचालित की गई। यह कार्यशाला स्नातकोत्तर और अनुसंधान डिग्री के विद्यार्थियों में योग्यताएं और कौशल विकसित करने के लिए आयोजित की गई थी, जिससे कि वे एसपीएसएस–सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हुए अनुसंधान में विभिन्न सांख्यिकीय साधनों का प्रयोग कर सकें।

गणित, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान स्कूल

पुस्तकालय विज्ञान विभाग

7. दिनांक 04–10–2011 से 05–10–2011 तक जूमला और ड्रूपल कन्टेंट मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर पैकेजों पर कार्यशाला आयोजित की गई। डॉ. एच.पी.एस. कालरा, एसोसियेट प्रोफेसर, पुस्तकालय एवं सूचना विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला विशेषज्ञ संसाधक थे।

8. विभाग द्वारा ग्रीनस्टोन, कोहा और सोल सॉफ्टवेयर पैकेज पर 21–11–2011 से 24–11–2011 के दौरान चार दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। डॉ. शैलेन्द्र कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, पुस्तकालीय एवं सूचना विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा इस कार्यशाला का संचालन किया गया।

समाज विज्ञान स्कूल

अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग

9. सेंटर फॉर एंटरप्रेनेउरसिप एंड इनोवेशन द्वारा औद्योगिक अभिप्रेरणा अभियान पर एक दिवसीय कार्यशाला दिनांक 23–11–2011 को आयोजित की गई। इस कार्यशाला का संचालन एमएसएम–डेवलॉपमेंट इंस्टीट्यूट, सोलन द्वारा किया गया। श्री आर.पी. वैश्य, निदेशक, एमएसएमई–डीआई, सोलन ने उद्यमशीलता विकास से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। इसके उपरांत एक सफल उद्यमी बनने के लिए आवश्यक गुणों पर चर्चा की गई और विद्यार्थियों को कुछ सफल उद्यमियों के विषय में बताया गया।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास संस्थान, सोलन द्वारा विश्वविद्यालय में आयोजित औद्योगिक अभिप्रेरणा शिविर का दृश्य

प्रो. एच.आर. शर्मा, विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग द्वारा विश्व व्यापार संगठन विषय पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को व्याख्यान दिया गया।

10. प्रोफेसर सतीश शर्मा, जीएनडीयू, अमृतसर ने 14–16 अक्टूबर, 2011 के दौरान समष्टि अर्थशास्त्र पर एक कार्यशाला संचालित की।
11. प्रोफेसर एस.के. चौहान, सी.एस.के. हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर ने अर्थमितीय विधि पर 5–7 फरवरी, 2012 के दौरान एक कार्यशाला संचालित की।
12. प्रोफेसर एस.के. चौहान, सीएसके हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर ने अर्थमितीय विधि पर 16–20 फरवरी, 2012 के दौरान एक कार्यशाला संचालित की।
13. प्रोफेसर एस.के. चौहान, सीएसके हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर ने अर्थमितीय विधि पर 25 और 31 मार्च, 2012 के दौरान एक कार्यशाला संचालित की।
14. प्रो. के.डी. शर्मा, सीएसके हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर ने अर्थमितीय विधि पर 2–4 मार्च, 2012 के दौरान एक कार्यशाला संचालित की।
15. प्रोफेसर कमलेश सिंह, सीएसके हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर ने 'सांख्यिकीय विधि का अनुप्रयोग' पर 10–12 फरवरी, 2012 के दौरान एक कार्यशाला संचालित की।

अनुसंधान कार्यप्रणाली पर आयोजित कार्यशाला के विशेषज्ञ संसाधक प्रोफेसर एम.जेड. खान, जामिया मिल्लिया इस्लामिया कार्यशाला का संचालन करते हुए।

समाज कार्य विभाग

16. अनुसंधान कार्यप्रणाली पर दिनांक 25–04–2011 से 29–04–2011 के दौरान एक कार्यशाला आयोजित की गई जिसके विशेषज्ञ संसाधक प्रोफेसर एम.जेड. खान थे। कार्यशाला में अनुसंधान के महत्व, समाज विज्ञान में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान के लक्षण और क्रिया विधियों जैसे विषयों पर प्रकाश डाला गया। इसमें समुदाय की संकल्पनाओं, सामुदायिक कार्य, सामुदायिक कार्यकर्ता, एसपीएसएस का उपयोग करते हुए इलेक्ट्रॉनिक डाटा प्रोसेसिंग की संकल्पना, समाज विज्ञान अनुसंधान में

''वाट किल्ड डॉयोसायरस ? ए न्यू ऐन्सर फ्रॉम मॉडर्न फिजिक्स'' विषय पर व्याख्यान देते हुए एएमयू, अलीगढ़ के विजिटिंग प्रोफेसर प्रो. सईद अफसर अब्बास

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान/ अतिथि व्याख्यान/आमंत्रित व्याख्यान

वाई फाई क्रांति के जन्मदाता श्री विक्टर हेज विश्वविद्यालय में एक अभिभाषण देने के लिए उपस्थित हुए। इस अवसर पर प्रो. फुरकान कमर, कुलपति द्वारा श्री हेज को एक शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

विश्वविद्यालय स्तर पर व्याख्यान/वार्ताएं

1. प्रोफेसर के. रामामूर्ति नायडू, सदस्य, यूजीसी भारत ने ''भारत में उच्चतर शिक्षा : नीति एवं मुद्दे'' विषय पर 23 मई, 2011 को अतिथि व्याख्यान दिया।

2. विश्व में वाई–फाई क्रांति के जन्मदाता नीदरलैंड के श्री विक्टर हेज ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को 08 फरवरी, 2012 को एक व्याख्यान दिया। कुलपति महोदय ने उनका स्वागत किया और कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

व्यवसाय एवं प्रबंधन विज्ञान स्कूल

3. प्रो. एस.एल. कौशल, विश्वविद्यालय व्यवसाय स्कूल, हि.प्र. विश्वविद्यालय, शिमला ने 22 मार्च, 2012 को ''मानव संसाधन प्रबंधन में उभरते मुद्दे'' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

4. डॉ. शंकर वेंकटगिरि, आईआईएम, बैंगलोर ने 25 अप्रैल, 2011 को खुले श्रोत अधिगम प्रबंधन प्रणाली सॉफ्टवेयर यथा ''मूडल'' का उपयोग करते हुए प्रौद्योगिकी–आधारित अधिगम पर एक व्याख्यान दिया।

5. प्रो. सुनील सांगरा ने 23 अगस्त, 2011 को ''विश्व की उभरती अर्थव्यवस्थाएं'' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

6. उड्डयन क्षेत्र के विशेषज्ञ और भारतीय विमानन प्राधिकरण के पूर्व निदेशक श्री रोबी लाल ने ''निरंतर बढ़ रहे प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में उदयमान प्रबंधकों के समक्ष चुनौतियां'' विषय पर 29 अगस्त, 2011 को एक व्याख्यान दिया।

7. श्री राकेश कंवर, निदेशक, एनएचआरएम, हिमाचल सरकार ने 3 अक्टूबर, 2011 को ''प्रबंधन के किसी विद्यार्थी में अपेक्षित आवश्यक गुणों'' विषय पर व्याख्यान दिया।

8. टाटा समूह की कंपनियों के सबसे कम उम्र के महाप्रबंधकों में से एक श्री शैलेन शर्मा, महाप्रबंधक (एल–2), टाटा स्टील (नीदरलैंड), (पूर्व कोरस स्टील, यूरोप) ने 02 फरवरी, 2012 को विश्वविद्यालय का दौरा किया और विद्यार्थियों से बातचीत की।

श्री राकेश कंवर, निदेशक, एनएचआरएम, हिमाचल सरकार ''प्रबंधन के किसी विद्यार्थी में अपेक्षित आवश्यक गुणों'' संबंधी विषय पर व्याख्यान देते हुए।

गणित, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान स्कूल

पुस्तकालय विज्ञान विभाग

9. श्री जी. महेश, वैज्ञानिक ई–2, निसकेयर, नई दिल्ली ने 6 जून, 2012 को ''वेब 2.0 एवं वेब 3.0 प्रौद्योगिकियां और पुस्तकालय एवं सूचना–विज्ञान क्षेत्र में इनके अनुप्रयोग'' पर दो व्याख्यान दिए ।

10. श्री जी. महेश, वैज्ञानिक ई–2, निसकेयर, नई दिल्ली ने 6 जून 2011 को ''एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी, आईई/आईईई, डिजिटल लाइब्रेरी संसाधनों'' विषय पर दो व्याख्यान दिए।

समाज विज्ञान स्कूल

अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग

11. प्रतिष्ठित विकास अर्थशास्त्री और विकास अध्ययन केन्द्र त्रिवेंद्रम के पूर्व निदेशक, प्रोफेसर के.एन. नायर ने 15 सितम्बर, 2011 को टैब, शाहपुर में ''उदारीकरण और वैश्वीकरण के अन्तर्गत भारतीय कृषि में सुधार : मुद्दे और चुनौतियां'' विषय पर व्याख्यान दिया।

''विश्व की उभरती अर्थव्यवस्थाएं'' विषय पर अतिथि व्याख्यान देते हुए प्रो. सुनील के. सांगरा।

उड्डयन विशेषज्ञ एवं भारतीय विमानन प्राधिकरण के पूर्व निदेशक श्री रोबी लाल ''निरंतर बढ़ रहे प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में उदयमान प्रबंधकों के समक्ष चुनौतियां'' संबंधी विषय पर व्याख्यान देते हुए।

संकाय सदस्यों द्वारा अनुसंधान एवं प्रकाशन

कुलपति

1. फुरकान कमर, ज्ञान प्रबंधन संघटकों की आलोचनात्मक व्याख्या : संगठनात्मक ज्ञान उन्मुखीकरण पर प्रभाव–एक गवेषणायुक्त अध्ययन, आईआईएम शिलांग जर्नल ऑफ मैनेजमेंट साइंस, खंड 1(2) (सह–लेखक : विधु शेखर झा एवं हिमांशु दत्त), 2010
2. फुरकान कमर, समष्टि आर्थिक कारकों में परिवर्तनों का भारतीय स्टॉक रिटर्न पर प्रभाव, साउथ एशियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट रिसर्च, खंड 2(1) (सह लेखक : काहन मसूद अहमद एवं अमन श्रीवास्तव), 2010
3. फुरकान कमर, सुधारों के छः दशक, सेमिनार, अगस्त, 2011

व्यवसाय एवं प्रबंधन विज्ञान स्कूल

4. योगिन्दर एस. वर्मा ने 'संगठन प्रबंधन–उच्चतर शिक्षा संस्थानों में संगठनात्मक तनाव के विशिष्ट परस्पर सम्बद्ध तत्त्वों का अध्ययन' नामक शोधपत्र, सह–शोधार्थी डॉ. निशा कुमारी और डॉ. शशि वर्मा, 'प्रबंधन : इंडियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, अंक–3, खंड–5, मार्च–2012, नई दिल्ली (आईएसएसएन 0975–2854) में प्रकाशित किया।
5. आशीष नाग, ''विद्युत अधिनियम'', संपादित पुस्तक ''ऊर्जा क्षेत्र के समसामयिक मुद्दे'' टेक्नोलॉजी पब्लिकेशन, देहरादून
6. आशीष नाग, ''हिमाचल प्रदेश में पर्यटन उद्योग पर एक अध्ययन– शिमला जिला पर एक केस अध्ययन'', शहीद भगत सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स, दिल्ली (दिल्ली विश्वविद्यालय)
7. आशीष नाग, ''हिमाचल प्रदेश में सहकारी बैंकिंग– हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक पर एक अध्ययन'' केगीस जर्नल ऑफ सोशल साइंसेस, आईएसएसएन : 0975–3621, केरल
8. आशीष नाग, ''भर्ती के विशेष संदर्भ में आर्थिक पतन का निहितार्थ,'' संपादित पुस्तक ''आर्थिक स्वरूप परिवर्तन– प्रभाव एवं उपाय'',
9. आशीष नाग, ''बीमा क्षेत्र के कार्य–निष्पादन–मूल्यांकन प्रणाली की प्रभावशालिता'', गुरूकुल बिजनेस रिव्यू, द जर्नल ऑफ एफएमएस, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार, 2011
10. आशीष नाग, ''प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रमों की भूमिका और पर्यटन उद्योग में मानव संसाधन निष्पादन पर इनके प्रभाव : शिमला जिला पर एक केस अध्ययन'', प्रोसिडिंग्स ऑफ द सेमिनार ऑन टूरिज्म एण्ड हॉस्पिटॉलिटी इंडस्ट्री–ओमिशन्स, इनोवेशन्स एंड चैलेंजेज'', यूआईएचएमटी, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ 15–16 अक्टूबर, 2011
11. आशीष नाग, ''ग्राहकों में विश्वास उत्पन्न करने में विक्रय तकनीकों की प्रभावशालिता : वित्तीय उत्पादों पर एक केस अध्ययन, इंडियन जर्नल ऑफ कॉमर्स (प्रकाशन के लिए स्वीकृत)
12. आशीष नाग, ''ऐम्बूस मार्केटिंग : कानूनी लगने का एक गैर–कानूनी तरीका'', मार्केटिंग मैनेजमेंट पर संपादित खंड पुस्तक (प्रकाशन के लिए स्वीकृत)
13. आशीष नाग, ''रोल ऑफ टैक्स प्लानिंग इन बैंक्स विद स्पेशल रेफेरेंस टू आईसीआईसीआई बैंक, जर्नल ऑफ एसडीसीसी चंडीगढ़।
14. आशीष नाग एवं जतिंदर कौर, ''मर्जर्स : ए केस स्टडी ऑफ फोर्सफुल मर्जर ऑफ ग्लोबल ट्रस्ट बैंक विद ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स'' सूमेधा जर्नल ऑफ मैनेजमेंट – (आईएसएसएन 2277–6753) (संप्रेषित)।
15. आशीष नाग एवं सचिन कुमार, ''ए स्टडी ऑफ टूरिज्म इंडस्ट्री ऑफ हिमाचल प्रदेश विद स्पेशल रेफेरेंस टू इकोटूरिज्म'' (संप्रेषित)।
16. मनप्रीत अरोड़ा, 'एन एनालिसिस ऑफ लीगल ऐस्पेक्ट ऑफ मर्जर एंड एक्विजिशंस इन इंडिया, शोध दृष्टि जर्नल, खंड 3, नं. 1, जनवरी–मार्च, 2012, आईएसएसएन 0976–6650
17. मनप्रीत अरोड़ा, 'चेंजिंग डायमेंशंस ऑफ फॉरेन ट्रेड पॉलिसी ऑफ इंडिया, जर्नल ऑफ सोशल साइंस एंड लिंग्यूस्टिक, खंड 2/2012, आईएसएसएन न. 2249–2984
18. मनप्रीत अरोड़ा, 'एफडीआई : द पोटेंशियल इन रिटेल सेक्टर, सोसाइटी एंड पॉलिक्टिस, खंड 2/2012, आईएसएसएन न. 2248–9479
19. मनप्रीत अरोड़ा, 'इंडियन वूमन स्टिल वेटिंग फॉर विंग्स टू फ्लाई एट ऐडमिनिस्ट्रेटिव लेवल्स : चैलेंजेज एंड प्रोस्पेक्ट्स'', केएमवी कॉलेज, जलंधर द्वारा उच्चतर शिक्षा पर अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन की प्रोसिडिंग्स में प्रकाशित करने के लिए चयनित।

गणित, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान स्कूल

गणित विभाग

20. अमित महाजन, ''एफेक्ट ऑफ रोटेशन ऑन डबल–डिफ्यूसिव कन्वेक्शन इन ए मैग्नेटाइज्ड फेरोफ्लूड विद इंटरनल ऐंगूलर मोमेंटम'', जर्नल ऑफ अप्लायड फ्लूड मेकानिक्स (नीदरलैंड), 4(4), 43–52, (सह–लेखक : सुनील, पी. चांद, पी. शर्मा), 2011
21. अमित महाजन, थर्मोकन्वेक्टिव मैग्नेटाइज्ड फरोफ्लूड विद इंटरनल ऐंगूलर मोमेंटम : ए नॉन लीनियर स्टैबिलिटी एनालिसिस, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ अपलायड मेकानिक्स एंड इंजीनियरिंग, 16(2), 557–580 (सह–लेखक : सुनील), 2011
22. अमित महाजन, स्टेबिलिटी ऑफ मैग्नेटिक फ्लूड मोशन्स इन ए सैचूरेटेड पोरस मीडियम, जर्नल ऑफ अप्लायड मैथेमैटिक्स एण्ड फिजिक्स, 62, 529–538, (सहलेखक : पी.एन. कलोनी) 2011, इम्पैक्ट फैक्टर 1.29
23. अमित महाजन, ''ऑनसेट ऑफ डार्की–ब्रिंकमैन फेरोकॉन्वेक्शन इन ए रोटेरिंग पोरस लेयर यूसिंग ए थर्मल नॉन–इक्वीलिब्रियम मॉडलः ए नॉनलिनियर स्टैबिलिटी एनालिसिस, ट्रांसपोर्ट इन पोरस मीडिया, 88,421–439, (सह–लेखक : सुनील, पी. शर्मा) 2011 इम्पैक्ट फैक्टर : 1.168
24. अमित महाजन, 'ग्लोबल स्टैबिलिटी फॉर थर्मल कॉन्वेक्शन इन ए कपल स्ट्रेस फ्लूड' इंटरनेशनल कॉम्यूनिकेशन इन हीट एण्ड मॉस ट्रांसफर, 38, 938–942, (सह–लेखक : सुनील, रीता देवी) 2011 ; इम्पैक्ट फैक्टर : 1.609
25. अमित महाजन, 'ए नॉनलिनियर स्टैबिलिटी एनालिसिस ऑफ ए रोटेटिंग डबल डिफ्यूसिव मैग्नेटाइज्ड फेरोफ्लूड'' एप्लायड मैथेमैटिक्स एण्ड कॉम्प्यूटेशन' (यू0के0) 218(6), 2785–2799, (सह–लेखक : सुनील, पी. शर्मा) 2011 ; इम्पैक्ट फैक्टर : 1.534
26. अमित महाजन, 'स्टैबिलिटी ऑफ ब्रिंकमैन फ्लो ऑफ मैग्नेटिक फ्लूड', प्रोसिडिंग्स ऑफ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन फ्लूड डायनमिक्स एंड इट्स ऐप्लीकेशंस, बी.एन.एम. इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी, बैंगलोर खंड 1, 2011
27. अमित महाजन, 'ब्रिंकमैन फ्लो इन ए कपल स्ट्रेस फ्लूड, 'स्पेशल टॉपिक्स एण्ड रिव्यूज इन पोरस मीडिया' (नीदरलैंड) (सह–लेखक : महेश कुमार शर्मा), 2011 (प्रकाशन के लिए स्वीकृत)
28. अमित महाजन, 'कन्वेक्शन इन ए मैग्नेटिक नैनोफ्लूड, 'प्रोसिडिंग्स ऑफ रोयल सोसाइटी(यू.के.) (सह–लेखक : मोनिका अरोड़ा) (संप्रेषित)
29. अमित महाजन, 'कन्वेक्शन इन डारसियन मैग्नेटिक नैनोफ्लूड, 'फिसिक्स ऑफ फ्लूड्स'(यू.के.) (सह–लेखक : महेश कुमार शर्मा) (संप्रेषित)
30. अमित महाजन, ग्लोबल स्टैबिलिटी ऑफ कपल स्ट्रेस डारसियन फ्लूड, 'ट्रांसपोर्ट इन पोरस मीडिया'(यू.के.) (संप्रेषित)
31. सुशील कुमार, मैक्सिमम टर्म एण्ड लोअर ऑर्डर ऑफ एन्टायर फंकशन्स ऑफ सेवरल कॉम्प्लेक्स वेरियबल्स, बूलेटिन ऑफ मैथेमैटिकल एनालिसिस एंड एप्लीकेशंस, 3(1)(2011), 156–164 आईएसएसएन 1821–1291 (सह–लेखक : जी. एस. श्रीवास्तव)
32. सुशील कुमार, ऑन ऐप्रोक्सिमेशन एंड जेनरलाइज्ड टाइप ऑफ एनालिटिक फंकशन्स ऑफ सेवरल कॉम्प्लेक्स वेरियेबल्स, एनालिसिस इन थियरी एंड एप्लीकेशंस, 27(2) (2011), 101–108, आईएसएसएन : 1573–8175, (सह–लेखक : जी.एस. श्रीवास्तव)
33. सुशील कुमार, 'जेनरलाइज्ड, टाइप ऑफ एंटायर मोनोजेनिक फंकशंस ऑफ स्लो ग्रोथ' ट्रांसिलवेनियन जर्नल ऑफ मैथेमैटिक्स एंड मेकानिक्स, 3(2), (2011), 95–102, आईएसएसएन : 2067–2403 (सह–लेखक – किरणदीप बाला)
34. सुशील कुमार, 'एप्रोक्सिमेशन एंड इंटरपोलेशन ऑफ एंटायर फंकशंस ऑफ सेवरल कॉम्प्लेक्स वेरियेबल्स ऑन आर्बिटरी कॉम्पैक्ट सेट्स', प्रोसिडिंग्स ऑफ द आईसीएएसएमएच 2011, मलेशिया (2011), 198–208, आईएसबीएन : 978–967–363–323–4 (सह–लेखक : जी.एस. श्रीवास्तव)
35. सुशील कुमार, जेनरलाइज्ड ग्रोथ ऑफ साल्यूशंस टू ए क्लास ऑफ इलिप्टिक पार्सियल डिफरेंशियल इक्वेशंस, एक्टा मैथेमैटिका वियतनामिका, आईएसएसएन : 0251–4184 (प्रकाशन के लिए स्वीकृत) (सह लेखक – जी.एस. श्रीवास्तव)
36. सुशील कुमार, 'ऑन द जेनरलाइज्ड ऑर्डर एंड जेनरलाइज्ड टाइप ऑफ एंटायर मोनोजेनिक फंकशंस, डिमोनस्ट्रेशन मैथेमैटिका, आईएसएसएन : 0420–1213 (प्रकाशन के लिए स्वीकृत) (सहलेखक–जी.एस. श्रीवास्तव)
37. सुशील कुमार, अप्रोसिमेषन एंड जेनरलाइज्ड ग्रोथ ऑफ साल्यूशंस टू ए क्लास ऑफ इलिप्टिक पार्सियल डिफरेंसियल इक्वेशंस (संप्रेषित) (सहलेखक–जी.एस. श्रीवास्तव)
38. सुशील कुमार, ऑन द मैक्सिमम टर्म एंड लोअर ऑर्डर ऑफ एंटायर मोनोजेनिक फंकशंस (संप्रेषित) (सहलेखक–जी. एस. श्रीवास्तव)

39. सुशील कुमार, 'एप्रोक्सिमेशन एंड जेनरलाइज्ड लोअर ऑर्डर ऑफ एंटायर फंकशंस ऑफ सेवरल कॉम्प्लेक्स वेरियबल्स (संप्रेषित) (सह–लेखक जी.एस. श्रीवास्तव)
40. सुशील कुमार, जेनरलाइज्ड ऑर्डर ऑफ एंटायर मोनोजेनिक फंकशंस ऑफ स्लो ग्रोथ, (संप्रेषित) (सह–लेखक : किरणदीप बाला)
41. सुशील कुमार, 'जेनरलाइज्ड ग्रोथ ऑफ मोनोजेनिक टेयलर सीरिज ऑफ फाइनाइट कनवरजेंस रेडियस (संप्रेषित) (सह–लेखक – किरणदीप बाला)
42. सुशील कुमार, एप्रोक्सिमेशन एंड जेनरलाइज्ड लोअर ऑर्डर ऑफ एंटायर फंकशंस ऑफ सेवरल कॉम्प्लेक्स वेरियबल्स हैविंग स्लो ग्रोथ (संप्रेषित) (सह–लेखक – किरणदीप बाला)
43. सुशील कुमार, 'जेनरलाइज्ड लोअर ऑर्डर ऑफ एंटायर मोनोजेनिक फंकशंस ऑफ स्लो ग्रोथ (संप्रेषित) (सह–लेखक – किरणदीप बाला)

पुस्तकालय विज्ञान विभाग

44. आई.वी. मल्हन एवं अमृक सिंह, चैलेंजेज एण्ड एमर्जिंग प्रैक्टिसेस फॉर नॉलेज आर्गेनाइजेशन इन इलेक्ट्रानिक इनफॉरमेशन एनवायरनमेंट, एंटोनी जोस द्वारा संपादित पुस्तक डिजिटल लाइब्रेरिज़ एण्ड नॉलेज आर्गेनाइजेशन, नई दिल्ली, मैकमिलन, 2012, पीपी 11–16
45. आई.वी. मल्हन ने 'ट्रांसफॉरमेश ऑफ एग्रीकल्चरल लाइब्रेरिज इन द कोलाबोरेशन एरा, हैदराबाद, बी.एस. पब्लिकेशन–2011, 552 पी, नामक सम्मेलन खंड का संयुक्त संपादन किया।
46. आई.वी. मल्हन, चैलेंजेज एण्ड प्रौब्लम्स ऑफ लाइब्रेरी एण्ड इंफॉरमेशन एडूकेशन इन इंडिया : ऐन एमर्जिंग नॉलेज सोसाइटी एण्ड डेवलॉपिंग नेशन ऑफ एशिया, फिलोसोफी एण्ड प्रैक्टिश, दिसम्बर 2011
47. आई.वी. मल्हन, लाइब्रेरी एण्ड इंफॉरमेशन साइंस एडूकेशन विज़न–2020, जगतार सिंह एवं त्रिशांत कौर द्वारा संपादित, एलआईएस–एडूकेशन, रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग, पटियाला, आईएटीएलआईएस, 2011, पीपी 1–10
48. आई.वी. मल्हन, अडवांसेस इन आइसीटीएस एण्ड द नेक्स्ट लेवल ऑफ सर्विसेस ऑफ एग्रिकल्चरल लाइब्रेरिज़, संपादक एम.एस. पठानिया आदि, ट्रांसफार्मिंग ऑफ एग्रीकल्चरल लाइब्रेरिजज इन द कोलाबोरेटिव एरा, हैदराबाद, बी. एस. पब्लिकेशन, 2011, पीपी 1–9
49. आई.वी. मल्हन एवं समिता बडेरा, ई–एग्रीकल्चर इन इंडिया : एग्रीकल्चर नॉलेज कॉम्यूनिकेशन विद द ऐप्लीकेशन ऑफ इनफॉरमेशन एण्ड कॉम्यूनिकेशन टेक्नोलाज़िज, संपादक आर. सरवनन आदि, इनफॉरमेशन एण्ड कम्यूनिकेशन टैक्नोलॉजी फॉर एग्रीकल्चर एण्ड रूरल डेवलॉपमेंट, नई दिल्ली, न्यू इंडिया पब्लिशिंग एजेंसी, 2011 अध्याय–2

समाज विज्ञान स्कूल

अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग

50. एच.आर. शर्मा (2011), क्रॉप डायवरसिफिकेशन इन हिमाचल प्रदेश : पैटर्न, डिटरमिनेंट्स एंड चैलेंजेज, इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल एकोनॉमिक्स, खंड 66, नं. 1, पीपी 97–114
51. एच.आर. शर्मा, के.डी. शर्मा, एस.के. चौहान और एच.एल. शर्मा (2011), हिमाचल प्रदेश में गेहूँ के अनुसंधान का प्रभाव निर्धारण : चौधरी सरवन कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय का योगदान ; हिमाचल जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च, खंड 37, नं. 2, पीपी 198–209
52. एच.आर. शर्मा, (2012), 'भारत में कृषि संबंधी कठिनाई : समस्याएं और उपाय, बी.सी. बराह और स्मिता सिरोही द्वारा संपादित, कॉन्सेप्ट पब्लिशिंग कंपनी प्रा.लि., नई दिल्ली, इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स खंड 67, नं. 1

समाज कार्य विभाग

53. अरविंद अग्रवाल, राष्ट्रीय अनुसंधान परियोजना (प्रिन–2012) के त्यूरिन यूनिट के भाग के रूप में विधि विभाग, त्यूरिन विश्वविद्यालय, इटली के विभागाध्यक्ष के साथ 'ज्यूरिसडिक्शन एण्ड प्लूरलिज्म' विषय पर एक अन्तरराष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान परियोजना हस्ताक्षरित किया।
54. अरविंद अग्रवाल के 'दक्षिण का वैश्वीकरण : क्रिकेट के क्षेत्र में भारतीय उपमहाद्वीप द्वारा आधिपत्य के नियमों को बदला जाना' नामक शोधपत्र को फ्रांसीसी जर्नल ज्योग्राफी ऑफ गेम्स में प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया।
55. अरविंद अग्रवाल को प्रतिष्ठित अन्तरराष्ट्रीय जर्नल 'म्युजायन' में शोधपत्र के योगदान के लिए अनुरोध किया गया। इसकी सामान्य विषय वस्तु 'सामाजिक स्मृति और सांस्कृतिक सामग्री' है।
56. आशुतोष प्रधान और रश्मिता रे (2012), माइक्रोक्रेडिट, सोशल कैपिटल फॉरमेशन एण्ड सोशल वर्क, पी.इलांगों और अब्राहम पी.फ्रांसिस के प्रोफेशनल सोशल वर्क एडूकेशन : एमर्जिंग पर्सपेक्टिव्स ऑथरप्रेस : नई दिल्ली, पीपी 127–142

57. आशुतोष प्रधान (2011), स्टेक होल्डर्स इन फिलानथ्रोपिक सोशल वर्क : सिविल सोसाइटी, स्टेकहोल्डर्स इन फिलानथ्रोपिक सोशल वर्क (ब्लॉक 5–4, यूनिट–5) नई दिल्ली : इग्न्यू, (प्रकाशन के लिए स्वीकृत)
58. आशुतोष प्रधान (2011), स्टेकहोल्डर्स इन फिलानथ्रोपिक सोशल वर्क : गवर्नमेंट, स्टेकहोल्डर्स इन फिलानथ्रोपिक सोशल वर्क (ब्लॉक–4, यूनिट–5) में, नई दिल्ली : इग्न्यू (प्रकाशन के लिए स्वीकृत)
59. उपमेश कुमार, रोल ऑफ योगिक एक्सरसाइजेज इन बाइपोलर एफेक्टिव डिजार्डर एंड सिजोफ्रेनिया, दिल्ली साइकियाट्रिक जर्नल, खंड 13(1), 117–122, 2010
60. उपमेश कुमार, ए.एन. वर्मा एवं रविन्दर सिंह (2011), 'मैरिटल एडजस्टमेंट को–डेपेडेंसी अमौंग पेसेंट्स विद डिप्रेशन'' दिल्ली साइकियाट्रिक जर्नल, खंड 14 (1), 115–117, दिल्ली, 2011
61. उपमेश कुमार एवं रविन्दर सिंह, डिमेंशिया एंड एपिलेप्सी : श्रिंकिंग फैब्रिक एंड किनसिप केयर, दिल्ली साइकियाट्रिक जर्नल, 2012 (संप्रेषित)।
62. उपमेश कुमार एवं रविन्दर सिंह, विभा शर्मा की संपादित पुस्तक 'रिसेंट एडवांसेस इन न्यूरोलॉजिकल रिहाबिलिटेशन' 2011 में 'डिमेंशिया एंड एपिलेप्सी : सम सोशियो–कल्चरल एंड लीगल आस्पेक्ट्स ऑफ न्यूरोलॉजिकल रिहाबिलिटेशन नामक अध्याय।
63. उपमेश कुमार और रविन्दर सिंह, डिमेंशिया एंड एपिलेप्सी : फैमिली एंड किनसिप केयर नेटवर्क एनालिसस ऑफ हू केयरर्स एंड हाउ ? कुनमिंग, यून्नान, चीन में द इंटरनेशनल यूनियन ऑफ ऐन्थ्रोपोलोजिकल एंड एथनोलॉजिकल साइंसेस (आईयूएईएस 2008) की 16 वीं वर्ल्ड कॉंग्रेस के क्रिटिकल मेडिकल ऐन्थ्रोपोलोजी के पैनेल में, राष्ट्रीय सेमिनार, 2011 की प्रोसिडिंग्स में प्रकाशित।
64. उपमेश कुमार, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय में आईएसए एवं आरएससीएल द्वारा 10–12 सितम्बर, 2011 के दौरान आयोजित विधि के समाजशास्त्र पर अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'लिगल आस्पेक्ट्स एंड ह्यूमन राइट्स ऑफ साइकियाट्रिक पेशेंट्स एंड डिसेबल्ड पर्सन्स' नाम से ऐबस्ट्रैक्ट प्रकाशित।
65. शबाब अहमद, 'एडूकेशन सिस्टम : इनोवेटिव अप्रोचेज़' सुनीता सिंह एवं लालिमा द्वारा संपादित पुस्तक 'इनोवेशंस इन एडूकेशन' में एक अध्याय का योगदान, एपीएच पब्लिशिंग कॉर्पोरेशन, आईएसबीएन 978–81–313–1241–4

मानविकी एवं भाषा स्कूल

अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग

66. रोशन लाल शर्मा, 'थियोराइजिंग डिसकोर्स', रमनिता शारदा द्वारा संपादित 'इंग्लिश लैंग्यूएज एंड लिटररी स्ट्डीज : जालंधर : एचएमवी 2012 (आइएसबीएन : 978–81–923858–0–8) में प्रकाशित।
67. रोशन लाल शर्मा, 'कैन ह्यूमिनिटिज एंड लिटरेचर बी म्यूच्यूली एक्सक्लूसिव ? – प्रिविलेजिंग ह्यूमनिटिज इन एन इंग्लिश लिचरेचर क्लास' 'जर्नल ऑफ इंग्लिश लिचरेचर एंड लैंग्यूएज (जेइएलएल), खंड–5, नं. 2, (दिसम्बर 2011), 21–28 (आईएसएसएन : 0975–6930) में प्रकाशित।
68. रोशन लाल शर्मा, बहमन घोबादी की फिल्म 'टर्टल्स कैन फ्लाई' पर लेख 'सबवर्टिंग मेनस्ट्रीम सिनेमा : ए क्रिटिक ऑफ द इमेज्स ऑफ डिस्पेयर, डेथ एंड वॉयलेंस', मेलस–मेलो जर्नल, खंड I (अगस्त 2011), 135–143 में प्रकाशित (आईएसएसएन : 2249–3948)।
69. रोशन लाल शर्मा, ह्यूमन वर्सेस द मिथिकल : ए ब्रिफ ओवरव्यू ऑफ डिफरेंट पोएटिक ट्रैडिसंस', द लिटरेटी, खंड 1, अंक 2 (विंटर 2011), 26–31 में प्रकाशित (आईएसएसएन : 2248–9576) ।
70. रोशन लाल शर्मा, 'थियराइजिंग सेल्फहूड : ए रीडिंग ऑफ शशि देशपाण्डेज़ इन 'द कंट्री ऑफ डीसिट', कॉनिफर कॉल्स, खंड 3, नं. 1 (अप्रैल 2011), 16–29 में प्रकाशित (आईएसएसएन : 0975–5365) ।
71. रोशन लाल शर्मा, ''बुधाज स्माइल ऑफ साइमलटियसनेस विस–अ–विस कॉनसेप्ट ऑफ फिक्सिटी एंड फ्लक्स : ए स्टडी ऑफ क्वेस्ट मोटिफ इन हरमन हेसेज़ सिद्धार्थ'' नामक शोधपत्र इंस्टीट्यूट ऑफ अडवांस्ट स्टडी, शिमला द्वारा प्रकाशन के लिए स्वीकार कर लिया गया है तथा यह प्रकाशनाधीन है।
72. रोशन लाल शर्मा, 'मीडिया इनवेज़न ऑफ फोल्क कनसियनेस : रिथिंकिंग फोल्क थियेटर इन हिमाचल प्रदेश विद स्पेशल रेफेरेंस टू करयाला इन द कॉन्टेक्स्ट ऑफ न्यू मीडिया इकोलोजी' को इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा प्रकाशित संस्कृति एवं संचार अध्ययन की एक अन्तरराष्ट्रीय जर्नल 'इंद्रप्रस्थ' के आगामी अंक के लिए स्वीकार कर लिया गया है।
73. रोशन लाल शर्मा, 'नेगोसिएटिंग द नोशन ऑफ नेशन इन रसदीज़ शालीमार द क्लॉउन' नामक शोधपत्र भी अंग्रेजी विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला द्वारा पुस्तक के एक अध्याय के रूप में शामिल करने के लिए स्वीकृत किया गया है।

74. रोशन लाल शर्मा, 'सोम पी. रंचन : डॉयलॉग एपिक इन इंडियन इंग्लिश पोयट्री (सहलेखक–पवन कुमार) नामक पुस्तक पेनक्राफ्ट इंटरनेशनल, नई दिल्ली द्वारा जून 2012 माह के अंत तक प्रकाशित किया जाएगा।
75. रोशन लाल शर्मा, 'वाल्ट विटमैन : ए सूफिक इन्टरप्रेटेशन' पुस्तक, जो उनके द्वारा विसकॅनसिन–मैडिसन विश्वविद्यालय में किए गए सीनियर फूलब्राइट पोस्ट–डॉक्टरोल प्रोजेक्ट पर आधारित है, अगस्त 2012 के अंत तक प्रकाशित होगा।
76. खेम राज शर्मा, सेंस ऑफ एलिनिएशन इन शशि देशपांडेज 'डैट लौंग साइलेंस', जेईएलएल : जर्नल ऑफ इंग्लिश लिचरेचर एण्ड लैंग्यूएज (आएसएसएन 0975–6930), जून 2011
77. खेम राज शर्मा, रिलोकेशन : पास्ट / प्रेसेंट डॉयलेमाज इन वी.एस. नॉयपाल्स 'द मिस्टिक मैसेयोर', ग्लिम्पसेस : अ बाइऐनुअल इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टी डिसिप्लेनरी रिसर्च (आईएसएसएन 2250–0561) (जून, 2012 अंक के लिए स्वीकृत)
78. खेम राज शर्मा, ऐडजस्टमेंट ऑफ डायस्पोराज थ्रू इंटेग्रेशन : ए स्टडी ऑफ टॉनी मॉरीसन्स 'लव', द क्राइटेरिया : एन इंटरनेशनल जर्नल इन इंग्लिश (आईएसएसएन 0976–8165), मार्च, 2012, खंड 3, नं. 1
79. खेम राज शर्मा एवं कनुप्रिया, ''डायलेमा ऑफ इमीग्रेंट्स इन किरण देसाईज द इन्हेरीटेंस ऑफ लॉश, कॉनीफर्स कॉल' जर्नल ऑफ पोयट्री एण्ड क्रिटिसिज्म (आईएसएसएन 0975–5365), सितम्बर, 2011, खंड 3, नं. 2
80. खेम राज शर्मा एवं कल्याणी हाज़री, 'द रेडनिंग ट्री : ए रिफ्लेक्शन ऑफ कास्ट एंड जेंडर हायरारकीज इन द सोसायटी ऑफ हिमाचल प्रदेश, द क्वेस्ट, ए लिटेररी जर्नल (आईएसएसएन 0971–2321), (जून, 2012 अंक खंड 26, नं. 2 के लिए स्वीकृत)
81. खेम राज शर्मा, 'रिबिल्डिंग द होम ऐज मेटाफर एंड फैक्ट इन वी.एस. नॉयपाल्स 'ए हाउस फॉर मिस्टर विश्वास', संपादित पुस्तक में (संप्रेषित)
82. खेम राज शर्मा, ब्यूटी एज मेटाफर ऑफ वॉयलेंस इन टोनी मोरिशंस 'लव', रिमार्किंग्स (आईएसएसएन 0972–611X), मार्च, 2012 खंड 11, नं. 1
83. खेम राज शर्मा, सिबलिंग एगोनी इन पालीऐंड्री : ए क्रिटिकल स्टडी ऑफ द हिमाचली शॉर्ट स्टोरी 'मित्सव' इन इंग्लिश लेंग्वेज एंड लिटरेरी स्टडीज (आईएसबीनएन 978–81–923858–0–8)
84. श्रुति शर्मा, 'सिग्निफिकेंश ऑफ लेंग्वेज एंड कॉम्यूनिकेशन इन सोशल रिसर्च', कॉम्युनिकेशन टुडे– एक त्रैमासिक जर्नल (जून, 2012 अंक के लिए स्वीकृत)
85. श्रुति शर्मा, लेंग्वेज एंड कॉम्युनिकेशन : चैलेंजेज फॉर इमर्जिंग नॉलेज सोसाइटी, कॉम्युनिकेशन टुडे– एक त्रैमासिक जर्नल (सितंबर, 2012 अंक के लिए स्वीकृत)

भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल

86. ओ.एस.के.एस. शास्त्री, आदित्य, अभिषेक और रविकांत, श्री सत्य साईं इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग, 'कंप्यूटर सिमूलेशन अप्रोच टू टिचिंग फंडामेंटल आइडियाज़ इन स्टैटिस्टिकल फिजिक्स' नामक शोधपत्र सेंट बीड्स ऐंथेनियम इंटरनेशनल जर्नल में प्रकाशन के लिए स्वीकृत (इम्पैक्ट फैक्टर : < 1)

पृथ्वी विज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल

87. दीपक पंत, 'वेस्ट मैनेजमेंट इन स्मॉल हॉस्पीटल्स, ट्रबल फॉर इनवॉयरनमेंट' (2011), इनवॉयरनमेंट मॉनीटरिंग एण्ड ऐसेसमेट (स्प्रिंगर), डीओआई : 10.1007 / एस 10661–011–2276–3
88. दीपक पंत, डी.जोशी, एम.के.उपरेटी और आर.के. कोटनाला, 'केमिकल एंड बायोलॉजिकल–एक्सट्रैक्शन ऑफ मेटल्स प्रेसेंट इन इ–वेस्ट : ए हाइब्रिड टेक्नोलॉजी' (2012), वेस्ट मैनेजमेंट (एल्सेवियर साइंस) 32, 979–990
89. दीपक पंत, आर. सिंह, एस.कुमार 'मैनेजमेंट ऑफ वेस्ट पॉली विनाइल क्लोराइड (पीबीसी) थ्रू केमिकल मोडिफिकेशन' (2012), जे.एससी. इंड रेस 71, 181–186
90. दीपक पंत, फर्मासियूटिकल वेस्ट मैनेजमेंट, लैम्बर्ट ऐकेडमिक पब्लिशिंग 2011 (आईएसबीएन 978–3–8454–4089–7)

शिक्षा स्कूल

91. मनोज कुमार सक्सेना एवं सुरेश अग्रवाल (2011), थिंकिंग स्टाइल्स ऑफ प्रॉस्पेक्टिव टीचर्स : एन इमपिरिकल स्टडी'', बीआरआईसीएस र्जनल ऑफ एडूकेशनल रिसर्च, खंड 1, नं. 2, अप्रैल–जून, पीपी 94–101
92. मनोज कुमार सक्सेना एवं सुरेश अग्रवाल (2011), 'नीड फॉर इनोवेटिव टेक्नोलॉजी इन मैथेमैटिक्स लेशन प्लानिंग', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडूकेशन फॉर ह्यूमन सर्विसेज, खंड 1, नं. 2, जून 2011, पीपी 13–18
93. मनोज कुमार सक्सेना, शिवराज कुमार एवं सुरेश अग्रवाल (2011), 'वेज एंड मीन्स ऑफ एचिविंग एडूकेशन फॉर पीस इन स्कूल्स' लर्निंग कॉम्यूनिटी (ऐन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडूकेशनल एंड सोशल डेवलॉपमेंट), खंड 2, नं. 1, अप्रैल, पीपी 161–165

पत्रकारिता, जनसंचार एवं नव मीडिया स्कूल

94. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा, पुस्तक लेखन ''कम्यूनिकेशन एण्ड न्यू मीडिया'' आईएसबीएन–978–3–8454–0957–3, लैम्बर्ट एकेडमिक पब्लिशिंग, जर्मनी, 2011
95. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा, पुस्तक लेखन 'ऐडवर्टाइसिंग ऐट ए ग्लांस' आईएसबीएन 978–93–8080141–4, डीपीएस पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2011
96. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा, थर्ड कॉन्सेप्ट–ऐन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आइडियाज में 'द रोल ऑफ मीडिया इन प्रोमोटिंग स्प्रिच्यूआलिटी' लेख प्रकाशित, आईएसएसएन–970–7247 खण्ड 26, नं. 300–301, फरवरी–मार्च, 2012
97. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा, पत्रकारिता और जनसंचार विभाग, कोलकाता विश्वविद्यालय द्वारा 9 जनवरी, 2012 को मीडिया पर आयोजित अन्तरराष्ट्रीय, सेमिनार में 'मीडिया क्रेडिबिलिटी–नीड ऑफ द आवर' नामक लेख प्रकाशित, जिसमें डिजिटल मीडिया के समकालीन युग में पत्रकारिता संबंधी नैतिकता और स्वतंत्रता से जुड़े मुद्दे शामिल किए गए थे।
98. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा 'अर्बनाइजेशन एंड मीडिया' नामक लेख 'साउथ इंडिया जर्नल ऑफ सोशल साइंस' खंड 1X नं. 2, दिसम्बर, 2011, आईएसएसएन 0972–8945
99. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा, 'सोशल नेटवर्किंग–ऐन एफेक्टिव स्ट्रैटजी ऑफ कम्युनिकेशन' नामक लेख इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटरनेट एण्ड कंप्यूटर सेक्यूरिटी, आईएसएसएन 0974–2247 खंड 3, नंबर 1 (2012), पीपी 1–7, रिसर्च इंडिया पब्लिकेशन, नई दिल्ली में प्रकाशित।
100. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा 'द रोल ऑफ पब्लिक रिलेशन्स इन एनजीओ' नामक लेख पीआर कम्यूनिकेशंस एज़, दिसम्बर, 2011, आईएसएसएन–0972–0650 में प्रकाशित।
101. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा 'डेवलॉपमेंट एण्ड पार्टिसिपिटरी कम्यूनिकेशन–नीड ऑफ द आवर' नामक लेख थर्ड कॉन्सेप्ट–ऐन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आईडियाज़, खंड नं xiv अक्टूबर, 2011, आईएसएसएन–0972–0650 में प्रकाशित।
102. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा, 'रोल ऑफ मीडिया इन अडवांसिंग वूमन्स ह्यूमन राइट्स' नामक लेखक गोबी आर्ट्स एण्ड साइंस कॉलेज, एरोड, तमिलनाडु, सितम्बर, 2011 में आयोजित यूजीसी राष्ट्रीय सेमिनार में प्रकाशित, आइएसबीएन–978–81–910200–5–2
103. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा, 'न्यू मीडिया टेक्नोलॉजिज एण्ड इट्स इंफ्यूलेंस ऑन जर्नलिज्म' नामक लेख रिसर्च इंडिया पब्लिकेशन, नई दिल्ली के इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमिनिटिज़ एण्ड सोशल साइंसेस खंड 1, नम्बर 1 (2011) पीपी (7–14), में प्रकाशित, आईएसएसएन–2250–3226
104. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा, 'पब्लिक रिलेशंस एण्ड प्रोफेशनल एथिकस' नामक लेख पीआर कम्यूनिकेशन एज़, खंड xiv, नं. 4, जुलाई, 2011, में प्रकाशित, आईएसएसएन –0972–0650
105. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा, 'रिस्क कम्यूनिकेशन ए पर्सपेक्टिव' नामक लेख पीआर कम्यूनिकेशन एज़ खंड xiv नं. 2, मई, 2011, आईएसएसएन– 0972–0650 में प्रकाशित।
106. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा, ''न्यू मीडिया एंड सिटिजन जर्नलिज्म– अपॉर्च्युनिटीज इन चैलेंजज, नामक लेख, सुरेन्द्रनाथ कॉलेज फॉर वूमन, कोलकाता द्वारा आयोजित यूजीसी राष्ट्रीय सेमिनार– जर्नलिज्म इन एज ऑफ न्यू मीडिया, 10–12–2011 में प्रकाशित।

सेमिनारों / संगोष्ठियों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में संकाय सदस्यों की सहभागिता

कुलपति

1. कुलपति, फुरकान कमर, एनएएसी – आईईईई संयुक्त अन्तरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस, बैंगलोर में भाग लिया।
2. फुरकान कमर, कॉलर्टन विश्वविद्यालय, ओटावा, कनाडा में आयोजित उच्चतर शिक्षा शिखर सम्मेलन में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के कुलपतियों के प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में भागीदारी की।
3. फुरकान कमर, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित ऑस्ट्रेलिया के कुलपतियों के साथ पारस्परिक विचार–विमर्श बैठक में भाग लिया।
4. फुरकान कमर, कुआलालमपुर मलेशिया, एशियाई क्रेडिट हस्तांतरण प्रणाली पर आयोजित चौथी एशिया सहयोग संवाद गोलमेज बैठक में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के नामिति सदस्य के रूप में भाग लिया।
5. फुरकान कमर, येल विश्वविद्यालय में आयोजित भारत–येल उच्चतर शिक्षा नेतृत्व विकास–2011 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय / विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के प्रतिनिधिमंडल के सदस्य रूप में सहभागिता की।
6. फुरकान कमर, पेनसिलवानिया राज्य विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका में भारत–यूएस उच्चतर शिक्षा अनुसंधान सम्मेलन में भाग लिया।
7. फुरकान कमर, मानव संसाधन विकास मंत्रालय / विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के प्रतिनिधिमंडल सदस्य के रूप में वाशिंगटन, संयुक्त राज्य अमेरिका में उच्चतर शिक्षा शिखर सम्मेलन में भागीदारी की।
8. फुरकान कमर, बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक एवं प्रशासनिक सुधारों पर आयोजित दो दिवसीय विचार–मंथन कार्यशाला में आधार व्याख्यान दिया।

व्यवसाय एवं प्रबंधन विज्ञान स्कूल

9. योगिन्दर एस. वर्मा, राजकीय महिला महाविद्यालय, शिमला द्वारा 4–5 जून, 2011 को आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और सुशासन विषय पर आधार व्याख्यान दिया।
10. योगिन्दर एस. वर्मा, ऐकेडमिक स्टाफ कॉलेज, पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला द्वारा 09.07.2011 को आयोजित तीन यूजीसी अभिमुखीकरण कार्यक्रमों में विशेषज्ञ संसाधक के रूप में योगदान दिया।
11. योगिन्दर एस. वर्मा, महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए उच्चतर शिक्षा संस्थानों में योजना और प्रबंधन के संबंध में राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन, विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 27 जून–01 जुलाई 2011 के दौरान आयोजित 05 दिवसीय अभिमुखी कार्यक्रम का समन्वय किया और उच्चतर शिक्षा में प्रबंधकीय नेतृत्व विषय पर एक व्याख्यान भी दिया।
12. योगिन्दर एस. वर्मा, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 12 सितम्बर, 2011 को विधि के समाजशास्त्र पर आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह की अध्यक्षता की।
13. योगिन्दर एस. वर्मा, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय द्वारा 28 नवंबर 2011 को चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली विषय पर आयोजित सेमिनार में आधार व्याख्यान दिया।
14. योगिन्दर एस. वर्मा राजकीय अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय द्वारा 16–17 मार्च, 2012 को आयोजित अध्यापक शिक्षा एवं प्रशिक्षण– मानव संसाधन विकास एवं ज्ञान समाज की चिंताएं विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार के मुख्य अतिथि और इसमें आधार–व्याख्यान दिया।
15. अदिति शर्मा ने 'रोगी कल्याण समिति के माध्यम से रोजगार : सामाजिक न्याय की अवज्ञा : डॉ. आरपीजीएमसी, टांडा का केस अध्ययन' नामक शोध–पत्र आईएसए एवं आरएससीएल द्वारा 10–12 सितम्बर 2011 तक हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला में शांति, न्याय और विधि पर आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया।
16. आशीष नाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला द्वारा आयोजित यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'आर्थिक स्वरूप परिवर्तन–प्रभाव और उपाय' नामक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
17. आशीष नाग, प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रमों की भूमिका और पर्यटन उद्योग में मानव संसाधन कार्य–निष्पादन पर प्रभाव : शिमला जिला का एक केस अध्ययन नामक शोध पत्र 15–16 अक्टूबर, 2011 के दौरान यूआईएचएमटी, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में पर्यटन और आतिथ्य उद्योग–गलतियाँ, नवप्रवर्तन और चुनौतियों पर आयोजित सेमिनार में प्रस्तुत किया।
18. आशीष नाग, सामाजिक उत्तरदायित्व और आईएसओ 26000 मानक – एक नयी शुरूआत नामक शोधपत्र

आरकेएमवी कॉलेज, शिमला में आयोजित यूजीसी प्रायोजित सेमिनार में प्रस्तुत किया।

19. आशीष नाग, कौर्पोरेट शासन और उदयमान बाजार चुनौतियां और अवसर नामक शोधपत्र आईएसए एवं आरएससीएल द्वारा 10–12 सितम्बर 2011 तक हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित शांति, न्याय और विधि पर अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया।

20. आशीष नाग (सह–लेखक मनप्रीत अरोड़ा) ने आईएसए एवं आरएससीएल द्वारा हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला में शांति, न्याय और विधि पर आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''रैगूलेटरी इनवॉयरमेंट फॉर फाइनांसियल सर्विसेज : सिस्टम दैट क्रिएट्स एक्सेलमेंस'' नामक एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

21. आशीष नाग ने प्रबंधन अध्ययन स्कूल, पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला में 2010 में यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'इंटरनेट सर्विसेज़ ऑफ बीएसएनएल–ए स्टडी ऑफ कैपिटल ऑफ हिमाचल प्रदेश' नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

22. आशीष नाग, आसीएफएआई विश्वविद्यालय द्वारा तनाव प्रबंधन पर संकाय विकास कार्यशाला (एफडीडब्ल्यू) में भाग लिया।

23. आशीष नाग, आईसीएफसीआई विश्वविद्यालय द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक (सीएसआर) पर आयोजित संकाय विकास कार्यशाला (एफडीपी) में भाग लिया।

24. आशीष नाग, एसबीएमएस, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 09–13 अप्रैल, 211 को आयोजित एनालिटिक्स ऑफ रिसर्च कार्यशाला में भाग लिया।

25. मनप्रीत अरोड़ा, उदारीकरण और भारत में लघुस्तरीय उद्योग नामक शोधपत्र राजकीय महाविद्यालय, ऊना द्वारा मई 2011 में आयोजित सूक्ष्म, लघु और मध्यम स्तरीय उद्योग पर राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया।

26. मनप्रीत अरोड़ा, के.सी. ग्रुप इंस्टीट्यूशंस, पंडोगा द्वारा 24 मार्च, 2012 को मंदी के समय में विश्वस्तरीय व्यवसाय के लिए नवीन कार्यनीतियां विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में ''मर्जस एंड एक्वीजिशंस : मोटिवस एंड पर्सपेक्टिव्स'' नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

27. मनप्रीत अरोड़ा, मौलाना आजाद मेमोरियल राजकीय कॉलेज, जम्मू तथा कश्मीर के गांधी अध्ययन केन्द्र द्वारा 25 मार्च, 2012 को समकालीन विश्व में गांधीवादी विचारधारा : एक आधुनिक परिप्रेक्ष्य विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में गांधी के विचार : व्यवसाय में नैतिकता संबंधी अर्न्तदृष्टि पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

28. मनप्रीत अरोड़ा, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा इंटरनेशनल सोशियोजिकल एशोसिएशन के विधि के समाजशास्त्र पर 10–12 सितम्बर, 2011 को आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भ्रष्टाचार : परिमाण, प्रभाव एवं उपचार नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

29. मनप्रीत अरोड़ा, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा इंटरनेशनल सोशियोजिकल एशोसिएशन के विधि के समाजशास्त्र पर 10–12 सितम्बर, 2011 को आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में रेगूलेटरी एनवॉयरमेंट फॉर फाइनांसियल सर्विसेज : सिस्टम दैट क्रिएट्स एक्सेलमेंस नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

30. मनप्रीत अरोड़ा, चैलेंजेज ऑफ एब्यूजिव रिलेटेड पार्टी ट्रांजेक्शन इन एशिया– ए क्रिटिकल रिव्यू, नामक शोधपत्र हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा इंटरनेशनल सोशियोजिकल एशोसिएशन के विधि के समाजशास्त्र पर 10–12 सितम्बर, 2011 को आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया।

31. मनप्रीत अरोड़ा, भारत–चीन संबंध–संभावनाएं और चुनौतियां नामक शोधपत्र हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा इंटरनेशनल सोशियोजिकल एशोसिएशन के विधि के समाजशास्त्र पर 10–12 सितम्बर, 2011 को आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया।

32. मनप्रीत अरोड़ा, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के व्यवसाय एवं प्रबंध विज्ञान स्कूल द्वारा 09–13 अप्रैल, 2011 के दौरान आयोजित कार्यशाला में भाग लिया और एनालिटिक्स ऑफ रिसर्च पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

33. मनोज कुमार चौधरी, भारत में ग्राहक आंदोलन : उद्भव और प्रभावशालिता नामक शोधपत्र हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय में आईएसए एवं आरएससीएल द्वारा आयोजित इंटरनेशनल सोशियोजिकल एशोसिएशन के विधि के समाजशास्त्र पर 10–12 सितम्बर, 2011 को आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया।

34. राजेश कुमार, विज्ञापन के विधिक रूपरेखा और नैतिक पहलू नामक शोधपत्र हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय में आईएसए एवं आरएससीएल द्वारा आयोजित इंटरनेशनल सोशियोजिकल एशोसिएशन के विधि के समाजशास्त्र पर 10–12 सितम्बर, 2011 को आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया।

35. संजय कुमार ठाकुर, भ्रष्टाचार के विरुद्ध दण्डात्मक उपायों की प्रभावशालिता : अधिक कड़े दंड के प्रावधान की आवश्यकता नामक शोधपत्र हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय में आईएसए एवं आरएससीएल द्वारा आयोजित इंटरनेशनल सोशियोजिकल एशोसिएशन के विधि के समाजशास्त्र पर 10–12 सितम्बर, 2011 को आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया।

पुस्तकालय विज्ञान विभाग

36. आई.वी.मल्हन, भारत में देशी कृषिगत ज्ञान की चुनौतियां और समस्याएं नामक शोध–पत्र 13–18 अगस्त, 2011 तक सान जुआन, प्यूरटो रिको में आयोजित वर्ल्ड लाइब्रेरी एंड इनफॉरमेशन कॉंग्रेस : 77 वॉं सम्मेलन एवं सभा में प्रस्तुत किया।

37. आई.वी. मल्हन, भारत में पुस्तकालय और सूचना शिक्षा की चुनौतियां और समस्याएं उभयभान ज्ञान समाज और एशिया का विकासशील राष्ट्र नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया, जिसे नेब्रास्का, यूएसए के पीयर रिव्यूड जर्नल लाइब्रेरी 'फिलॉस्फी एंड प्रैक्टिश में प्रकाशन के लिए स्वीकृत किया गया।

38. आई.वी. मल्हन, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए), नई दिल्ली में 27 अगस्त, 2011 को पुस्तकालयों का भविष्य : आगामी दिशाएं पर पैनेल चर्चा में सहभागिता की।

39. आई.वी. मल्हन, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा 22–23 सितम्बर, 2011 को शैक्षणिक पुस्तकालय के उभरते रूझान विषय पर आयोजित सेमिनार में आधार व्याख्यान दिया।

40. आई.वी. मल्हन, डॉ. वाई.एस. परमार उद्यान एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन (हि.प्र.) द्वारा 17–19 नवंबर, 2011 के दौरान आयोजित कृषि पुस्तकालय–अध्यक्षों और प्रलेखकों के राष्ट्रीय सम्मेलन में आधार व्याख्यान दिया।

41. आई.वी. मल्हन, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला द्वारा 10–12 सितम्बर, 2011 के दौरान विधि के समाजशास्त्र पर आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन के ओपन पैनल सत्र की अध्यक्षता की।

42. आई.वी. मल्हन, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में 26–28 नवंबर, 2011 के दौरान आयोजित 28 वां आईएटीएलआईएस राष्ट्रीय सम्मेलन में आधार व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।

43. आई.वी. मल्हन, वीसीएएस, मस्कट, सल्तनत ऑफ ओमान में 27–28 फरवरी, 2012 के दौरान ज्ञान प्रबंधन और संसाधन साझोदारी पर आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में आधार व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया। उन्होंने इस सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की और पैनेल चर्चा में सहभागिता भी की।

समाज विज्ञान स्कूल

अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग

44. एच.आर. शर्मा, पर्वतीय कृषि में परिवर्तन : प्रक्रियाएं, चुनौतियां और सबक नामक शोधपत्र शेरे कश्मीर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कृषि विश्वविद्यालय, श्रीनगर द्वारा 8–10 सितम्बर, 2011 के दौरान पर्वतीय कृषि में परिवर्तन–चुनौतियां और भविष्य विषय पर आयोजित सम्मेलन में प्रस्तुत किया।

45. एच.आर. शर्मा ने 'भारत में कृषिगत उत्पादकता और विकास को तीव्र करने के लिए नीति विकास और निवेश प्राथमिकताएं' विषय पर 10–11 नवंबर, 2011 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित कार्यशाला में 'फसल विविधिकरण अनुभव और हिमाचल प्रदेश से सबक' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

46. एच.आर. शर्मा ने 23–24 फरवरी, 2012 को नई दिल्ली 'सामाजिक समूह सांख्यिकी और वर्तमान सांख्यिकी प्रणाली: उभरती नीति, मुद्दे, आंकड़ों की आवश्यकताएं और सुधार' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'भूस्वामित्व और काश्तकारी : आंकड़े और साक्ष्य' पर एक आमंत्रित शोधपत्र का योगदान किया।

47. एच.आर. शर्मा ने हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 10–12 सितम्बर, 2011 के दौरान आयोजित विधि के समाजशास्त्र पर अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'कॉर्पोरेट जगत और समाज' विषय पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

समाज कार्य विभाग

48. अरविंद अग्रवाल, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय एवं इंटरनेशनल सोसियोलौजिकल एशोसियेशन (आईएसए) के रिसर्च कमिटी ऑन सोशियोलॉजी ऑफ लॉ के संयुक्त तत्वावधान में सितम्बर 2011 के दौरान धर्मशाला में आयोजित इंटरनेशनल सोशियोलॉजिकल एशोसिएशन–रिसर्च कमिटी 12 (रिसर्च कमिटी ऑन सोशियोलॉजी ऑफ लॉ) के अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में आयोजक सचिव के रूप में कार्य किया।

49. अरविंद अग्रवाल, 'क्वो वेडिस ? भारत में समाजशास्त्र में अध्यापन और अनुसंधान नामक शोधपत्र इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज द्वारा आईसीएसएसआर और समाजशास्त्र विभाग, हि.प्र. विश्वविद्यालय, शिमला के सहयोग से 18–19 अप्रैल, 2011 में समाज विज्ञान में अध्यापन और अनुसंधान : उभरते संकट, चुनौतियां और विकल्प' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत किया।

50. अरविंद अग्रवाल ने आईसीएसएसआर और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की सहायता से 12 सितम्बर, 2011 को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ अडवांस्ड स्टडीज द्वारा आरसीएसएल एवं हि.प्र.के.वि. के संयुक्त सहयोग द्वारा हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला (हि.प्र.) में आईएसए–आरसीएसएल के विधि के समाजशास्त्र पर 'शांति, न्याय और विकास' विषय पर आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन के विकास पर एक पूर्ण सत्र में 'समानता, पहचान,

स्वतंत्रता : समग्र विकास की ओर' नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

51. अरविंद अग्रवाल ने आईसीएसएसआर और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की सहायता से 11 सितम्बर, 2011 को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ अडवांस्ड स्टडीज द्वारा आरसीएसएल एवं हि.प्र.के.वि. के संयुक्त सहयोग द्वारा हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला (हि.प्र.) में आईएसए–आरसीएसएल के विधि के समाजशास्त्र पर 'शांति, न्याय और विकास' विषय पर आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में '21 वीं शताब्दी में प्रजाति' पर तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

52. अरविंद अग्रवाल ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला (हि.प्र.) द्वारा 11–13 दिसम्बर, 2011 के दौरान आयोजित 38 वां अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन के हीरक जयंती समारोह में अनुसंधान समिति–22 के एक तकनीकी सत्र में 'सशस्त्र बल एवं मानवाधिकार' नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

53. अरविंद अग्रवाल ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला (हि.प्र.) द्वारा 11–13 दिसम्बर, 2011 के दौरान आयोजित 38 वां अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन के हीरक जयंती समारोह में अनुसंधान समिति–23 के एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

54. प्रो. अरविंद अग्रवाल ने 'अध्यापक शिक्षा एवं प्रशिक्षण : मानव संसाधन विकास एवं ज्ञान समिति' पर राजकीय अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय में 16 मार्च, 2012 को आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में पैनेल व्याख्यान दिया।

55. प्रो. अरविंद अग्रवाल ने 'अध्यापक शिक्षा एवं प्रशिक्षण : मानव संसाधन विकास एवं ज्ञान समिति' पर राजकीय अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय में 17 मार्च, 2012 को आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में समापन अभिभाषण दिया।

56. अरविंद अग्रवाल को होनोलूलू, हवाई, यूएसए में जून 2012 में आयोजित होने वाले मूल विषय 'सेशियोलीगल कनवर्शेसन अक्रॉस ए सी ऑफ आइलैण्डस' पर विधि एवं समाज पर अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'न्यायिक निर्णयों पर प्रभाव' नामक सत्र की अध्यक्षता के लिए आमंत्रित किया गया।

57. अरविंद अग्रवाल को होनोलूलू, हवाई, यूएसए में जून 2012 में आयोजित होने वाले 'सोशियोलीगल कनवर्शेसन अक्रॉस ए सी ऑफ आइलैण्डस पर विधि एवं समाज पर अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'विधि एवं सामाजिक मुद्दे के बोध के लिए सैद्यांतिक रूपरेखाएं' नामक प्रधान सत्र की अध्यक्षता के लिए आमंत्रित किया गया।

58. अरविंद अग्रवाल के 'द नेशेसिटी फॉर टिचिंग जेंडर सेंसिविटी टू जजेज : द केस ऑफ एच.पी. (इंडिया)' नामक शोधपत्र को होनोलूलू, हवाई, यूएसए में जून 2012 में आयोजित होने वाले मूल विषय ''सोशियोलीगल कनवर्शेसन आक्रॉस ए सी ऑफ आइलैण्ड्स'' पर विधि एवं समाज पर अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में इंटरनेशनल रिसर्च कोलाबोरेटिव, #05, जेंडर एंड जूडिसियल एडूकेशन; #08, लीगल एडूकेशन ; और आरसीएसएल के वर्किंग ग्रुप 03 द्वारा प्रायोजित जेंडर एंड जूडिशियल एडूकेशन नामक सत्र में प्रस्तुति की स्वीकृति मिल गई है।

59. आशुतोष प्रधान ने राजनीति शास्त्र, जोडा कॉलेज, केउनझर जिला, उड़ीसा द्वारा 28 फरवरी, 2012 को 'वैश्वीकरण और जनजातीय समुदाय पर इसके प्रभाव' पर आयोजित सेमिनार में ''वैश्वीकरण–जनजातीय समुदायों के लिए एक खतरा'' विषय पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

60. आशुतोष प्रधान और नित्यानंद राज ने शिक्षा विभाग, जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय, लाडूनं, राजस्थान द्वारा 25–26 फरवरी, 2012 को अध्यापक शिक्षण में नए रुझान पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'ग्रामीण विद्यालयों में मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण : समाज कार्य संदर्श' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

61. आशुतोष प्रधान ने समाज कार्य विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा 23–24 फरवरी, 2012 को 'प्रोफेशन ऑफ सोशल वर्क ऐट क्रॉस रोड्स : रिपोजिसनिंग सोशल वर्क एडूकेशन एंड प्रैक्टिश' पर अखिल भारतीय सम्मेलन में ''स्ट्रेंथेनिंग सोशल वर्क प्रोफेशन इन इंडिया : ए सोशल कैपिटल पर्सपेक्टिव'' नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

62. आशुतोष प्रधान ने समाज कार्य विभाग, जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय, लाडनूं, राजस्थान द्वारा 17–19 फरवरी, 2012 द्वारा 'फील्ड वर्क प्रैक्टिकल : चैलेंजेज एण्ड औपरचूनिटिज'' पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में ''स्कूल सोशल वर्क इन सोशल इंडिया : एन अप्रोच टू इंटीग्रेटेड सोशल वर्क प्रैक्टिश'' नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

63. आशुतोष प्रधान ने समाज कार्य विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, एनएपीएसडब्ल्यूआई और इग्न्यू, नई दिल्ली द्वारा 27–29 जनवरी, 2012 को 'समुदाय विकास, समाज कार्य और एचआईवी/एडस' पर 9 वीं वार्षिक राष्ट्रीय सेमिनार में 'जहां मन निर्भय और मस्तक ऊँचा रहे..... सामुदायिक विकास परिप्रेक्ष्य से टैगोर की व्याख्या' नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

64. आशुतोष प्रधान ने समाज कार्य विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा 25 फरवरी, 2012 को आयोजित भारत में समाज कार्य अध्ययन की गुणवत्ता बढोत्तरी के लिए नेशनल नेटवर्क ऑफ स्कूल्स ऑफ सोशल वर्क पर उत्तरी अँचल परामर्श बैठक में सहभागिता की।

65. उपमेश कुमार ने फोर्थ यूनीवर्सिटी कॉलेज, लंदन द्वारा चेन्नई (तमिलनाडू) में 2011 में आयोजित ''रीथिकिंग साइकोशोसल इंटरवेंशंस इन साउथ एशिया : कंट्रीब्यूशंस फ्रौम मेडीकल ऐंथ्रोपोलोजी'' लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

66. उपमेश कुमार ने हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश द्वारा मार्च 2011 में एनालिटिक्स ऑफ रिसर्च विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।

67. उपमेश कुमार ने राजकीय कॉलेज, ऊना, हिमाचल प्रदेश द्वारा मई 2011 में सूक्ष्म, लघुस्तरीय और मध्यम स्तरीय उद्योग विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

68. उपमेश कुमार ने आईएसए एवं आरएससीएल द्वारा हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला में 10–12 सितम्बर, 2011 के दौरान विधि के समाजशास्त्र पर अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'लिगल आसपेक्ट्स एंड ह्यूमन राइट्स ऑफ साइकियाट्रिक पेशेंट्स एंड डिसेबल्ड पर्सन्स' नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

69. शबाब अहमद, समाज कार्य विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय द्वारा पटियाला, पंजाब में 18–19 मार्च, 2011 को अशक्त व्यक्तियों का समाज के साथ एकीकरण : शिक्षा, प्रशिक्षण और पुनर्वास पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'इन्क्लूसिव सोशल एडूकेशन' नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

70. शबाब अहमद, 18–19 जून, 2011 को आयोजित शिक्षा में नवीन पद्धतियों पर शिक्षा समुदाय के अन्तरराष्ट्रीय सेमिनार में 'एडूकेशन सिस्टम : इनोवेटिव अप्रोचेज़' नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

71. शबाब अहमद, 10–12 सितम्बर, 2011 को आयोजित विधि के समाजशास्त्र पर अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'रिविसिटिंग द सेक्रेड/सेक्यूलर डिवाइड' पर तकनीकी सत्र में 'माइनोरिटी–स्टेट्स : सागा ऑफ डिस्पूट : ए क्रिटिकल रिव्यू' नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

72. शबाब अहमद, 10–12 सितम्बर, 2011 को आयोजित विधि के समाजशास्त्र पर अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में खुले सत्र के तकनीकी सत्र में 'शूड बेटिंग बी लिगल इन इंडिया : ए क्रिटिकल डिबेट' नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

73. शबाब अहमद ने व्यवसाय एवं प्रबंधन विज्ञान स्कूल, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 9–13 अप्रैल, 2011 के दौरान 'एनालिटिक्स ऑफ रिसर्च' पर आयोजित कार्यशाला में प्रतिभागिता की।

74. शबाब अहमद, इंडियन सोशियोलॉजिकल सोसाइटी जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 11–13 दिसम्बर, 2011 को आयोजित हीरक जयंती समारोह (37 वां अखिल भारतीय सोशियोलॉजिकल सम्मेलन) में 'लिगेसी ऑफ डिसक्रिमेनेशन : 'ए रिव्यू' नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

मानविकी एवं भाषा स्कूल

अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग

75. रोशन लाल शर्मा, हंसराज कन्या महाविद्यालय, जालंधर (पंजाब) में 9–10 मार्च, 2012 को अंग्रेजी भाषा और साहित्यिक अध्ययन पर आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन के एक सत्र की अध्यक्षता की और ''थियेराइजिंग डिस्कोर्स' नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

76. रोशन लाल शर्मा, लायलपुर खालसा महिला कॉलेज जालंधर (पंजाब) में 28–29 फरवरी, 2012 को यूजीसी प्रायोजित ''पोस्टमॉर्डन वर्ल्ड फिक्शन : द एमर्जिंग फिक्शन'' राष्ट्रीय सेमिनार में एक सत्र की विशेषज्ञ संसाधन के रूप में अध्यक्षता की और ''नैरेटिव मोड्स इन मंजू जैदकाज़ स्पॉट्स ऑफ टाइम'' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

77. रोशन लाल शर्मा, राजीव गांधी राजकीय डिग्री कॉलेज, शिमला (हि.प्र.) में 2–3 मार्च, 2012 को आईएससीसीआर एवं उत्तर–पश्चिमी क्षेत्रीय केन्द्र, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा ''कॉन्टेमपोरेरी चैलेंजेज इन सोशल साइंसेज'' विषय पर प्रायोजित राष्ट्रीय सेमिनार में एक सत्र की अध्यक्षता की और ''लिटरेचर एज़ टूल टू क्रिटिक ग्लोबलाइजेशन'' नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

78. रोशन लाल शर्मा, निरमा विश्वविद्यालय द्वारा गुजरात साहित्य अकादमी द्वारा अहमदाबाद में 25–26 मार्च, 2011 को ''रिविजिटिंग द क्लासिक्स : टेक्स्ट, कॉन्टेक्स्ट एवं (रिइंटरप्रेटेशन)'' पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में ''द सूफिक कॉनसेप्ट ऑफ बहदत अल–वूजूद : रिविसिटिंग वाल्ट विट्समैन्स 'सॉन्ग ऑफ माइसेल्फ'' एंड 'ए पर्सियन लेसन' नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

79. रोशन लाल शर्मा, राजकीय कॉलेज, सुजानुपर टिहरा (हि.प्र.) द्वारा 7–8 मार्च, 2011 को यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सेमिनार 'एमर्जिंग सेल्फहूड : ए स्टडी ऑफ नैरेटिव्स बाई वूमन राइटर्स ऑफ साउथ एशिया' के एक सत्र की विशेषज्ञ संसाधक के रूप में अध्यक्षता की और ''थियोराइसिंग सेल्फ : ए रीडिंग ऑफ शशि देशपाण्डेज़ इन द कंट्री ऑफ डीसिट'' नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

80. रोशन लाल शर्मा, चंडीगढ़ साहित्य आकदमी (सीएसए) द्वारा 10–12 फरवरी, 2012 को आयोजित त्रिदिवसीय चंडीगढ़ साहित्यिक समारोह में आयोजन सहयोगकर्ता और चर्चा–परिचर्चाकर्ता के रूप में भाग लिया।

81. रोशन लाल शर्मा, राजीव गांधी राजकीय कॉलेज, शिमला में 4–6 जुलाई, 2011 के दौरान हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला के स्नातक कक्षाओं की सामान्य अंग्रेजी के नए पाठ्य विवरण को तैयार करने संबंधी त्रिदिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

82. खेम राज शर्मा, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली द्वारा 26–28 अगस्त, 2011 तक राजकीय डिग्री महाविद्यालय, धर्मशाला में 'महाभारत' पर आयोजित तीन दिवसीय सेमिनार में भाग लिया।

83. खेम राज शर्मा, तिब्बत की स्वतंत्रता, होमलैंड से जुड़े मुद्दे और मानवाधिकार : वैश्विक शक्तियों का पाखण्ड नामक शोधपत्र 10–12 सितम्बर, 2011 तक हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय में विधि के समाजशास्त्र पर अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया।

84. खेम राज शर्मा, बच्चों पर घरेलू हिंसा का प्रभाव : एक सामाजिक–मनोवैज्ञानिक विश्लेषण नामक शोध पत्र 10–12 सितम्बर, 2011 तक हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय में विधि के समाजशास्त्र पर अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया।

85. खेम राज शर्मा, सबऑल्टर्निटी एण्ड कोलोनियल पोलिटिक्स इन शेक्सपीयर 'द टेम्पेस्ट' नामक शोध पत्र सेंट बीड्स कॉलेज, शिमला में 22–24 सितम्बर, 2011 'सब ऑर्ल्टन्स इन शेक्सपीयर : ए पोस्ट कोलोनियल स्क्रूटिनी' पर आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

86. खेम राज शर्मा, हंसराज कन्या महाविद्यालय, जालंधर, पंजाब में 9–10 मार्च 2012 को अंग्रेजी भाषा और साहित्यिक अध्ययन पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'सिबलिंग एगोनी इन पॉलियांडरी : ए क्रिटिकल स्टडी ऑफ द हिमाचली शॉर्ट स्टोरी 'मित्सव' नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

87. श्रुति शर्मा, इमपेरेटिवस ऑफ इंग्लिश लैंगूवेज इन सोशल साइंस टीचिंग एण्ड रिसर्च नामक शोधपत्र 18–19 अप्रैल, 2011 के दौरान इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, शिमला में आयोजित 'भारत में समाज विज्ञान में अध्यापन और अनुसंधान : उभरते संकट, चुनौतियां और विकल्प' राष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत किया।

88. श्रुति शर्मा ने राजकीय डिग्री कॉलेज, धर्मशाला द्वारा 26–28 अगस्त, 2011 में साहित्य अकादमी द्वारा 'महाभारत' पर आयोजित त्रिदिवसीय सेमिनार में भाग लिया।

89. श्रुति शर्मा ने द शेक्सपीयर एशोसिएशन (इंडिया) के सहयोग से सेंट बीड्स कॉलेज, शिमला में 'सब ऑल्टर्न्स इन शेक्सपीयर : ए पोस्ट– पोस्टकोलोनियनल स्क्रूटनी' पर 22–24 सितंबर, 2011 को आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सेमिनार में 'फॉकॉलडियन पर्सपेक्टिव इन द राइटिंग्स ऑफ शेक्सपीयर' नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

90. श्रुति शर्मा ने चाइल्ड मैरेज एण्ड फेलियर ऑफ लॉ : एन इमपेडिमेंट इन द वे टू वूमन एमपावरमेंट नामक शोधपत्र हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला द्वारा 10–12 सितंबर, 2011 को आयोजित विधि के समाजशास्त्र पर अन्तरराष्ट्रीय सेमिनार में शोधपत्र प्रस्तुत किया।

91. श्रुति शर्मा ने 'जेंडर क्राइम एंड सोसाइटी : क्राइम अगेंस्ट वूमन' नामक शोधपत्र हिमाचल प्रदेश केन्दीय विश्वविद्यालय धर्मशाला द्वारा 10–12 सितंबर, 2011 को आयोजित विधि के समाजशास्त्र पर अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया।

भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल

92. ओ.एस.के.एस. शास्त्री, सेंट बीड्स कॉलेज, शिमला द्वारा मई, 2011 में भौतिकी शिक्षा अनुसंधान : भौतिकी शिक्षा में अनुसंधान आधारित सुधार पर आयोजित 'इनोवेटिव आइडियाज़ टू मेक फिजिक्स लैब्स इनटेरेस्टिंग, एक्सप्लोरेटिव एंड इनगेजिंग' राष्ट्रीय कार्यशाला एवं सेमिनार में विशेषज्ञ संसाधक के रूप में भाग लिया।

93. ओ.एस.के.एस. शास्त्री, सेंट बीड्स कॉलेज, शिमला द्वारा मई, 2011 में भौतिकी शिक्षा अनुसंधान : भौतिकी शिक्षा में अनुसंधान आधारित सुधार पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'वर्च्यूल एक्सपेरिमेंट्स एंड प्रॉब्लम साल्विंग यूसिंग कंप्यूटर सिमूलेशंस' नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

94. ओ.एस.के.एस. शास्त्री, और एम.आर. गणेश कुमार ने आईएपीटी, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, अक्टूबर 2011 के ''इनोवेटिव क्लासिकल मेकानिकलस लैबोरैटरी'' पर राष्ट्रीय कन्वेंशन में आमंत्रित वक्ताओं के रूप में भाग लिया।

95. ओ.एस.के.एस. शास्त्री, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में मार्च 2012 में 'नेशनल सेमिनार ऑन एक्सपेरिमेंटल एंड कंप्यूटेशनल टेकनिक्स इन मैटेरियल साइंस' में 'फेरोमैग्नेटिज्म इन ग्राफीन' पर मौखिक प्रस्तुतीकरण दिया।

96. ओ.एस.के.एस. शास्त्री, ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय के कार्यक्रम के अन्तर्गत आईआईटी मुंबई स्पोकेन टूटोरियल टीम के साथ एमएससी (भौतिकी) और एमएससी (गणित) के विद्यार्थियों के लिए 'लाइनक्स' विषय पर और एमएसी (आईटी) के विद्यार्थियों के लिए 'स्काईलैब' विषय पर कार्यशाला को संचालित किया।

पृथ्वी विज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल

97. दीपक पंत, 'मूविंग टूवार्ड्स सस्टेनेबल रिसोर्स मैनेजमेंट' नामक शोधपत्र 3–7 मई, 2011 के दौरान हौंग–कौंग बैप्टिस्ट यूनिवर्सिटी, एसएआर, चीन में आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ सॉलिड वेस्ट 2011 में प्रस्तुत किया।

98. दीपक पंत, 'बॉयोटेक्नोलॉजिकल अप्रोच फॉर गेनोमिक डीएनए आइसोलेशन, सिक्वेंशिंग, क्लोनिंग एण्ड कैरेक्टराइजेशन' नामक शोधपत्र 5–11 दिसम्बर, 2011 के दौरान जैव प्रौद्योगिकी विभाग, आईआईओ रूड़की में प्रस्तुत किया।

99. दीपक पंत, सेंटर एनवॉयरनमेंट रिसर्च एंड डेवलॉपमेंट, लोयला कॉलेज, चेन्नई–34 द्वारा 8–9 मार्च, 2012 के दौरान 'ई–वेस्ट मैनेजमेंट यूसिंग–बायोलॉजिकल टूल्स–एन इकोफ्रेंडली अप्रोच' पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

शिक्षा स्कूल

100. मनोज कुमार सक्सेना एवं सुरेश अग्रवाल ने वीटीसीएससीओई और शिक्षा विभाग, वीएन साउथ गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत (गुजरात) द्वारा 21–23 जनवरी, 2012 को उच्चतर शिक्षा पर आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सेमिनार में अध्यापन शिक्षण में गुणवत्ता उन्नयन पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

101. मनोज कुमार सक्सेना ने वीटीसीएससीओई और शिक्षा विभाग, वीएन साउथ गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत (गुजरात) द्वारा 21–23 जनवरी, 2012 को उच्चतर शिक्षा पर आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सेमिनार के तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

102. मनोज कुमार सक्सेना ने एम.एम. इंजीनियरिंग कॉलेज, एम.एम. विश्वविद्यालय, मुल्लना, अंबाला में 11 नवम्बर, 2011 में 'जीवन में अनुशासन' विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

103. मनोज कुमार सक्सेना ने क्षेत्रीय केन्द्रीय (अंबाला) पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय, जालंधर–पंजाब द्वारा अपने व्याख्याताओं और अधिगम केन्द्रों के प्रमुखों के लिए 17 सितम्बर, 2011 को आयोजित कार्यशाला में 'प्रभावशाली अध्यापक कैसे बनें' विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

104. मनोज कुमार सक्सेना ने यूजीसी ऐकेडमिक स्टाफ कॉलेज, गुरू जम्बेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, 30 जून, 2011 को आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम में विशेषज्ञ संसाधक के रूप में कार्य किया।

105. मनोज कुमार सक्सेना ने हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला (हि.प्र.) द्वारा 23–24 जून 2011 को आयोजित शिक्षा विषय क्षेत्र के लिए पाठ्यचर्या विकास पर एक कार्यशाला बैठक में विशेषज्ञ संसाधक के रूप में कार्य किया।

106. मनोज कुमार सक्सेना ने मॉडर्न कॉलेज ऑफ एडूकेशन, बीर कलां, जिला संगरूर (पंजाब) द्वारा 24 अप्रैल, 2011 को आयोजित ''सस्टेनेबल क्वालिटी टीचर्स एडूकेशन'' पर राष्ट्रीय सेमिनार में विशेषज्ञ संसाधक के रूप में कार्य किया।

107. मनोज कुमार सक्सेना ने बीपीआरडी कॉलेज एडूकेशन, पाली, मोहिन्द्रगढ़ (हरियाणा) ने 17 अप्रैल, 2011 को 'शिक्षा का अधिकार अधिनियम' पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में आधार व्याख्यान दिया।

पत्रकारिता, जनसंचार एवं नव मीडिया स्कूल

108. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा, संचार और पत्रकारिता विभाग, योगी वेमाना विश्वविद्यालय, कडप्पा, आंध्रप्रदेश द्वारा 26 मार्च, 2012 को 'मीडिया, टेक्नोलॉजी एण्ड सोसाइटी–इंटरफेस एण्ड इम्प्लीकेशंस' पर यूजीसी–राष्ट्रीय सेमिनार में सत्र की अध्यक्षता की।

109. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा, अंग्रेजी विभाग, एसकेआर एंड एसकेआर गवर्नमेंट कॉलेज फॉर वमून कडप्पा, आंध्रप्रदेश द्वारा 27–28 फरवरी, 2012 को आयोजित यूजीसी–राष्ट्रीय सेमिनार में 'इंग्लिश लैंग्यूएज लर्निंग एंड द न्यू मीडिया' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

110. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा, कडप्पा जिला पत्रकार संघ, कडप्पा, आंध्रप्रदेश द्वारा 26 फरवरी, 2012 को ''मीडिया पर्सपेक्टिव'' पर राष्ट्रीय सेमिनार में आधार व्याख्यान प्रस्तुत किया।

111. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा, सुरेन्द्रनाथ कॉलेज फॉर वूमन, कोलकाता द्वारा 10–12 दिसम्बर, 2012 को आयोजित यूजीसी राष्ट्रीय सेमिनार जर्नलिज्म इन द एज ऑफ न्यू मीडिया में ''न्यू मीडिया एण्ड सीटिजन जर्नलिज्म औपरचुनिटिज एण्ड चैलेंजेज'' नामक लेख प्रस्तुत किया।

112. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा, राजनीतिशास्त्र विभाग, ए.सी. कॉलेज, गूंटूर, आंध्रप्रदेश द्वारा 9–10 दिसम्बर, 2011 को आयोजित यूजीसी राष्ट्रीय सेमिनार में 'ह्यूमन राइट्स एडूकेशन इन इंडिया–ए पर्सपेक्टिव' नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

113. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा, पर्यावरण विज्ञान विभाग, आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, आंध्रप्रदेश द्वारा अक्टूबर, 2011 में पर्यावरण और स्थायी विकास पर यूजीसी राष्ट्रीय सेमिनार में 'रोल ऑफ मीडिया इन सस्टेनेबल डेवलॉपमेंट' नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

114. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा, मनोविज्ञान विभाग, एसपीडब्ल्यू डिग्री एंड पीजी कॉलेज और श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरूपति, आंध्रप्रदेश द्वारा अक्टूबर, 2011 में आयोजित यूजीसी राष्ट्रीय सम्मेलन में 'क्वालिटी ऑफ लाइफ' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

115. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा, राजनीति शास्त्र विभाग, गोबी आर्ट्स एण्ड साइंस कॉलेज, भरथियार विश्वविद्यालय, एरोड, तमिलनाडु द्वारा 16–17 सितम्बर, 2011 को आयोजित यूजीसी राष्ट्रीय सेमिनार में 'द रोल ऑफ मीडिया इन अडवांसिंग वूमन्स ह्यूमन राइट्स'' नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

116. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा, राजनीति शास्त्र, भरथियार विश्वविद्यालय, एरोड, तमिलनाडु द्वारा 19–20 अगस्त, 2011 को आयोजित यूजीसी राष्ट्रीय सेमिनार में ''द रोल ऑफ सिविल सोसाइटी इन कॉमबैटिंग करप्शन'' नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

117. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा, पत्रकारिता और जनसंचार विभाग, कर्नाटक राज्य महिला विश्वविद्यालय, बिजापुर, कर्नाटक द्वारा 2011 में आयोजित यूजीसी राष्ट्रीय सेमिनार में ''मीडिया एण्ड ह्यूमन राइट्स–पर्सपेक्टिव एण्ड चैलेंजेज नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

118. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा, आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय द्वारा 12–13 मार्च, 2011 को प्रकृति संबंधी जैन बोध और वैश्विक उष्मीकरण के संबंध में इसकी प्रासंगिकता विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में 'इम्पौर्टेंस ऑफ मीडिया इन क्रिएटिव अवेरनेस इन ग्लोबल वार्मिंग' नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

119. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा, पत्रकारिता और जनसंचार विभाग, कृष्णा विश्वविद्यालय, आंध्रप्रदेश द्वारा 2011 में आयोजित यूजीसी राष्ट्रीय सेमिनार में 'मीडिया ट्रेंडस एंड एथिक्स' नामक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

120. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा, भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद, दक्षिणी क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद और योगी वेमाना विश्वविद्यालय, कडप्पा द्वारा 13–18 फरवरी, 2012 के दौरान आयोजित ''रिसर्च मेथडोलोजी कोर्स इन सोशल साइंस'' पर आयोजित कार्यशाला में निदेशक के रूप में अपना योगदान दिया।

121. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा, आंध्रप्रदेश राज्य उच्चतर शिक्षा द्वारा 12 दिसम्बर, 2011 को 'सर्वे ऑफ हायर एडूकेशन इन द स्टेट ऑफ आंध्रप्रदेश' पर आयोजित कार्यशाला में सहभागिता की।

122. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा, प्रसार भारती आकाशवाणी द्वारा 7 दिसम्बर, 2011 को 'प्रेजेंट ट्रेंड इन जर्नलिज्म' विषय पर प्रसारित पैनेज चर्चा रेडियो ब्रिज लाइव में हिस्सा लिया।

123. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा, दूरस्थ शिक्षा स्कूल, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापट्टनम, आंध्रप्रदेश द्वारा अगस्त 2011 में आयोजित वर्कशॉप फॉर लेशन राइट्र्स में भाग लिया।

124. रबिन्द्रनाथ मनुकोण्डा, आंध्र प्रदेश प्रेस अकेडमी और योगी वेमाना विश्वविद्यालय, आंध्रप्रदेश द्वारा संयुक्त रूप से ग्रामीण पत्रकारों के लिए 2–3 अप्रैल, 2011 के दौरान आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में समन्वयक और विशेषज्ञ संसाधक के रूप में अपना योगदान दिया।

कुलपति एवं संकाय सदस्यों द्वारा विशेष व्याख्यान/आमंत्रित व्याख्यान

कुलपति

1. फुरकान कमर, एसएसएसएस कॉलेज, अमृतसर के दीक्षांत समारोह पर व्याख्यान दिया।
2. फुरकान कमर, शहीद भगत सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में समापन अभिभाषण दिया।
3. फुरकान कमर, ऐकेडमिक स्टाफ कॉलेज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक अभिविन्यास और एक पुनश्चर्या कार्यक्रम में समापन अभिभाषण दिया।
4. फुरकान कमर, एफएमएस, बीएचयू द्वारा आयोजित प्रबंधन संस्थानों के निदेशकों की राष्ट्रीय बैठक का उद्घाटन अभिभाषण दिया।

व्यवसाय एवं प्रबंधन विज्ञान स्कूल

5. योगिन्दर एस. वर्मा, श्री साईं कॉलेज ऑफ एजूकेशन, बधानी, पठानकोट में 19 जनवरी, 2012 को एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
6. योगिन्दर एस. वर्मा, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 28 जून, 2011 को आयोजित उत्तरी भारत के महाविद्यालयों के सेमिनार में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
7. योगिन्दर एस. वर्मा, राजकीय अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय, धर्मशाला (हि.प्र.) द्वारा 17 मई, 2012 को आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में उद्घाटन अभिभाषण दिया।
8. योगिन्दर एस. वर्मा, राजकीय अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय, धर्मशाला (हि.प्र.) में 10 मई, 2011 को एक व्याख्यान दिया।
9. योगिन्दर एस. वर्मा, यूजीसी–ऐकेडमिक स्टाफ कॉलेज, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र में 24 मई, 2012 को एक व्याख्यान दिया।
10. योगिन्दर एस. वर्मा, यूजीसी–ऐकेडमिक स्टाफ कॉलेज पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में 27 मई, 2011 को विशेषज्ञ संसाधक के रूप में योगदान दिया।
11. योगिन्दर एस. वर्मा, यूजीसी–ऐकेडमिक स्टाफ कॉलेज, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला में 9 जुलाई, 2011 को विशेषज्ञ संसाधक के रूप में योगदान दिया।
12. योगिन्दर एस. वर्मा, यूजीसी–ऐकेडमिक स्टाफ कॉलेज, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र में 20 जुलाई, 2011 को विशेषज्ञ संसाधक के रूप में योगदान दिया।
13. योगिन्दर एस. वर्मा, उत्तरी भारतीय महाविद्यालय के प्रधानाचार्यों के सेमिनार में 28 जून, 2011 को आमंत्रित व्याख्यान दिया।
14. योगिन्दर एस. वर्मा, द्रोणाचार्य कॉलेज ऑफ एडूकेशन, रैंत, हिमाचल प्रदेश में 28 जुलाई, 2011 को एक व्याख्यान दिया।
15. योगिन्दर एस. वर्मा, यूजीसी ऐकेडमिक स्टाफ कॉलेज, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र में 3 दिसम्बर, 2011 को एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

गणित, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान स्कूल

गणित विभाग

16. अमित महाजन, बी.एन.एम.आई.टी. बैंगलोर द्वारा 20–22 जुलाई, 2011 को आयोजित 'इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन फ्लूड डायनमिक्स एंड इट्स ऐप्लीकेशंस' में एक सत्र की अध्यक्षता की।
17. अमित महाजन ने बी.एन.एम.आई.टी. बैंगलोर द्वारा 20–22 जुलाई, 2011 के दौरान आयोजित 'इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन फ्लूड डायनमिक्स एंड इट्स ऐप्लीकेशंस' में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
18. अमित महाजन ने व्यवसाय एवं प्रबंधन विज्ञान स्कूल, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा शाहपुर में 'एनालिटिक्स ऑफ रिसर्च' विषय पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।
19. सुशील कुमार ने व्यवसाय एवं प्रबंधन विज्ञान स्कूल द्वारा आयोजित 'एनालिटिक्स ऑफ रिसर्च' कार्यशाला का समन्वय किया (विशेषज्ञ संसाधक– प्रो. बालकृष्ण, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला) (09–13 अप्रैल, 2011)

पुस्तकालय विज्ञान विभाग

20. आई.वी. मल्हन, स्वास्थ्य सूचना साक्षरता पर ढाका, बांग्लादेश में 27–30 जुलाई, 2011 के दौरान आयोजित अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला में विशेषज्ञ संसाधक के रूप में आमंत्रित किए गए और उन्होंने दो व्याख्यान दिए। यह कार्यशाला ईस्ट–वेस्ट यूनिवर्सिटी और इंटरनेशनल फेडेरेशन ऑफ लाइब्रेरी एशोसिएशंस, हेग, नीदरलैण्ड द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई।
21. आई.वी. मल्हन, जम्मू विश्वविद्यालय पुस्तकालय स्टाफ द्वारा 12 अगस्त, 2011 को पुस्तकालय दिवस समारोह में आधार व्याख्यान दिया।
22. आई.वी. मल्हन, शिक्षक दिवस समारोह के अवसर पर द्रोणाचार्य कॉलेज ऑफ एडूकेशन, रैंत में 5 सितंबर, 2011 को एक व्याख्यान दिया।

समाज विज्ञान स्कूल

समाज कार्य विभाग

23. अरविंद अग्रवाल ने 1 जुलाई, 2011 को पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय, दरोह (हि.प्र.) में मानवाधिकार संबंधी दो दिवसीय कार्यशाला में ''मानवाधिकार : संकल्पना और क्रम विकास'' पर उद्घाटन व्याख्यान दिया।
24. अरविंद अग्रवाल ने 1 जुलाई, 2011 को पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय, दरोह (हि.प्र.) में 'मानवाधिकार एवं संवैधानिक संरक्षण' पर एक व्याख्यान दिया।
25. अरविंद अग्रवाल ने 15 दिसम्बर, 2011 को पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय, दरोह (हि.प्र.) में आयोजित मानवाधिकार पर उच्च स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में उद्घाटन व्याख्यान दिया।
26. अरविंद अग्रवाल ने 15 दिसम्बर, 2011 को पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय, दरोह (हि.प्र.) में 'मानवाधिकार एवं संवैधानिक संरक्षण' पर एक व्याख्यान दिया।
27. अरविंद अग्रवाल ने जुलाई, 2011 में द्रोणाचार्य कॉलेज ऑफ एडूकेशन, रैंत, हिमाचल प्रदेश में एक व्याख्यान दिया।

मानविकी एवं भाषा स्कूल

28. रोशन लाल शर्मा, मलौत प्रबंधन संस्थान द्वारा 29 जुलाई, 2011 को आयोजित संप्रेषण कौशल और व्यक्तित्व विकास के शिक्षाशास्त्रीय महत्व पर संकाय विकास कार्यक्रम, जिसे पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित किया गया था, में ''कम्यूनिकेशन स्किल्स एण्ड सोसाइटी'' ''इंटरपर्सनल स्किल्स'' और ''एथिक्स, मॉरल एडूकेशन एंड पर्सनालिटी डेवलॉपमेंट'' पर दो व्याख्यान दिए।

सम्मान, पुरस्कार और शैक्षणिक निकायों एवं समितियों की सदस्यता

कुलपति

1. फुरकान कमर, सदस्य, मौलाना आजाद राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति हेतु अभ्यर्थियों के चयन संबंधी यूजीसी समिति
2. फुरकान कमर, सदस्य, मैसूर के एक महाविद्यालय को स्वायत्त दर्जा संबंधी यूजीसी समिति
3. फुरकान कमर, सदस्य, राजीव गांधी राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति हेतु अभ्यर्थियों के चयन संबंधी यूजीसी समिति
4. फुरकान कमर, अध्यक्ष, दोहरा डिग्री / समकालिक डिग्री संबंधी यूजीसी समिति
5. फुरकान कमर, अध्यक्ष डिग्रियों के ब्यौरा संबंधी यूजीसी समिति
6. फुरकान कमर, सदस्य, 12 वीं योजना संबंधी कार्यदल, मानव संसाधन विकास मंत्रालय
7. फुरकान कमर, सदस्य, 12 वीं योजना संबंधी यूजीसी समिति
8. फुरकान कमर, सदस्य, यूजीसी द्वारा गठित 12 वीं योजना प्रारूपण समिति
9. फुरकान कमर, सदस्य, कार्लटन विश्वविद्यालय, कनाडा के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय का प्रतिनिधि मंडल
10. फुरकान कमर, सदस्य, उत्कृष्टता की संभावना से युक्त विश्वविद्यालयों संबंधी यूजीसी कार्यदल
11. फुरकान कमर, सदस्य, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर)
12. फुरकान कमर, सदस्य, योजना एवं प्रशासन बोर्ड, आईसीएसएसआर
13. फुरकान कमर, सदस्य, शासी परिषद, राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण (एनसीएआरटी)
14. फुरकान कमर, सदस्य, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी सोसाइटी
15. फुरकान कमर, सदस्य, शासी मंडल, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), कश्मीर
16. फुरकान कमर, सदस्य, कार्यकारिणी परिषद, कर्नाटक केन्द्रीय विश्वविद्यालय
17. फुरकान कमर, सदस्य, वित्त समिति, कर्नाटक केन्द्रीय विश्वविद्यालय
18. फुरकान कमर, सदस्य, शैक्षणिक परिषद, गुरू गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय
19. फुरकान कमर, सदस्य, शैक्षणिक परिषद, कश्मीर केन्द्रीय विश्वविद्यालय
20. फुरकान कमर, सदस्य, कार्यकारिणी परिषद, पांडिचेरी विश्वविद्यालय
21. फुरकान कमर, सदस्य, वित्त समिति, जामिया हमदर्द
22. फुरकान कमर, सदस्य, जामिया हमदर्द सोसाइटी
23. फुरकान कमर, सदस्य, योजना आयोग, भारत सरकार द्वारा संकाय सदस्यों संबंधी उपसमिति
24. फुरकान कमर, सदस्य, योजना आयोग द्वारा उच्चतर शिक्षा में नेतृत्व विकास संबंधी उपसमिति
25. फुरकान कमर, सदस्य, संकायों की कमी पर कार्यबल के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए गठित मानव संसाधन विकास मंत्रालय समिति
26. फुरकान कमर, सदस्य, उच्चतर शिक्षा में नीति अनुसंधान के लिए अन्तर विश्वविद्यालय केन्द्र स्थापित करने हेतु डीपीआर को अंतिम रूप देने संबंधी यूजीसी विशेषज्ञ समिति
27. फुरकान कमर, सदस्य, अनुसंधान वैज्ञानिक संबंधी यूजीसी विशेषज्ञ समिति
28. फुरकान कमर, सदस्य, ऐकेडमिक स्टाफ कॉलेज की समीक्षा हेतु कार्यप्रणाली विकसित करने संबंधी एनएएसी समिति
29. फुरकान कमर, सदस्य, उच्चतर शिक्षा में निर्धारण और प्रत्यायन के लिए संशोधित दिशानिर्देश तैयार करने संबंधी एनएएसी समिति
30. फुरकान कमर, सदस्य, प्रबंधन बोर्ड, यूनिवर्सिटी बिजनेस स्कूल, हैदराबाद विश्वविद्यालय।

व्यवसाय एवं प्रबंधन विज्ञान स्कूल

31. योगिन्दर एस. वर्मा को राजकीय कन्या महाविद्यालय, शिमला द्वारा 4 जून, 2011 को 'लाइफ टाइम अचिवमेंट' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
32. योगिन्दर एस. वर्मा, एनएएसी पीयर टीम के सदस्य समन्वयक; टीम ने आर्ट्स, कॉमर्स एण्ड साईंस कॉलेज, सोनई,

टाल–नेवासा, अहमदनगर (414105 एमएस) का 26–28 सितम्बर, 2011 को निर्धारण और प्रत्यायन किया।

33. योगिन्दर एस. वर्मा, वनस्थली विश्वविद्यालय, राजस्थान, भारत के निर्धारण और प्रत्यायन के लिए एनएएसी, बैंगलोर द्वारा गठित एनएएसी पीयर टीम के सदस्य समन्वयक के रूप में कार्य किया।
34. योगिन्दर एस. वर्मा, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर की यूजीसी–सेंटर ऑफ एक्सेलेंस की सलाहकार समिति की बैठक दिनांक 21 जुलाई, 2011 में सहभागिता की।
35. योगिन्दर एस. वर्मा, सदस्य, शासी निकाय, इंटरनेशनल इंड्स यूनिवर्सिटी, ऊना (हि.प्र.)।
36. योगिन्दर एस. वर्मा, सदस्य, पाठ्य समिति, हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय, हमीरपुर (हि.प्र.)
37. योगिन्दर एस. वर्मा, सदस्य, नियंत्रण बोर्ड, वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग, जीएनडीयू, अमृतसर
38. योगिन्दर एस. वर्मा, सदस्य, सलाहकार समिति, हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस, गुरू जम्बेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार
39. योगिन्दर एस. वर्मा, सदस्य, पाठ्य समिति, फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार
40. योगिन्दर एस. वर्मा, सदस्य, सलाहकार समिति, सेंटर फॉर एक्सेलेंस इन ई–गवर्नेंस, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर
41. योगिन्दर एस. वर्मा, सदस्य, आंतरिक गुणवत्ता एश्योरेंस प्रकोष्ठ, सेंट बीड्स कॉलेज, शिमला (हि.प्र.)

गणित, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान स्कूल

42. सुशील कुमार, मैथेमैटिकल रिव्यूज (अमेरिकन मैथेमैटिकल सोसाइटी) के समीक्षक सदस्य बने।

पुस्तकालय विज्ञान विभाग

43. आई.वी. मल्हन, श्रीलंकन जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एण्ड इंफॉरमेशन साइंस के संपादकीय मंडल में सदस्य के रूप में आमंत्रित किए गए।
44. आई.वी. मल्हन, सतकल द्वारा राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष पुरस्कार 2011 से आईजीएनसीए, नई दिल्ली में 27 अगस्त, 2011 को आयोजित सतकल वार्षिक समारोह में सम्मानित।
45. आई.वी. मल्हन, यूनेस्को प्रायोजित इंटरनेशनल मीडिया एंड इनफॉरमेशन सर्वे (आईएमआईएलएस) के लिए भारत के जम्मू तथा कश्मीर और हिमाचल प्रदेश क्षेत्र के लिए 2012 हेतु मुख्य अन्वेषक (अनुसंधान) नियुक्त हुए।
46. आई.वी. मल्हन, विशेष पुस्तकालय संघ (यूएसए) (एशियाई अध्याय) के कार्यक्रम योजना समिति के वर्ष 2012 के अध्यक्ष नियुक्त किए गए।

समाज विज्ञान स्कूल

अर्थशास्त्र एवं लोकनीति विभाग

47. एच.आर. शर्मा, इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल एकोनॉमिक्स, मुंबई द्वारा प्रकाशित इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल एकोनॉमिक्स के संपादकीय मंडल में सदस्य रूप में निर्वाचित।
48. एच.आर. शर्मा, दिसम्बर, 2011 तक इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स के संपादक मंडल के सदस्य रहे।

समाज कार्य विभाग

49. अरविंद अग्रवाल, लूंड विश्वविद्यालय, स्वीडन में सत्र 2012–13 के लिए अतिथि प्रोफेसर के रूप में आमंत्रित।
50. अरविंद अग्रवाल, इंटरनेशनल बोर्ड ऑफ रिसर्च कमिटि ऑन सोशियोलॉजी ऑफ लॉ, इंटरनेशनल सोशियोलॉजिकल एशोसिएशन के कार्यकारी सदस्य के रूप में चार वर्ष की अवधि (2010–14) के लिए सहवरण किया गया।
51. अरविंद अग्रवाल, विधि के समाजशास्त्र शिक्षा विषय में योगदान के लिए प्रो. विट्टोरिया द्वारा आईएसए–आरसीएल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
52. इंटरनेशनल सोशियोलॉजिकल एसोसिएशन–रिसर्च कमिटी 12 (रिसर्च कमिटी ऑन सोशियोलॉजी ऑफ लॉ) के मध्यावधि अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन का धर्मशाला में आयोजन का कार्य जुलाई 2010 में गोथेनबर्ग में उसकी बैठक में सौंपा गया जो हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय एवं इंटरनेशनल सोशियोलॉजीकल एसोसिएशन के रिसर्च कमिटी ऑन सोशियोलॉजी ऑफ लॉ (आरसीएसएल) के संयुक्त तत्वावधान में सितम्बर, 2011 में आयोजित किया गया।

53. अरविंद अग्रवाल को मार्च 2012 में राष्ट्रीय स्तर पर बोर्ड सदस्य–हिडेलवर्ग अलूमनी इंडियन (एचएआईएन) और हिमाचल प्रदेश में क्षेत्रीय चैप्टर, राजस्थान का प्रमुख नामित किया गया।

54. अरविंद अग्रवाल को टूलोज़ (फ्रांस) में आयोजित किए जाने वाले टूलोज़ आरसीएसएल सम्मेलन 2013 के वैज्ञानिक सलाहकार समिति का सदस्य नामित किया गया।

55. अरविंद अग्रवाल को मई, 2011 में मानव से जुड़े विषयों पर अनुसंधान के लिए संस्थागत आचारनीति समीक्षा बोर्ड नामतः आईएआरबी–जेएनयू के सदस्य रूप में नामित किया गया।

56. समाजशास्त्र विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई के एसएपी के वार्षिक मूल्यांकन के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नामिति के रूप में नामित किया गया। उन्होंने वार्षिक मूल्यांकन के लिए समाजशास्त्र विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई में एसएपी 2012 का दौरा किया।

57. आरविंद अग्रवाल, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय एवं इंटरनेशनल सोशियोलॉजिकल एशोसिएशन (आईएसए) के सोशियोलॉजी ऑफ लॉ की रिसर्च कमिटी के संयुक्त तत्वावधान में सितम्बर, 2011 में आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किए गए शोधपत्रों के आधार पर हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय और आईएसए आरसीएसएल के संयुक्त तत्वावधान में प्रकाशित होने वाली दो अन्तरराष्ट्रीय खंडों के मुख्य संपादक होंगे।

पृथ्वी विज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान स्कूल

58. दीपक पंत को एसईआरसी युवा वैज्ञानिक पुरस्कार 2011 से सम्मानित किया गया।

मानविकी एवं भाषा स्कूल

59. रोशन लाल शर्मा, समाज सेवा के क्षेत्र में हिमाचल मातृभूमि सेवा संस्थान (रजि0), गौरा, जिला सोलन (हि.प्र.) द्वारा 04 अक्टूबर को 'प्रशंसा प्रमाणपत्र' से सम्मानित किया गया।

शिक्षा स्कूल

60. मनोज कुमार सक्सेना, उत्तर प्रदेश में अध्यापक शिक्षा महाविद्यालयों की मान्यता के लिए 16–23 फरवरी, 2011 के दौरान दौरा करने वाले एनसीटीई, जयपुर के दल के सदस्य रूप में योगदान दिया।

61. मनोज कुमार सक्सेना, सदस्य सलाहकार मंडल, इंटरनेशनल एडूकेशनल टेक्नोलॉजी कॉन्फ्रेंस, इस्तांबुल यूनिवर्सिटी कैंपस, बेयाज़िट/इस्तांबुल, तुर्की, 25–27 मई, 2011 (http://www.iet-c.net/advisoryboard.php)

62. मनोज कुमार सक्सेना को मॉर्डन कॉलेज ऑफ एडूकेशन, बीरकलां, संगरूर (पंजाब) द्वारा 24 अप्रैल, 2011 को 'अवार्ड ऑफ ऑनर' से सम्मानित किया गया।

संकाय सदस्यों का वृत्तिक विकास

व्यवसाय एवं प्रबंधन विज्ञान

1. मनप्रीत अरोड़ा ने प्रो. कुलवंत सिंह राणा के मार्गदर्शन में जुलाई, 2011 में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में ''चीन–भारत व्यापार संबंधों के बदलते आयाम'' विषय पर पीएचडी थीसिस जमा कराया।

2. राजेश कुमार ने ''मोबाइल हैंडसेट के विशेष संदर्भ में विज्ञापन प्रभाविता का एक समालोचनात्मक अध्ययन'' विषय पर पीएचडी कार्यक्रम के लिए सार प्रस्तुत किया।

3. संजय कुमार ठाकुर ने ''मनरेगा के माध्यम से हिमाचल प्रदेश के ग्रामीण विकास का एक अध्ययन – मण्डी जिला का एक केस अध्ययन'' विषय पर पीएचडी कार्यक्रम के लिए सार प्रस्तुत किया।

गणित, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना विज्ञान स्कूल

गणित विभाग

4. अमित महाजन ने पीयरसन द्वारा डिफरेंसियल कैलकूलस पर प्रकाशित की जाने वाली एक पुस्तक के अध्यायों की समीक्षा की।

विश्वविद्यालय के अन्य पाठ्यचर्या एवं सह–पाठ्यचर्या कार्यकलाप

विद्यार्थियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के विज़न और मिशन से अवगत कराने के लिए वर्ष 2011–12 के विद्यार्थियों के लिए 2 अगस्त, 2011 को अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सोसाइटी एवं क्लब

- **विषय एसोसिएशन / सोसाइटियां**
  - **मैनेजमेंट सोसाइटी:** मैनेजमेंट सोसाइटी द्वारा शिक्षा और उद्योग जगत के विशिष्ट व्यक्तियों द्वारा व्याख्यान को आयोजित किया जाता है।
  - **मैनेजमेंट स्टडी सर्कल :** 17 अक्टूबर, 2011 को एक मैनेजमेंट स्टडी सर्कल का गठन किया गया जिसका उद्देश्य प्रबंधन के छात्र–छात्राओं को एक ऐसा फोरम उपलब्ध कराना है जहां उनके द्वारा पढ़ी गई रोचक और उपयोगी पुस्तकों के विषय में वे समीक्षा कर सकें। विद्यार्थीगण विभिन्न लेखकों के विचारों पर चर्चा करते हैं और बिजनेस के विशिष्ट पहलुओं को उद्घाटित करते हैं।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थी मैकलॉडगंज की भ्रमण यात्रा पर जाते हुए।

- बुक क्लब
- ग्रीन कैंपस सोसाइटी
- धौलाधार एक्सप्रेस सांस्कृतिक सोसाइटी
- लिटरेटी विन्येट सोसाइटी

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय की साहित्यिक

भाषा शिक्षण एवं साहित्यिक परिदृश्य पर आयोजित कार्यशाला में विभिन्न विश्वविद्यालयों और साहित्य अकादमी के प्रमुख विद्वान सहभागिता करते हुए।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक दिवस, 2011 समारोह मनाया गया।

आर्ट ऑफ लिविंग के एक दल द्वारा विश्वविद्यालय में कार्यशाला आयोजित की गई।

प्रो. अरविंद अग्रवाल, डीन, समाज विज्ञान स्कूल की अध्यक्षता में गठित सोशल वर्क सोसाइटी की एक ग्रुप फोटो

विन्चेट सोसाइटी द्वारा 2011–12 के दौरान निम्नलिखित कार्यकलाप आयोजित किए गए ।

- भाषा शिक्षण एवं साहित्यिक परिदृश्य पर 25 अगस्त, 2011 को कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में विभिन्न विश्वविद्यालयों और साहित्य अकादमी के प्रमुख विद्वानों ने भाग लिया और अपने विचार व्यक्त किए। विद्वानों में प्रो. आलोक भल्ला, डॉ. कविता शर्मा (निदेशक–इंडिया इंटरनेशनल सेंटर), प्रो. मालाश्री लाल (दिल्ली विश्वविद्यालय) और प्रो. वेंकटराव (ईएफएलयू, हैदरादबाद) भी उपस्थित थे।
- अक्टूबर 2011 में समाज कार्य विभाग के साथ मिलकर 'डिसकर्सस' नाम की एक फोरम का प्रारंभ किया गया, जहां विद्यार्थियों के साथ–साथ संकाय सदस्य भी सामान्य और विशिष्ट मुद्दों पर विचार–विमर्श एवं वाद–विवाद करते हैं।
- सुश्री श्रुति शर्मा, सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी एवं यूरोपीय भाषा विभाग ने 'डिसकर्सस' में 'माइग्रेशन एंड ह्यूमन राइट्स वॉयलेशनः ए क्रिटिकल पर्सपेक्टिव' नामक प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत किया।
- संदीप भारमोरिया, एमएसडब्ल्यू सत्र IV के बाद एक छात्र ने डिसकर्सस में ''द प्रौस्पेक्ट्स ऑफ सोशल वर्क इन करेंट सिनोरियो' पर एक प्रस्तुतीकरण दिया।
- अक्टूबर 2011 में विद्यार्थियों के दूसरे बैच के लिए विश्वविद्यालय के भित्ती पत्र 'धौलाधार एक्सप्रेस' का दूसरा संस्करण निकाला गया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

15 अगस्त, 2011 को देश का 65 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय में मनाया गया। माननीय कुलपति प्रो. फुरकान कमर द्वारा विश्वविद्यालय के कैंप कार्यालय में ध्वजारोहण किया गया। अपने संबोधन में प्रो. कमर ने यह कहा कि हमें स्वतंत्रता दिलाने वाले हमारे राष्ट्रीय नायकों द्वारा किए गए त्याग के लिए हम सभी भारतीय उनके ऋणी हैं। इस अवसर पर प्रो. वाई.एस. वर्मा, प्रो. अरविंद अग्रवाल, प्रो. आई.वी. मल्हन, प्रो. एच.आर. शर्मा, डॉ. के.डी. लखनपाल, श्री बी.आर. धीमान और सभी संकाय सदस्य उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस, 2011 समारोह के अवसर पर माननीय कुलपति महोदय प्रो. फुरकान कमर और अन्य स्टाफ सदस्य

पर्यटन सप्ताह समारोह

विश्व पर्यटन सप्ताह, जिसका विषय ''संस्कृतियों को जोड़ता पर्यटन'' 20–27 सितम्बर, 2011 तक मनाया गया। पर्यटन विभाग के विद्यार्थियों ने एक सांस्कृतिक कार्यक्रम 'विविध भारत' को प्रदर्शित किया। कोलाज़ प्रतियोगिता, चित्रकला शीर्षक प्रतियोगिता, फोटो शीर्षक प्रतियोगिता और निबंधन लेखन प्रतियोगिता जैसी प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। एक अन्तर संस्थान भाषण और क्विज

पर्यटन सप्ताह समारोह, 2011 के दौरान प्रो. योगिन्द्र वर्मा डीन, व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल के साथ प्रो. आई.वी. मल्हन, डीन और प्रो. एच.आर. शर्मा, विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र

प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें अनेक क्षेत्रीय महाविद्यालयों यथा राजकीय महाविद्यालयों (देहरा, धर्मशाला, शाहपुर, नगरोटा, बगवा और राजपुरा) ; राजकीय बी.एड महाविद्यालय, धर्मशाला ; द्रोणाचार्य कॉलेज ऑफ एडूकेशन, रैंत ने भाग लिया। डॉ. विनय चौहान, सहायक प्रोफेसर जम्मू विश्वविद्यालय ने इस अवसर पर 'पर्यटन क्षेत्र में उभरते रूझान' विषय पर व्याख्यान दिया।

राजभाषा हिंदी का कार्यान्वयन

विश्वविद्यालय के अस्थाई शैक्षणिक खंड में राजभाषा हिंदी की प्रगति की समीक्षा के लिए दिनांक 09–11–2011 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई। अगली बैठक 27–03–2012 को आयोजित हुई।

ऐंटी रैगिंग समिति बैठक

ऐंटी रैगिंग समिति की प्रथम बैठक माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता में 06–09–2011 को और दूसरी

माननीय कुलपति प्रो. फुरकान कमर की उपस्थिति में विश्वविद्यालय की रैगिंग विरोधी समिति की समीक्षा बैठक का एक दृश्य

विश्वविद्यालय की रैगिंग विरोधी जागरूकता कार्यक्रम का दृश्य।

बैठक माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता में मॉनसून सत्र में 22–11–2011 को आयोजित की गई। समिति ने संतोष प्रकट किया कि किसी भी स्थान पर रैगिंग की घटना घटित नहीं हुई।

रक्तदान शिविर

- विश्वविद्यालय की समाज कार्य सोसाइटी द्वारा 04–10–2011 को रक्तदान शिविर आयोजित किया गया जिसमें 85 लोगों ने रक्तदान किया जो कांगड़ा जिले के पांच वर्षों का रिकॉर्ड है। इस शिविर का आयोजन 'रेड रिबन' के सहयोग से किया गया।

एचआईवी / एड्स संबंधी कार्यकलाप

- प्रोफेसर अरविंद अग्रवाल, संकायाध्यक्ष, समाज विज्ञान स्कूल और मानविकी एवं भाषा स्कूल ने विश्वविद्यालय के युवाओं के लिए 'रेड रिबन क्लब' की औपचारिक शुरूआत की। डॉ. सौरभ, विभागाध्यक्ष, रोग विज्ञान विभाग, डॉ. आरपीजीएमसी, टांडा एवं प्रभारी रक्त बैंक ने मुख्य अतिथि को 'रेड रिबन' लगाया। इस अवसर पर डॉ. आर.के. सूद, जिला एड्स प्रोग्राम अधिकारी ने कहा कि रेड रिबन क्लब एक ऐसा प्लैटफॉर्म है जहां युवा–युवतियों में संवाद को प्रोत्साहित और एचआईवी से सुरक्षित

टैब, शाहपुर में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रक्त दान शिविर के अवसर पर संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों द्वारा मोमबत्तियों को प्रज्ज्वलित किया जा रहा है।

रक्तदान एवं इससे जुड़े मिथकों और गलत आवधारणाओं पर आपसी चर्चा का एक दृश्य

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित क्विज प्रतियोगिता में उपस्थित प्रतिभागी एवं विद्यार्थीगण

किया जाता है। रक्तदान, रक्तदान से जुड़े मिथकों और गलत अवधारणाओं पर भी चर्चा की गई।

- समाज कार्य सोसाइटी के विद्यार्थियों द्वारा एचआईवी/एड्स के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए शहीद स्मारक, धर्मशाला के पास अभिनय किया गया। दिल्ली दूरदर्शन की एक टीम द्वारा इस कार्यक्रम को रिकॉर्ड भी किया गया।
- विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एचआईवी/एड्स के बारे में जागरूकता लाने के लिए दिसंबर, 2010 एवं 2011 में सप्ताहभर का जागरूकता अभियान चलाया गया। एचआईवी एड्स की रोकथाम के लिए समाज कार्य विभाग द्वारा जिला एड्स नियंत्रण सोसाइटी के सहयोग से 'रेड रिबन क्लब' का गठन किया गया। एमएसडब्ल्यू के विद्यार्थियों द्वारा एचआईवी/एड्स के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए शहीद स्मारक, धर्मशाला में एकांकी का मंचन किया गया। इस कार्यक्रम के बारे में अनेक समाचारपत्रों और न्यूज चैनलों यथा दूरदर्शन के समाचारों में स्थान दिया गया।
- हाल ही में 'रेड रिबन क्लब' का उन्नयन कर इसे 'युवा विकास केन्द्र' (वाईडीसी) में परिणत कर दिया गया है, जो क्षेत्रीय संसाधन केन्द्र के रूप में कार्य करेगा। यह क्षेत्र के युवाओं के लिए वरदान साबित होगा, जहां 'स्वास्थ्य दूतों' के रूप में कार्य करने के लिए वृत्तिक कौशलों और ज्ञान से सक्षम बनाया जाएगा। राष्ट्रीय एड्स कंट्रोल कार्यक्रम, एड्स नियंत्रण विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अन्तर्गत वाईडीसी युवाओं के आवश्यकता निर्धारण और आवश्यकता आधारित कौशल विकास द्वारा क्षेत्र के महाविद्यालयों और तकनीकी संस्थाओं के आरआरसी युवाओं को नेतृत्व भी प्रदान करेगा। यह युवा विकास केन्द्र, शैक्षणिक उत्कृष्टता, क्षेत्र कार्य ज्ञान और विद्यार्थियों के वृत्तिक विकास के लिए निर्माण स्थल के रूप में विकसित हो जाएगा।

पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम में सहभागिता

विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारत सरकार की राष्ट्रीय पोलियो निगरानी परियोजना (एनजीएसयू) के तत्वावधान में एमएसडब्ल्यू के विद्यार्थियों ने पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम के लिए हिमाचल प्रदेश के विभिन्न ब्लॉकों में 'मॉनीटरों' के रूप में कार्य किया। समाज कार्य विभाग द्वारा किया गया यह प्रयास सफल सिद्ध हुआ क्योंकि इस प्रकार के कार्य के लिए सामान्यतः पेशेवर चिकित्सकों को नियुक्त किया जाता है।

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पोलियो निगरानी कार्यक्रम के अन्तर्गत विश्व स्वास्थ्य संगठन के मॉनीटरों के साक्षात्कार–प्रश्नोत्तरी सत्र पुनः आयोजित किए गए। एमएसडब्ल्यू के विद्यार्थियों, जिन्होंने बाह्य मानीटरों के रूप में योगदान दिया गया था, ने डॉ. जी.पी. द्विवेदी, राज्य निगरानी चिकित्सा अधिकारी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण निदेशालय, हि.प्र. के समक्ष अपनी–अपनी फीडबैक रिपोर्ट प्रस्तुत की।

विश्वविद्यालय की वित्त संबंधी सूचना

वर्ष 2011–12 और 2012–13 के लिए बजट प्राक्कलन

वर्ष 2011–12 और 2012–13 के लिए बजट प्राक्कलन तैयार किया गया और विश्वविद्यालय के प्राधिकारियों द्वारा अनुमोदित किया गया । वर्ष 2011–12 के लिए संशोधित बजट प्राक्कलन और वर्ष 2012–13 के लिए बजट प्राक्कलन, जिसमें अनुदानों, विश्वविद्यालय के आय और व्यय को दर्शाया गया है, इस प्रकार है :

लाख रुपए में

शीर्ष	2010–11 के लिए वास्तविक	2011–12 के लिए बज़ट प्राक्कलन	2011–12 के लिए संशोधित प्राक्कलन	2012–13 के लिए बज़ट प्राक्कलन
प्राप्तियां				
(I) गैर–आयोजना (अनुरक्षण) (पूर्व आयोजना सामान्य विकास) (अनुरक्षण)				
(i) प्रारंभिक शेष	292.55	100.00	114.72	727.29
(ii) यूजीसी से सहायता अनुदान	-	1177.03	1000.00	3639.71
(iii) विश्वविद्यालय की आय	45.18	47.97	41.15	77.00
कुल (I)	**337.73**	**1325.00**	**1155.87**	**4444.00**
(II) क: आयोजना सामान्य विकास (अनुरक्षण), विलय की गई योजनाओं सहित (नई योजना)				
(i) प्रारंभिक शेष	-	-	-	-
(ii) यूजीसी से सहायता अनुदान	-	-	-	5828.00
(iii) विश्वविद्यालय की आय	-	-	-	-
(II) ख:आयोजना सामान्य विकास (पूंजी)				
(i) प्रारंभिक शेष	-	674.03	1126.86	995.71
(ii) यूजीसी से सहायता अनुदान	1500.00	3300.97	-	31614.29
(iii) विश्वविद्यालय की आय	-	-	68.85	15.00
कुल (II)	**1500.00**	**3975.000**	**1195.71**	**32625.00**
कुल (I एवं II)	**1837.73**	**5300.00**	**2351.58**	**42897.00**
(III) उद्दिष्ट (परियोजनाएं / अनुदान)	2.33	3.00	6.07	55.88
(IV) भविष्य निधि एवं सेवानिवृत्ति हितलाभ	-	-	-	
(i) छुट्टी वेतन और पेंशन योगदान आदि के लिए वित्तीय सहायता				200.00
(ii) यूजीसी से सहायता अनुदान				40.00
कुल (IV)				**240.00**
(V) जमा एवं उद्दिष्ट निधि	18.41	-	67.43	127.13
सकल कुल प्राप्तियां (I से V)	**1858.47**	**5303.00**	**2425.08**	**43320.01**
व्यय				
(I) गैर–आयोजना (अनुरक्षण) (पूर्व आयोजना सामान्य विकास)	223.01	1325.00	428.58	4444.00
(II) क:आयोजना सामान्य विकास (अनुरक्षण), विलय की गई योजनाओं सहित (नई योजना)	-	-	-	5828.00
(II) ख:आयोजना सामान्य विकास (पूंजी)				
(i) परिसर विकास	7.85	600.00	-	11500.00
(ii) भवनों का निर्माण	-	1850.00	-	16800.00
(iii) केन्द्रीय सुविधाएं	-	150.00	-	-
(iv) अस्थाई परिसर	-	550.00	-	900.00
(v) परिसम्पत्तियों का सृजन	365.29	825.00	200.00	3425.00
कुल (II ख)	**373.14**	**3975.00**	**200.00**	**32625.00**
कुल (I एवं II)	**596.15**	**5300.00**	**628.58**	**42897.00**
(III) उद्दिष्ट (परियोजनाएं / अनुदान)	0.78	3.00	5.13	55.88
(IV) भविष्य निधि एवं सेवानिवृत्ति हितलाभ	-	-	-	240.00
(V) जमा एवं उद्दिष्ट निधि	0.98	-	15.30	36.60
उद्दिष्ट निधि में शेष				90.53
कुल (V)	**0.98**	**-**	**15.30**	**127.13**
कुल व्यय	**597.91**	**5303.00**	**649.01**	**43320.01**